● वर्ष-2
● अंक-287
रायपुर, रविवार
23 जुलाई 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार


**अवकाश सूचना**

समाचार पचीसा के कार्यालय में 23 जुलाई रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 25 जुलाई मंगलवार को प्रकाशित होगा।

## भारत का पहले निजी हिल स्टेशन पर विवाद

**नई दिल्ली।** लवासा भारत का पहला प्लांड हिल स्टेशन था। अरबों रुपये इसे बनाने के लिए इन्वेस्ट किए गए। हजारों लोगों ने यहां अपने पैसे लगाए, लेकिन जिस लवासा सिटी को दो लाख लोगों के लिए डिजाइन किया गया था वहां आज 20 हजार लोग भी नहीं रहते। नियमों को नहीं मानना और कई सारे गलत फैसलों का अंजाम बुरा ही होता इसका इसका लवासा सबसे सटीक उदाहरण है।

अजीत गुलाब चंद एचसीसी नामक कंपनी के एमडी थे। वे एक बार इटली के पोर्टो फिनो शहर गए थे। उन्हें वह शहर इतना पसंद आया कि उन्होंने एक ड्रीम प्रोजेक्ट अपने मन ठान लिया। उन्होंने तय किया कि उन्हें भारत में भी ऐसी विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ एक शहर बनाना है। कुछ साल प्लान करने के बाद साल 2000 से साल 2003 के बीच अजीत गुलाब चंद और एचसीसी ने मिलकर महाराष्ट्र में पुणे के पास सहयाद्रि माउंटेन के बीच एक जगह तय की और मुंशी तालुका स्थित एक स्थान पर लवासा सिटी बनाने का निर्णय लिया और इसका काम शुरू कर दिया गया। लवासा के शुरुआती प्लान में पांच सब टाउन थे और हर टाउन एक वैली में एक वाटर बॉडी के पास बसा था। आप कह सकते हैं हर टाउन को अपना एक लेक एक्सेस दिया गया था। हर टाउन की अपनी एक अलग विशेषता थी।

# गरीब कल्याण योजना में भारी गड़बड़ी: डॉ. रमन

## सीएजी रिपोर्ट पर भूपेश सरकार को घेरा, 31.05 लाख हितग्राहियों को गरीब कल्याण योजना का चावल नहीं मिला

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पत्रकार वार्ता में भूपेश सरकार के घोटालों को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में कांग्रेस सरकार की नीति और नीयत पर निशाना साधा और 600 करोड़ रुपए के पीडीएस घोटाले पर छ्ग शासन को घेरा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सरकार ने कोरोना काल के दौरान मोदी सरकार द्वारा भेजे गये मुफ्त राशन में भी बड़ी हेरफेर करने के साथ ही पीडीएस में 600 करोड़ रुपयों के चावल का घोटाला किया है। डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के 5000 करोड़ के चावल घोटाले पर भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र की सरकार ने कोविड महामारी के दौरान गरीब परिवारों के लिए जो मुफ्त राशन भेजा था वो उन तक पहुंचा ही नहीं उस कठिन समय में भी इस भ्रष्ट सरकार ने करीब 5000 करोड़ के चावल में सेंध लगाकर भ्रष्टाचार किया है।

### कयिा है मामला

राज्य सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के प्रारंभ किए जाने के पूर्व राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा



अधिनियम के हितग्राहियों को अतिरिक्त चावल प्रदान कर रही थी। तदनुसार खाद्य सुरक्षा के तहत प्राथमिकता परिवार केवल एक व्यक्ति वाले राशन कार्ड धारक को 10 कि.ग्रा. दो व्यक्ति वाले को 20 कि.ग्रा. तीन से पाँच व्यक्ति वाले को 35 कि.ग्रा. तथा पाँच से अधिक व्यक्ति वाले को सात कि.ग्रा. प्रति व्यक्ति प्रति माह चावल प्रदान किया जा रहा था। यद्यपि, गरीब कल्याण योजना के प्रारंभ किए जाने के बाद, राज्य सरकार द्वारा हितग्राहियों को मिलने वाले निःशुल्क चावल की अधिकतम मात्रा की पात्रता को संशोधित किया गया, जिसके कारण एक से तीन सदस्यों वाले खाद्य सुरक्षा के तहत राशन कार्ड धारकों को अतिरिक्त चावल का लाभ नहीं मिला।

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत तीन से अधिक सदस्यों वाले कार्ड धारकों को पाँच कि.ग्रा. प्रति व्यक्ति के स्थान पर तीन कि.ग्रा. प्रति व्यक्ति की दर से अतिरिक्त चावल प्राप्त हुआ। इस प्रकार राज्य में कुल 31.05 लाख हितग्राहियों को उतनी ही मात्रा में चावल प्रदान किया गया, जितना कि उन्हें गरीब कल्याण योजना लागू से पहले प्राप्त हो रहा था। इसी प्रकार, 136.27 लाख हितग्राहियों को प्रति माह तीन कि.ग्रा. चावल की अतिरिक्त मात्रा प्रदान की गई। इस प्रकार, राज्य योजना में संशोधन के कारण राज्य में 167.32 लाख खाद्य सुरक्षा के लाभार्थियों को गरीब कल्याण योजना के तहत मिलने वाला अतिरिक्त सहायता नहीं मिल पाई।

### चना वितरण में भी गड़बड़ी

कैग रिपोर्ट के अनुसार 2.54 लाख परिवारों / हितग्राहियों को 17,803 क्विंटल चना का वितरण नहीं किया गया था। राज्य सरकार एएनबीएस के तहत पंजीकृत 30.218 प्रवासी / फंसे हुए व्यक्तियों को निःशुल्क चावल और आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत चिन्हित 20.395 प्रवासी परिवारों को चना वितरित नहीं कर सकी।

## आईएएस अधिकारी रानू साहू गिरफ्तार

**रायपुर।** प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन के एक मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी रानू साहू को शनिवार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जिसने उसे तीन दिन के लिए केन्द्रीय एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिवक्ता सौरभ पांडेय ने बताया कि एजेंसी ने आज साहू को गिरफ्तार कर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की अदालत में पेश किया। अदालत ने आईएएस अधिकारी को तीन दिन के लिए केन्द्रीय एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। पांडेय ने बताया, कोयल लेवी से जुड़ धन शोधन के मामले की जांच ईडी कर रही है। जांच में कोरबा और रायगढ़ जिले की कलेक्टर रह चुकीं साहू की संलिप्तता सामने आने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है। साहू की 5.5 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि साहू से पूछताछ करने के लिए उसकी 14 दिनों की हिरासत मांगी गई थी, जिसपर अदालत ने 25 जुलाई तक तीन दिनों की हिरासत मंजूर की है। इससे पहले साहू के अधिवक्ता फैजल रिजवी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, साहू को 22 अक्टूबर से 23 जनवरी के बीच जब-जब बुलाया गया है उन्होंने जांच में पूरा सहयोग किया है। साहू की गिरफ्तारी फर्जी आधार पर की गई है। कोई भी ऐसा तथ्य नहीं है जो साबित करता हो कि साहू इसमें शामिल हैं। जो संपत्ति कुर्क की गई है वह उनके माता-पिता की है और वह 2019 से पहले की अर्जित है। जबकि ईडी ने जिस अपराध की बात कही है वह 2020 की है।'' रिजवी ने बताया कि साहू ने अदालत में पेश होने के बाद कहा, ''मेरी भी सुनी जाए। मुझे जितना बताना था बता दिया है। अब इनके पास पूछने के लिए कुछ भी नहीं बचा है।

अदालत से प्रार्थना है कि मुझे ईडी की हिरासत में ना भेजा जाए।'' साहू के अधिवक्ता ने कहा, ''ईडी ने वाट्सअप चैट के संबंध में जानकारी दी है। जबकि अधिकारी का मोबाइल जब्त नहीं किया गया है।'' उन्होंने सवाल किया, क्या ईडी को अधिकार है कि वह किसी का भी व्हाट्सएप चैट निकाल सकती है और क्या उन्होंने इसके लिए अदालत से अनुमति ली थी?

# संपादक तरुण तेजपाल और दो पत्रकारों पर 2 करोड़ का जुर्माना

**नई दिल्ली।** हाई कोर्ट ने समाचार पत्रिका तहलका और उसके पूर्व प्रधान संपादक तरुण तेजपाल और दो पत्रकारों को रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। 2002 में मेजर जनरल एमएस अहलूवालिया द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में उन्हें 2 करोड़ रुपये का हर्जाना दिया गया। मार्च 2001 में तहलका द्वारा एक कहानी प्रकाशित की गई थी जिसमें अहलूवालिया को नए रक्षा उपकरणों के आयात से संबंधित रक्षा सौदों में एक कथित भ्रष्ट बिचौलिए के रूप में दर्शाया गया था। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि अहलूवालिया की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है क्योंकि उन्हें न केवल जनता की नजरों में अपना कद कम करने का सामना करना पड़ा है, बल्कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से



उनका चरित्र भी खराब हुआ है, जिसे बाद में कोई भी प्रतिनियुक्ति ठीक या ठीक नहीं कर सकती है।

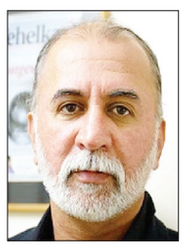

अदालत ने कहा कि वादी ने अपनी गवाही में कहा है कि उसने प्रतिवादियों को माफी मांगने के लिए 27 जुलाई 2001 को एक कानूनी नोटिस भेजा था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। आज की माफी अप्रासंगिक हो गई है क्योंकि वादी पहले ही कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का सामना कर चुका है और पहले ही अपने आचरण के लिए गंभीर नाराजगी के साथ सजा पा चुका है, जिसे एक सेना अधिकारी के लिए अशोभनीय माना गया था। इसमें कहा गया कि 2,00,00,000/- (दो करोड़ रुपये) की राशि का हर्जाना वादी को दिया जाता है, जिसका भुगतान प्रतिवादी नंबर 1 से 4 को मानहानि के कारण मुकदमे की लागत के साथ करना होगा। अदालत ने तहलका, तेजपाल और दो पत्रकारों, जिन्होंने कथित तौर पर लंदन स्थित एक काल्पनिक रक्षा उपकरण फर्म की ओर से खुद का प्रतिनिधित्व करते हुए गुप्त रूप से काम किया था, को मानहानि के लिए उत्तरदायी ठहराया।

### फैसले में कोर्ट ने क्या कहा

अदालत ने कहा कि एक ईमानदार सेना अधिकारी की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचाने और चोट पहुंचाने का इससे बड़ा कोई मामला नहीं हो सकता, जिसने प्रतिवादी के सभी प्रयासों के बावजूद रिश्वत लेने से इनकार कर दिया था।% अहलूवालिया एक वीडियो टेप और एक प्रतिलेख से भी व्यथित थे जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक पत्रकार द्वारा उन्हें 50,000 रुपये की रिश्वत दी गई थी। वीडियो टेप की प्रतिलेख ʿश्वश्व ञ्जङ्क समाचार चैनल और ञ्जद्गद्धद्गद्यद्मड्ड.ष्शद्व पर दिखाया और जारी किया गया। यह अहलूवालिया का मामला था कि कहानी को व्यापक प्रचार दिया गया और विभिन्न टीवी चैनलों के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रिंट मीडिया ने भी इसे उठाया। भारतीय सेना ने भी प्रसारित वीडियो टेप को गंभीरता से लिया और उनके खिलाफ कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए।

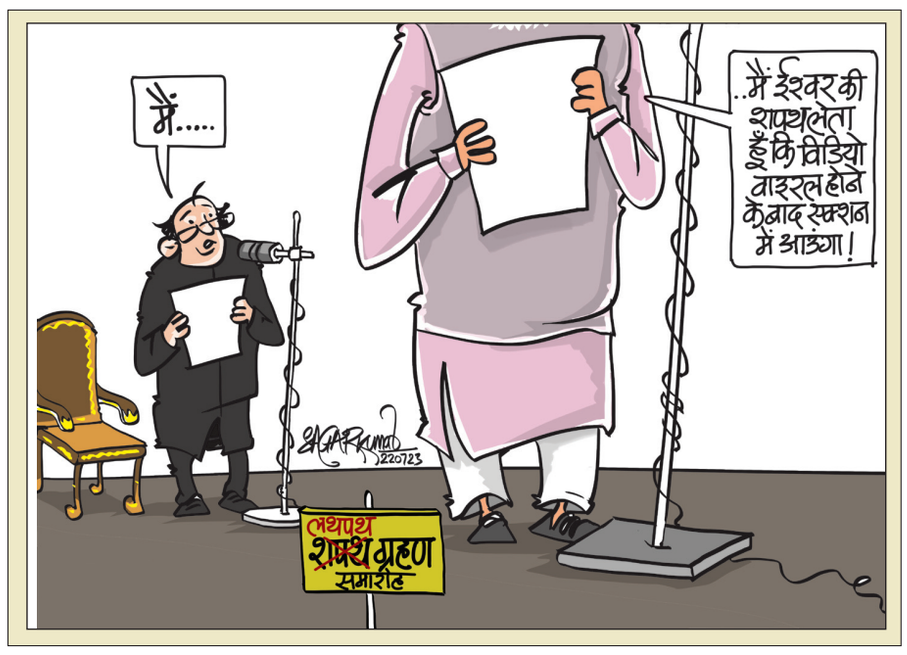




प्रमुख समाचार

## मुझे किसी को पद से हटाना आता है : सिद्दरमैया

**बेंगलुरु।** मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद के बीच खींचतान जारी है। बीके हरिप्रसाद के सिद्धारमैया पर परोक्ष कटाक्ष ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर बेचैनी की भावना पैदा कर दी है। एमएलसी, जिनके बारे में कहा जाता है कि वह पिछले कुछ समय से कर्नाटक कैबिनेट में शामिल नहीं किए जाने से नाराज थे, शुक्रवार को एडिगा, बिलवा, नामधारी और दिवारा समुदायों की एक बैठक में बोल रहे थे। हालांकि मुख्यमंत्री ने हरिप्रसाद के बयानों पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन उनके कुछ कैबिनेट सहयोगी इस बारे में अनिश्चित दिखे कि कैसे प्रतिक्रिया दी जाए। बीके हरिप्रसाद ने कहा कि समाज को जागरूक होना चाहिए। हरियाणा और पंजाब में मैंने एआईसीसी टीम के साथ मिलकर यह किया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पिछड़े वर्ग के नेता भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बनाने का श्रेय लिया। इसलिए मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि किसी को मुख्यमंत्री कैसे बनाना है या किसी को पद से कैसे हटना है... मैं झुकूंगा या भीख नहीं मांगूंगा। मैं इसे स्पष्ट कर दूं।

## विहिप के आलोक कुमार के खिलाफ एफआईआर रद्द

**दिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने आज एक विस्तृत आदेश से विश्व हिन्दू परिषद् के कार्याध्यक्ष श्री आलोक कुमार, सीनियर एडवोकेट के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निचली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया। जुलाई 2019 में पुरानी दिल्ली के लाल कुआँ में कुछ मुसलमान लड़को ने एक हिन्दू मंदिर को नुकसान पहुँचाया। भगवान की कुछ मूर्तियों को भी तोडा गया। स्वाभाविक ही हिन्दुओं ने इसका विरोध किया और विश्व हिन्दू परिषद् ने इस विरोध का नेतृत्व किया। सोनिया गाँधी के किचन कैबिनेट के सदस्य रहे हुए श्री हर्ष मंडेर ने दिल्ली पुलिस को एक पत्र लिखा जिसमे कहा कि विश्व हिन्दू परिषद् की एक सभा में काशी से आये हुए एक सन्यासी ने भड़काऊ भाषण दिया है। मंडेर ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इस पत्र में श्री आलोक कुमार का नाम भी नहीं था। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद पाया कि सन्यासी के भाषण में आपत्तिजनक कुछ नहीं था। इस दर्खास्त में उन्होंने श्री आलोक कुमार का भी नाम जोड़ दिया। हालाँकि मंडेर ने याचिका में न यह कहा कि श्री आलोक कुमार ने उस सभा में कोई भाषण दिया था न ही यह की वह सभा में उपस्थित थे और न यह की यह सभा उन्होंने आयोजित करवाई थी।

## चाचा पशुपति पारस ने फिर बढ़ाई चिराग की टेंशन

**पटना।** 2024 चुनाव को लेकर राजनीतिक दिलचस्प मोड़ पर खड़ी है। खेमा एक होने के बावजूद भी राजनीतिक दलों के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। चिराग पासवान और उनके चाचा केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस एनडीए का हिस्सा तो है लेकिन हाजीपुर सीट को लेकर दोनों नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। चिराग पासवान अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश में हाजीपुर से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। तो ही वर्तमान सांसद और केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस साफ तौर पर कह रहे हैं कि जब तक राजनीति में रहूंगा, तब तक मैं हाजीपुर से ही चुनाव लड़ूंगा। पशुपति पारस ने चिराग पासवान पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं जब तक राजनीति में जिंदा हूं, हाजीपुर से ही चुनाव लड़ूंगा। जिनको भी मैदान में आना है वह आ जाए। उन्होंने कहा कि मैं एनडीए का ही पार्ट रहूंगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सामने चिराग लड़ रहे हैं या कोई और मैं लड़ूंगा ही। मैं एनडीए गठबंधन से ही चुनाव लड़ूंगा। चिराग के पैर छूने को लेकर भी पशुपति पारस की बात कही।

## मणिपुर फाइल्स के नाम से बननी चाहिए फिल्मः उद्धव

**मुंबई।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह पर निशाना साधते हुए शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा गया है कि इस पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा एवं उत्पीड़न कश्मीर से भी बदतर है। मणिपुर में 2 महिलाओं को नग्न कर परेड कराने का मामला बढ़ता जा रहा है। इस मामले को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। इन सबके बीच उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना यूबीटी ने साफ तौर पर कहा कि मणिपुर फाइल्स नाम की एक फिल्म बनाई जानी चाहिए। आपको बता दें कि द कश्मीर फाइल्स नाम से एक फिल्म बनी थी जिसको लेकर खूब विवाद हुआ था। फिल्म निर्माताओं की ओर से दावा किया गया था कि कश्मीर में जो हालात देखे गए उसे पर्दे पर उतारने की कोशिश हुई है। हालांकि, फिल्म काफी सफल रही। लेकिन विपक्ष ने इसे केंद्र का एजेंडा बता दिया है। पीएम नरेन्द्र मोदी और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह पर निशाना साधते हुए शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा गया है।

## यासीन मलिक की पेशी पर तिहाड़ के 4 अधिकारी निलंबित

**नईदिल्ली।** महानिदेशक (जेल) संजय बैनीवाल, जिन्होंने मामले की विस्तृत जांच का आदेश दिया, ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या, इन चार अधिकारियों को शीर्ष अदालत के समक्ष मलिक की भौतिक पेशी के लिए जिम्मेदार पाया गया है।कुछ अधिकारियों की ओर से गंभीर सुरक्षा चूक का हवाला देते हुए जेल में बंद हुर्रियत नेता यासीन मलिक की सुप्रीम कोर्ट में पेशी के एक दिन बाद दिल्ली जेल अधिकारियों ने शनिवार को तिहाड़ सेंट्रल जेल के जेल नंबर 7 के एक उपाधीक्षक, दो सहायक अधीक्षक और एक हेड वार्डर सहित चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया। महानिदेशक (जेल) संजय बैनीवाल, जिन्होंने मामले की विस्तृत जांच का आदेश दिया, ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या, इन चार अधिकारियों को शीर्ष अदालत के समक्ष मलिक की भौतिक पेशी के लिए जिम्मेदार पाया गया है।बानीवाल ने कहा कि मैंने पहले ही मामले में दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के लिए उप महानिरीक्षक (जेल मुख्यालय) राजीव सिंह द्वारा विस्तृत जांच का आदेश दे दिया है। उन्हें इस संबंध में सोमवार तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है क्योंकि यह जेल अधिकारियों की ओर से एक गंभीर चूक थी।

**विश्लेषण**

# गरीबी उन्मूलन की उपलब्धि और यूएनडीपी की भारत की तारीफ का सबब

**अश्विनी महाजन**

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2023 रिपोर्ट में भारत की इस बात के लिए सराहना की गई है कि उसने गरीबी उन्मूलन में अन्य देशों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। वर्ष 2015 में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से एसडीजी1 में उम्मीद की गई थी कि दुनिया में वर्ष 2030 तक सभी प्रकार की गरीबी समाप्त हो जाएगी। वर्ष 2023 की रिपोर्ट में इस बात पर संतोष व्यक्त किया गया कि वैश्विक स्तर पर इस लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूएनडीपी गरीबी की एक परिभाषा का उपयोग करता है, जिसे बहुआयामी गरीबी कहा जाता है। यह परिभाषा सभी देशों के लिए समान है। विश्व के विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उपयोग की जाने वाली गरीबी की भिन्न-भिन्न परिभाषाओं के कारण गरीबी का एक समान आकलन संभव नहीं हो पाता है। इस कारण विश्व के विभिन्न देशों के बीच तुलना करना भी कठिन हो जाता है।

यूएनडीपी के बहुआयामी गरीबी माप में कई तत्व शामिल हैं, जो सभी देशों में समान हैं। इसमें पोषण, बाल मृत्यु दर, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, रसोई ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास और संपत्ति शामिल हैं। विभिन्न देशों में डाटा की उपलब्धता के आधार पर अलग-अलग वर्षों में बहुआयामी गरीबी का अनुमान लगाया गया है। अतः यूएनडीपी के आंकड़ों से किसी एक वर्ष में विभिन्न देशों में गरीबी का तुलनात्मक अध्ययन संभव नहीं। विभिन्न देशों के लिए



यूएनडीपी के पास उपलब्ध प्रारंभिक डाटा 2005-06 से 2019-21 तक है। इसलिए, रिपोर्ट में प्रकाशित आंकड़ों से यह पता लगाना संभव नहीं कि एक निश्चित अवधि के दौरान दुनिया के सभी देशों में तुलनात्मक रूप से गरीबी कितनी और कब कम हुई है।

भारत के संदर्भ में, यूएनडीपी डाटा तीन वर्षों, 2005-06, 2015-16 और 2019-21 का विवरण देता है। इस डाटा के मुताबिक, भारत में वर्ष 2005-06 में 55.1 फीसदी आबादी यानी 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से पीड़ित थे। 10 साल बाद वर्ष 2015-16 में यह आंकड़ा 27.7 फीसदी यानी 37 करोड़ रह गया। इन 10 वर्षों के दौरान गरीबी के प्रतिशत में कमी की दर सालाना 6.6 प्रतिशत रही। लेकिन वर्ष 2015-16 से 2019-21 की अवधि में बहुआयामी गरीबी से पीड़ित गरीबों का अनुपात घटकर जनसंख्या का केवल 16.4 प्रतिशत रह गया; और गरीबों की संख्या घटकर 23 करोड़ रह गई। यानी सिर्फ पांच साल में 14 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए और गरीबी कम होने की रफ्तार बढ़कर सालाना 10 फीसदी से भी ज्यादा हो गई। यह बताना महत्वपूर्ण है कि 2015-16 और 2019-21 के बीच पांच वर्षों में गरीबों की संख्या में 38 फीसदी की गिरावट आई, जिसमें एक वर्ष से अधिक की सबसे खराब महामारी भी शामिल है। ऐसे में यह समझना जरूरी होगा कि इस दौरान ऐसा क्या खास हुआ कि गरीबी कम करने में अभूतपूर्व तेजी आई, जिससे यूएनडीपी को भारत की तारीफ करनी पड़ी!

यह भारत के लिए तो अच्छी खबर है ही, दुनिया के लिए भी अहम खबर और सबक है। यूएनडीपी ने बहुआयामी गरीबी के जो प्रारंभिक आंकड़े प्रकाशित किए हैं, वे अलग-अलग वर्षों के हैं। यूएनडीपी द्वारा मूल्यांकन किए गए 81 देशों के 150.8 करोड़ गरीब लोगों में से 64.5 करोड़ लोग (2005-06 में) भारत से थे। यानी इन 81 देशों के 42.8 फीसदी से ज्यादा गरीब भारत में रहते थे। लेकिन यूएनडीपी के ताजा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के इन 81 देशों में गरीबों की कुल संख्या अब घटकर 97.4 करोड़ रह गई है, लेकिन इसमें उल्लेखनीय और दिलचस्प तथ्य यह है कि इस संख्या में भारत का योगदान केवल 23 करोड़ ही है। यानी अब इन 81 देशों के केवल 23.7 प्रतिशत गरीब लोग ही भारत से आते हैं। इसका मतलब यह भी है कि बहुआयामी गरीबी के तहत लोगों की संख्या में कुछ अन्य देशों का योगदान पहले से भी ज्यादा बढ़ गया है। इतना ही नहीं, जहां 81 देशों का संयुक्त बहुआयामी गरीबी सूचकांक अब 0.275 से घटकर 0.203 पर आ गया है, वहीं भारत का सूचकांक 2005-06 के 0.283 से घटकर 2015-16 में 0.122 और 2019-21 में सिर्फ 0.069 पर आ गया है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है।यह भारत के लिए गर्व की बात है। दुनिया को इससे सबक लेने की जरूरत है कि उसे भी भारत की तर्ज पर बहुआयामी गरीबी दूर करने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए।

# 25 को एसईसीएल कुसमुंडा कार्यालय के महाघेराव के साथ होगा खदान बंद

■ किसान सभा ने कुसमुंडा महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन, अधिकार मांगने का नहीं छीनने का समय आ गया है : प्रशांत

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू विस्थापित रोजगार एकता संघ द्वारा एसईसीएल के खदानों से प्रभावित भू विस्थापित किसानों की लंबित रोजगार प्रकरणों का तत्काल निराकरण,बसावट, खमहरिया की जमीन किसानों को वापस करने,बसावट एवं प्रभावित गांव में मूलभुत सुविधा उपलब्ध कराने के साथ 9 सूत्रीय मांग को लेकर कुसमुंडा महाप्रबंधक कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर कुसमुंडा महाप्रबंधक संजय मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए 25 जुलाई को कुसमुंडा कार्यालय के महाघेराव के साथ खदान के महाबंद की चेतावनी दी है।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए माकपा जिला सचिव प्रशांत झा ने कहा कि भू विस्थापित रोजगार के लंबित प्रकरणों का निराकरण की मांग करते हुए थक गए हैं अब अपने अधिकार को छिन कर लेने का समय आ गया है। विकास के नाम पर अपनी गांव और जमीन से बेदखल कर दीये गए विस्थापित परिवारों की जीवन स्तर सुधरने के बजाय और भी बदतर हो गई है। 40.50 वर्ष पहले कोयला उत्खनन करने के लिए किसानों की हजारों एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था।कोयला खदानों के अस्तित्व में आ जाने के बाद विस्थापित किसानों और उनके परिवारों की सुध लेने की किसी सरकार और खुद एसईसीएल के पास समय ही नहीं है।विकास की जो नींव रखी गई है उसमें प्रभावित परिवारों की अनदेखी की गई है। खानापूर्ति के नाम पर कुछ लोगों को रोजगार और बसावट दिया गया जमीन किसानों का स्थाई रोजगार का जरिया होता है। सरकार ने जमीन लेकर किसानों की जिंदगी के एक हिस्सा को छीन लिया है। इसलिए जमीन के बदले सभी खातेदारों को स्थाई रोजगार देना होगा। भू विस्थापित किसानों के पास अब संघर्ष के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है।

उल्लेखनीय है कि 31अक्टूबर 2021 को लंबित प्रकरणों पर रोजगार देने की मांग को लेकर कुसमुंडा क्षेत्र में 12 घंटे खदान जाम करने के बाद एसईसीएल के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष दस से ज्यादा गांवों के किसान 626 दिनों से अनिश्चित कालीन धरना पर बैठे हैं। इस आंदोलन के समर्थन में छत्तीसगढ़ किसान सभा शुरू से ही उनके साथ खड़ी है।किसान सभा के अध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर, दीपक साहू, जय कौशिक ने कहा कि पुराने लंबित रोजगार, को लेकर एसईसीएल गंभीर नहीं है। खमहरिया के किसान 40 वर्षों से जिस जमीन पर खेती किसानी कर रहे है उसे प्रबंधन प्रशासन का सहारा लेकर किसानों से जबरन छीनना चाह रही है जिसका किसान सभा विरोध करती है और उन जमीनों को किसानों को वापस करने की मांग करती है। किसान सभा भू विस्थापितों की समस्याओं को लेकर उग्र आंदोलन की तैयारी कर रही है। भूविस्थापित रोजगार एकता संघ के नेता दामोदर श्याम, रेशम यादव,रघु यादव, सुमेन्द्र सिंह कंवर ठकराल ने कहा कि भू-विस्थापितों को बिना किसी शर्त के जमीन के बदले रोजगार देना होगा और वे अपने इस अधिकार के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे। एसईसीएल कुसमुंडा कार्यालय के सामने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भू विस्थापित किसान एकजुट हुए भू विस्थापितों ने कहा की 25 जुलाई को कुसमुंडा महाप्रबंधक कार्यालय के महाघेराव और खदान बंद आंदोलन में प्रभावित परिवार सहित शामिल होंगे।

# कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ को कर्जदार बना दिया : रंजना साहू

■ कांग्रेस की सरकार ने कुर्सी की मोह में बेच दिया छत्तीसगढ़, साढ़े चार साल में लिए 62680 करोड़ कर्ज

**धमतरी।** मानसून सत्र में विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए ऋण एवं उनके ब्याज की अदायगी के संबंध में प्रश्न किया, जिसमें विधायक रंजना साहू ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से प्रश्न पूछा कि 20 जून 2023 की स्थिति में प्रदेश सरकार पर कुल कितना ऋण है? और यह 2023 मुख्य बजट का कितना प्रतिशत होता है? उसकी ब्याज अदायगी वर्ष 2019-20 से 2023-24 के दौरान प्रतिवर्ष की दर से कितनी है? 10 दिसंबर 2018 से 20 जून 2023 की स्थिति में राज्य सरकार द्वारा कितना ऋण कितनी संस्थाओं से लिया गया है? उनमें से कितनी कितनी राशि का उपयोग राजस्व एवं पूंजीगत व्यय में किया गया है? वर्ष वार जानकारी बताएं? आगे विधायक ने आगे प्रश्न किया है कि 10 दिसंबर 2018 से 20 जून 2023 तक प्रत्याभूति ऋण कितने निगम मंडल बोर्ड तथा कितनी संस्थाओं से कितना ऋण लिया गया हैं? उनमें से कितनी राशि के मूल धन की अदायगी हो चुकी है? जिस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि महालेखाकार कार्यालय से लेखों की जानकारी मासिक रूप से प्राप्त होती है, 30 जून 2023 की स्थिति में राज्य शासन पर रुपए 86 हजार 02 सौ 64 करोड़ का ऋण हैं, और यह मुख्य बजट का 71त्न है। ब्याज भुगतान की वर्ष वार जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिमाह 609 करोड़ की ब्याज अदायगी की जाती है। इन राशियों में 3651 करोड़ की राशि केंद्र सरकार के द्वारा एशियन डेवलपमेंट ऋण विश्व बैंक से ऋण एवं अन्य ऋण के तहत बिना किसी ब्याज के ऋण प्रदान किया गया है। जानकारी मिलने पर विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि कांग्रेस सरकार जब से सत्ता पर आई है छत्तीसगढ़ प्रदेश को कर्जदार बना दी है, साढ़े चार वर्षों में कांग्रेस सरकार ने 62680 करोड़ से अधिक का कर्ज लिए हैं और अब सालाना छत्तीसगढ़ को 7 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज चुकाना होगा, कांग्रेस सरकार ने कुर्सी के मोह में प्रदेश को बेच दिया है, जबकि केंद्र सरकार ने करोड़ों रुपए बिना किसी ऋण के दिए गए हैं।

# विस चुनाव की तैयारियां, जिला निर्वाचन अधिकारी ने तीन दिन में रिपोर्ट पेश करने का दिया निर्देश

**गौरेला पेंड्रा मरवाही।** आगामी विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारियों के तहत गौरेला पेंड्रा मरवाही में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका ऋषि महोबिया और पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने सेक्टर अधिकारियों और पुलिस सेक्टर अधिकारियों की संयुक्त बैठक की। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अति संवेदनशील मतदान केंद्रों की जांच एवं निर्धारण के लिए निर्धारित प्रोफार्मा में जानकारी 24 जुलाई शाम तक प्रस्तुत करने के निर्देश सभी सेक्टर अधिकारियों को दिए गए।

सेक्टर अधिकारियों को संबंधित मतदान केंद्रों के कैचमेंट एरिया का दौरा करके वल्नेरेबन क्षेत्रों-समुदायों की पहचान और सूचना तंत्र मजबूत बनाने के लिए इंटेलिजेंस आदि के साथ बैठक करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही धमकी और धमकी के स्त्रोत की पहचान करने, अनुचित प्रभाव के माध्यम से अपराध शुरू करने की संभावना वाले लोगों के नामों की पहचान, पिछली घटनाओं एवं वर्तमान आशंकाओं को ध्यान में रखने और समुदाय के भीतर संपर्क बिंदु की पहचान करने को कहा गया, ताकि ऐसी घटनओं से संबंधित जानकारी को तुरंत ट्रैक किया जा सके।

बैठक में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए निवारक कानून और व्यवस्था के तहत सभी सेक्टर अधिकारियों को पुलिस सेक्टर अधिकारियों से बेहतर समन्वय बनाने के निर्देश दिए गए। इसके तहत पिछले दो चुनावों के दौरान चुनावी अपराधों में लिप्त व्यक्तियों की सूची संकलित करने हिस्ट्री सीटर, घोषित भगोड़ा, भगोड़े अपराधियों एवं लंबित वारंट की सूची अपडेट करने अवैध शराब कारखानों का पता लगाने लंबित चुनावी अपराधों की जांच-अभियोजन में तेजी लाने, अवैध हथियारों और गोला बारूद की जब्ति आदि के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही बैठक में सभी सेक्टर अधिकारियों को चुनाव प्लान के अनुसार कार्य संपादित करने, चुनाव प्रक्रिया में बदलाव किए गए नए तकनीक की जानकारी से अवगत होने और सेक्टर ऑफिसर मार्गदर्शिका का अच्छे से अध्ययन करने कहा गया। सेक्टर अधिकारियों को संबंधित मतदान केंद्रों में ईवीएम और वीवीपैट का डेमोंस्ट्रेशन कराकर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कहा गया। कलेक्टर ने कहा कि वोटिंग मशीन की पारदर्शिता के प्रति लोगों में किसी तरह की आशंका नहीं होनी चाहिए। इसके लिए मशीनों की तकनीकी पहलुओं के बारे समझाएं और उनका समाधान करें। बैठक में उप निर्वाचन अधिकारी आनंदरूप तिवारी सहित सभी सेक्टर अधिकारी उपस्थित रहे।

## नंदमारा पुल की स्थिति जर्जर

# दिल्ली से आई जांच टीम ने एक छोर से आवागमन करवाया बंद

**कांकेर।** नेशनल हाइवे 30 पर आगामी समय में आवागमन प्रभावित हो गया है। एनएच-30 पर माकड़ी के पास नंदमारा पुल की दयनीय स्तिथि को देखते हुए भारी वाहनों को रोक दिया गया है। पुल का एक हिस्सा धस गया है, जिसके चलते एनएच-30 का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है.

कांकेर एडिशनल एसपी अविनाश ठाकुर ने बताया कि दिल्ली औए कांकेर नेशनल हाइवे विभाग की संयुक्त टीम ने पुल जर्जर होने की सूचना दी है। इसके चलते जगदलपुर से आने वाली भारी मालवाहक गाड़ी को केशकाल विश्रापुरी होते धमतरी रायपुर मार्ग परिवर्तित किया गया है। वहीं, रायपुर से आने वाली मालवाहक गाड़ी को माकड़ी देवरी होते कांकेर बायपास मार्ग से परिवर्तित किया गया है। सावारी गाड़ियों को बाईपास मार्ग की तरफ परिवर्तित की गई हैं, देवरी माकड़ी होते हुए चलेंगी। एनएच के एसडीओ राकेश नेताम ने बताया कि नेशनल हाइवे प्राधिकरण दिल्ली से दो सदस्यीय जांच टीम ने पुल के छोर के स्तिथि को खतरनाक बताते हुए इसे फिलहाल बंद करने को कहा है। एक हिस्से में डामर की ऊपरी परत बिछाई जा रही है, ताकि पानी अंदर न घुसे। नदी में पानी कम होने के बाद पोल लगाकर रपटा बनाया जायेगा और आवागमन की वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। पुल का एक हिस्सा धस गया है, जिसकी मरम्मत करना संभव नहीं है. इस स्थिति में पुल तोड़ कर नया बनाना होगा. अगर ऐसा हुआ तो सालों तक आवगमन प्रभावित होगा। दुविधा की बात ये है कि इस पुल के ठीक पास से बाईपास का पुल बनना था, लेकिन इसकी नींव भी अब तक नहीं रखी जा सकी है। ऐसे में यदि इस पुल को बंद कर दिया गया तो एनएच-30 में रायपुर से जगदलपुर मार्ग बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

# टरबाइन में आई खराबी, सुधारने के लिए बांगो बांध के तीन गेट खोले गए

**कोरबा।** बांगो बांध के तीन गेट शुक्रवार को दो घंटे के लिए खोले गए। पनबिजली तैयार करने के लिए बांध के तीन हाइडल प्लांट का 16 घंटे संचालित किया जा रहा है। टरबाइन क्रमांक दो में आई खराबी के कारण सिंचाई के लिए पानी आपूर्ति बंद हो गई। जिसे जारी रखने के लिए जल संसाधन को गेट खोलने का निर्णय लेना पड़ा। दो घंटे तक 2.600 क्यूसेक मीटर प्रति सेकंड छोड़ा गया। टरबाइन में सुधार आने के बाद तीनों गेट को बंद किया गया।

खंड वर्षा के कारण खेती का काम बाधित है। जांजगीर व रायगढ़ जिलें में धान रोपाई के लिए पानी की मांग हो रही है। इस वजह से दर्री बराज के दायी व बायी तट नहर से पानी छोड़ा जा रहा है। दर्री बांध में पानी का भराव बनाए रखने के बांगो से पानी छोड़ा जा रहा है। इसके लिए पनबिजली हाइडल प्लांट 16 घंटे चलाया जा रहा था। प्लांट से चलने से 7.800 क्यूसेक मीटर दर्री बांध में पहुंच रहा था। दोपहर 12 बजे हाइडल प्लांट दो के टरबाइन में खराबी आ गई। इससे 2.600 क्यूसेक मीटर पानी की आपूर्ति बंद हो गई। जिसे जारी रखने के लिए बांगो बांध के 11 गेट में से तीन गेट को खोल दिया गया। जिन गेटों को खोले गए उनमें गेट क्रमांक तीन को 10 सेंटी मीटर,चार और पांच को 20-20 सेंटीमीटर खोला गया। टर्बाइन में सुधार आते गेट को बंद कर दिया गया। बताना होगा कि बांध की जल भराव क्षमता 359.66 मीटर है। साल भर पानी का उपयोग किए जाने के बाद बांध का जल स्तर गिर कर 351.52 मीटर हो गया। यानि 7.96 मीटर पानी की खपत हुई है। मानसून आगम के बाद बांध को जल जस्तर में 2.98 मीटर वृद्धि हुई है। इसके पहले कम वर्षा के कारण जितनी बारिश हो रही थी, उससे अधिक पानी खेतों में सिंचाई के लिए छोड़ा जा रहा था। जिसकी वजह से जल स्तर में लगातार कमी आ रही थी। खंड वर्षा की स्थिति को देखते हुए जुलाई 10 जुलाई से बांध दर्री बांध से पानी छोड़ने का क्रम जारी है। इस बार जून और जुलाई माह में अच्छी बारिश नहीं होने से बांध में अपेक्षित भराव नहीं हुआ है। बीते वर्ष हुई बांध भराव की तुलना की जाए तो जुलाई के पहले पखवाड़े तक 76 प्रतिशत पानी था। इस वर्ष भराव 71 प्रतिशत है।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### विमल सदन में आयकर विभाग का छापा

**कोरबा।** आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में आयकर विभाग की टीम ने इंडस्ट्रीयल एरिया स्थत विमला सदन में छापेमारी की है। विभाग की टीम पिछले पांच दिनों से यहां जांच कर रही है। जिस परिवार के घर आईटी की टीम ने रेड मारी है, वह उनके आने से पहले ही फरार चल रहा है। कोल स्कैम मामले को लेकर 6 से अधिक अधिकारी जांच में जुटे हुए हैं। दस्तावेजों को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। कोरबा के इंडस्ट्रीयल एरिया स्थित विमला सदन में आयकर विभाग का छापा पड़ा है। मुख्य कार्यालय भोपाल से आई विभाग की टीम कोल स्कैम से जुड़े मामलों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग की टीम पिछले पांच दिनों से यहां जमी हुई है और दस्तावेजों की जांच कर रही है। आयकर विभाग के अधिकारी जांच में जुटे हुए हैं। आयकर विभाग के साथ सीआरपीएफ का महिला बल मौके पर तैनात है। बताया जा रहा है कि जिस परिवार पर आय से अधिक संपत्ति रखने का शक है वो विमला सदन में ही किराए पर रहता है, जो आईटी का छापा पड़ने से पहले ही फरार हो गया है।

### विजय बघेल की हैसियत नहीं कि वो सीएम को चैलेंज करे

**धमतरी।** जिला कांग्रेस कमेटी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को गेड़ी दौड़ की चुनौती देने के पहले विजय बघेल अपनी राजनैतिक हैसियत को देखें, अभी वे इतने बड़े नहीं हुये है कि वे मुख्यमंत्री को चुनौती दें। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरद लोहाना एवं छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष मोहन लालवानी ने कहा कि गेड़ी चढ़ने की चुनौती रमन सिंह को दी गयी, रमन सिंह घबराकर विजय बघेल को आगे कर रहे है। विजय बघेल छत्तीसगढ़ियां है उन्हें छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, तीज-त्यौहार, रहन-सहन, खान-पान, बोली, भाषा का ज्ञान है। पर वो 15 साल के रमन सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ संस्कृति को दोयम दर्जे से देखने पर मौन क्यों थे? उन्होंने ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने भाजपा नेताओं को गेड़ी चढ़ने, भंवरा चलाने, ठेठरी, खुरमी खाने और छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर मोदी की सभा के पोस्टर में लगाने को मजबूर कर दिया। 15 साल के रमन सरकार के दौरान यह चीजें कहीं भी नजर नहीं आती थी।

### मत्स्य आखेट पर 15 अगस्त तक रहेगा प्रतिबंध

**कोरबा।** जिले में वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि को ध्यान में रखकर उनके संरक्षण के लिए छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम के तहत 15 अगस्त 2023 तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है। इस अधिनियम के अंतर्गत जिले के समस्त नदियों-नालों तथा छोटी नदियों, सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब, छोटे-बड़े जलाशयों में सभी प्रकार का मत्स्याखेट पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। सहायक संचालक मछली पालन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने तथा अपराध सिद्ध होने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र अधिनियम के तहत 01 वर्ष का कारावास तथा 10 हजार रूपए का जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्रोत या नदी-नालों को छोड़कर जिनका संबंध किसी नदी-नाले से नहीं है, के अतिरिक्त जलाशय जिनमें केज कल्चर का कार्य किया जा रहा है, उनमें मत्स्य अधिनियम लागू नहीं होंगे।

### मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग मुस्तैद

**गरियाबंद।** विकासखंड मैनपुर के ग्राम छोटे गोबरा में कुछ ग्रामीणों के मलेरिया पॉजिटिव पाए जाने पर मरीजों के इलाज और लोगों को मलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग मुस्तैद है। मलेरिया के केस पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांव के सभी घरों का सर्वे कर मलेरिया जांच किया गया है। साथ ही मलेरिया पॉजिटिव पाए गए मरीजों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैनपुर में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा विभाग द्वारा गांव में डीडीटी एवं मलेरिया रोधक दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है। छोटे गोबरा में लगभग 485 की जनसंख्या है। गांव के लोगों के मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी और आवश्यक दवाइयों का भी वितरण किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक 12 लोग मलेरिया पॉजिटिव पाए गए हैं, जिसमें से 11 प्रभावित लक्षण रहित है। सभी लोगों के बेहतर इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं, तथा लगातार निगरानी रखकर लोगों का इलाज और मलेरिया से बचाव के लिए जरूरी उपाय किया जा रहा है।

### वार्डों में मिली नालियॉं जाम की शिकायत पर पहुंचे महापौर

**कोरबा।** महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं मेयर इन काउंसिल सदस्य संतोष राठौर वार्ड क्र. 01 एवं वार्ड क्र. 02 में पहुंचकर प्राप्त शिकायत पर दर्री रोड स्थित व्यापारियों द्वारा मिली शिकायत, दुकानों के सामने नालियों का पानी कुछ स्थानों पर अवरूद्ध हो रहा है, जिसकी निकासी सही ढंग से नहीं हो पा रही थी, स्थल निरीक्षण पर पाया गया कि दुकानों के सामने नालियों पर स्लैब ढलाई होने की वजह से व प्लास्टिक पन्नी और बिल्डिंग सामग्री गिरी होने की वजह से जाम की स्थिति निर्मित हुई महापौर प्रसाद ने निगम के अधिकारियों को बताया कि जहॉं भी ऐसी स्थिति हैं, वहॉं के नालियों के स्लैब को हटाकर सफाई का कार्य कराने के साथ ही आमनागरिकों से अपील करते हुये आग्रह किया कि नालियों में कचरे को न फेंके, इन परेशानियों से बचने के लिये दुकानों एवं घरों से निकले अपशिष्ट पदार्थो को संग्रहित कर स्वच्छता दीदियों के वाहन में ही दें, अपने शहर व अपने आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखें, आपके सहयोग के बिना स्वच्छ कोरबा की परिकल्पना साकार नहीं हो सकेगी।

# मणिपुर की घटना को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री का फूंका पुतला

**धमतरी।** पिछले ढाई-तीन महीनों से हिंसा की आग में झुलस रहे मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हैवानियत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने हर किसी को झकझोर दिया है। इस वीडियो में एक समुदाय के लोग दूसरे समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनकी परेड कराते दिख रहे हैं और उनके साथ दरिंदगी कर रहे हैं। इस घटना को लेकर पूरे देश में उबाल है जिसको लेकर कांग्रेस ने भाजपा की केंद्र एवं स्थानीय सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस का कहना है कि हिंसक घटनाओं को रोकने में भाजपा की केंद्र एवं स्थानीय सरकार पूरी तरह विफल रही है इसे रोकने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं कीए गए है। इस घटना से पूरा देश शर्मसार है। जिसे लेकर जिला युवा कांग्रेस एवं महिला कांग्रेस के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मणिपुर के मुख्यमंत्री का पुतला दहन शहर के घड़ी चौक पर करते हुए जमकर नारेबाजी की गई। जिलाध्यक्ष शरद लोहाना ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते कहा कि सबसे पहले, मोदी सरकार ने राज्य में चल रहे जातीय संघर्ष के मुद्दे को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया। भारतीय जनता पार्टी के मोदी सरकार राजनीतिक स्वार्थ के न ही शांति के लिए कोई अपील नहीं की है, न ही मणिपुर के मुख्यमंत्री से पद छोड़ने के लिए कहा है। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो मणिपुर राज्य में बर्बर हिंसा की सैकड़ों घटनाओं का केवल एक उदाहरण है। दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड अध्यक्ष मोहन लालवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर में प्रणालीगत और चल रही हिंसा को अन्य राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों के साथ जोड़ने की कोशिश की। जो भारतीय जनता पार्टी की महिला विरोधी मानसिकता को दर्शाती है इन अपराधों के अपराधियों को कांग्रेस शासित राज्यों में 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया है। मणिपुर में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज करने में 15 दिन लग गए मणिपुर में कानून-व्यवस्था और प्रशासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। महापौर विजय देवांगन ने कहा कि केंद्र एवं स्थानीय भारतीय जनता पार्टी के सरकार जवाबदेही से बच नही सकते मणिपुर के मुख्यमंत्री को तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। महिला जिला अध्यक्ष सूर्यप्रभा चेट्टियार ने कहा कि 2 महीने तक हमारे प्रधानमंत्री को समय नहीं मिला मणिपुर जाने का , सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ गया की अब कार्यवाही नहीं की तो हम करेंगे , तब जाकर पहला शब्द निकला मोदी जी के मुँह से, और बेशर्मी ही कहा जाएगा इसे की मणिपुर पर अपनी नाकामी छुपाने के लिए छत्तीसगढ़ का नाम ले लिया। राजीनीति करने की भी हद होती है, नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री पद के लायक् बिल्कुल भी नहीं हैं, 2024 में देश को ऐसे व्यक्ति से आज़ादी मिले यही कामना है। युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव उदित नारायण साहू ने कहा कि कहा कि जब से मोदी ने देश की सत्ता में कदम रखी है इस प्रकार की घटना आम हो गई है। आज देश मे भीड़ तंत्र हावी है। प्रधानमंत्री हमेशा की तरह विदेश घूमने और चुनावी प्रचार में व्यस्त है। क्या हुआ 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ'? क्या ऐसे बचाएंगे बेटियां?

# मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

**कोरबा।** कलेक्टर संजीव कुमार झा के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केसरी द्वारा कोरबा विकासखण्ड के रानी धनराज कुंवर देवी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पताढ़ी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसमा एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर उरगा का औचक निरीक्षण करते हुए सभी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के निर्देश दिए।

सीएमएचओ ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों के अधिकारियों-कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति की जानकारी लेते हुए उपस्थिति पंजी का अवलोकन एवं संस्थाओं की ओ.पी.डी. आई.पी.डी. प्रसव कक्ष, दवा वितरण कक्ष, भंडार कक्ष, पैथोलॉजी, वैक्सीनेशन कक्ष सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को समय पर संस्था में उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही केंद्रों में दवाईयों की उपलब्धता, उपकरणों तथा दस्तावेजों का सही रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार हेतु कार्यों की गुणवत्ता में वृद्धि करने, विद्युत व्यवस्था अच्छी रखने, अस्पताल सहित पूरे परिसर की साफसफाई रखने के निर्देश दिए। समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रसव कक्ष को मेटरनल हेल्थ गाइडलाईन के अनुरूप बनाने, एन.सी.डी. सिकलसेल, आयुष्मान भारत किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक इत्यादि समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन बेहतर ढंग से संचालित करने तथा समस्त कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग समय पर ऑनलाइन व ऑफ्लाइन करने हेतु स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## आप से गठबंधन पर खड़गे से करूंगा मुलाकात : बाजवा

**चंडीगढ़।** पंजाब विधानसभा में कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने कहा है कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करूंगा और इस विषय पर पूरी बात रखूंगा। उन्होंने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस लंबे समय से पंजाब की दो प्रमुख पार्टियों में से एक रही है। लोग बदलाव चाहते थे, वे इन लोगों (आप) को सत्ता में लाए और लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब आर्थिक, कानून व्यवस्था और अन्य तरह से पीड़ित रहा है। मुझे यकीन है कि 2024 के संसदीय चुनावों में कांग्रेस बड़े अंतर से वापस आएगी। बाजवा ने कहा कि एक गठबंधन का नेतृत्व भाजपा कर रही है और दूसरे का नेतृत्व कांग्रेस कर रही है, इसलिए जब वे अपना वोट डालेंगे तो वह या तो भाजपा के लिए होगा या कांग्रेस के लिए। उन्होंने कहा कि आप का कहीं भी पता नहीं। हमें आप के साथ गठबंधन क्यों करना चाहिए?

## सिब्बल ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की

**नई दिल्ली।** राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शनिवार को कहा कि मणिपुर में आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता मुख्यमंत्री नोंगथोम्बम बीरेन सिंह को बर्खास्त करना और राष्ट्रपति शासन लागू करना है। मणिपुर में मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने के खिलाफ तीन मई को पहाड़ी जिलों में ट्राइबल सॉलिडैरिटी मार्च निकाला गया था जिसको लेकर जातीय हिंसा भड़क गई थी और अब तक इसमें 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है एवं कई अन्य घायल हैं। सिब्बल ने ट्वीट किया, आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता- बीरेन सिंह को हटाया जाए और अनुच्छेद 356 लागू किया जाए एवं हमारे देश की महिलाओं से माफी मांगी जाए। उन्होंने कहा, निर्भया, उन्नाव, हाथरस, कठुआ और बिल्कीस (दोषियों को रिहा करने का फैसला) के बाद से कुछ नहीं बदला है। बेटी बचाओ प्रधानमंत्री जी!

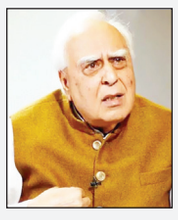

## जेडीएस कर्नाटक में भाजपा के साथ मिलकर करेगी काम

**बेंगलुरु।** 2024 चुनाव को लेकर राजनीति लगातार जारी है। राजनीतिक दल अपने अपने समीकरण बनाने में जुटे हुए हैं। इन सब के बीच जनता दल सेकुलर (जद-एस) के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने राज्य के हित में भाजपा के साथ विपक्ष के रूप में मिलकर काम करने का फैसला किया है। कुमारस्वामी की ये बात ऐसे समय में आई है जब भाजपा कर्नाटन में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जबरदस्त तरीके से हमलावर है। अपने बयान में कुमारस्वामी ने कहा कि मैं विधानसभा में और उसके बाहर पहले ही कह चुका हूं कि चूंकि भाजपा और जद (एस) विपक्षी दल हैं, इसलिए राज्य के हित में मिलकर काम करने का फैसला किया गया है। शनिवार सुबह भी हमारी पार्टी के विधायकों ने चर्चा की कि आगे कैसे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि जद (एस) प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने उन्हें पार्टी के बारे में अंतिम निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया है।

## मणिपुर मामले को लेकर हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

**रांची।** झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक पत्र भेजा, जिसमें हिंसा प्रभावित मणिपुर में महिलाओं के अकथ्य अत्याचार पर अपना दर्द व्यक्त किया और उनसे पूर्वोत्तर राज्य में सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया। पूर्वोत्तर राज्य में महिलाओं को नग्न करने का वीडियो सामने आने के कुछ दिनों बाद उन्होंने पत्र में कहा कि देश मणिपुर में आदिवासियों के साथ बर्बर तरीके से व्यवहार करने की इजाजत नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि मणिपुर से दिल दहला देने वाले वीडियो सामने आ रहे हैं, राज्य में लोकतांत्रिक शासन का अभूतपूर्व पतन देखने को मिल रहा है। अपने पत्र में सोरेन ने लिखा कि क्रूरता के सामने चुप्पी एक भयानक अपराध है और इसलिए मैं आज मणिपुर राज्य में जारी हिंसा पर भारी मन और गहरी पीड़ा के साथ आपको लिखने के लिए मजबूर हूं। उन्होंने कहा कि मैं मणिपुर में बढ़ती स्थिति के बारे में बहुत व्यथित और चिंतित हूं।

## अभिषेक बनर्जी के खिलाफ थाने में दर्ज हुई शिकायत

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में राजनीतिक पार्टियों के बीच आरोप - प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। शनिवार को तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के रबींद्र सरोवर और हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशनों में शिकायत दर्ज की गई है। गौरतलब है कि भाजपा नेता राजश्री लाहिड़ी ने 21 जुलाई को शहीद दिवस के अवसर पर अभिषेक बनर्जी के 5 अगस्त को ब्लॉक से लेकर बूथ स्तर तक के बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के घर के सामने धरना देने और घेराव का आह्वान देने के खिलाफ उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज की है। भाजपा नेता का कहना है कि घेराव करना गैरकानूनी है, इसलिए ऐसी हरकत नहीं की जा सकती है। दूसरी ओर, 21 जुलाई की सभा में अभिषेक बनर्जी द्वारा इंडिया शब्द के दुरुपयोग को लेकर हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है।

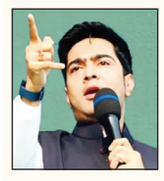

### महिला अत्याचार को लेकर स्मृति ईरानी ने साधा कांग्रेस और टीएमसी पर निशाना

# गहलोत सरकार सच्चाई नहीं सुनना चाहती

**नईदिल्ली।** केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मणिपुर में हुए नृशंस घटना की वायरल वीडियो और महिला अत्याचार को लेकर राजस्थान सरकार और टीएमसी पर निशाना साधा। स्मृति ईरानी ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह (मणिपुर वायरल वीडियो) मुद्दा न केवल संवेदनशील है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में इसके निहितार्थ हैं और विपक्षी नेताओं को इसकी जानकारी है। इसलिए, विपक्ष इस मुद्दे पर संसद में चर्चा नहीं करना चाहता था।

उन्होंने कहा, यह बेहद चिंताजनक बात है कि शुक्रवार को राजस्थान के एक मंत्री ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर बात की और उन्हें कांग्रेस द्वारा अनौपचारिक रूप से बर्खास्त कर दिया गया। कांग्रेस राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के बारे में सच्चाई नहीं सुनना चाहती...कांग्रेस पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों के दौरान लोगों की हत्याओं पर मूकदर्शक बनी हुई है, क्योंकि वह टीएमसी के साथ सहयोग की भूखी है।

उन्होंने कहा कि उतना ही चौंकाने वाला एक और वीडियो है जो पश्चिम बंगाल के मालदा से सामने आया है,

जिसमें दो दलित महिलाओं को पीटा जा रहा है और उनके कपड़े उतारे जा रहे हैं।

### हमारे प्रदेश में महिलाएँ सुरक्षित नहीं, जब तक जिंदा रहूंगा बोलता रहूंगा : राजेंद्र गुढ़ा

राजस्थान में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अपनी ही सरकार से सवाल करने पर राजेंद्र सिंह गुढ़ा को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया है। वह राजस्थान सरकार में मंत्री थे। राजेंद्र सिंह गुढ़ा का एक वीडियो शुक्रवार को जबरदस्त तरीके से वायरल हुआ था जिसमें वह विधानसभा में यह कहते हुए सुने जा रहे हैं कि हम प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षा देने में विफल रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मणिपुर की बजाय हमें अपने अंदर झांकने की कोशिश करनी चाहिए। बयान के वायरल होने के कुछ ही देर बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल से उसे बर्खास्त करने की सिफारिश कर दी। शनिवार को एक बार फिर से राजेंद्र सिंह गुढ़ा महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अशोक गहलोत की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि मुझे मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दे या फिर जेल में डाल दे, मैं जब तक जिंदा रहूंगा बोलता रहूंगा। मैं मंत्रिमंडल की बैठक में बोलता रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैंने विधानसभा में बोला और उसका खामियाजा भी मैंने भुगता...हमारे प्रदेश में महिलाएँ सुरक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये आंकड़े बोल रहे हैं कि महिला अत्याचार में देश में राजस्थान पहले स्थान पर है। किसी भी व्यक्ति के अंदर खौफ नहीं है, आज ये स्थिति है... राज्य में पुलिस भ्रष्ट है, वे लोगों से रिश्वत लेने में व्यस्त हैं।

## मणिपुर से तुलना कर प्रधानमंत्री ने राजस्थान के स्वाभिमान को पहुंचाया चोट : गहलोत

**जयपुर।** राजस्थान में जारी राजनीतिक वार-पलटवार के बीच राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। जयपुर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ के सीएम को राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति का ध्यान रखना चाहिए, उससे राजस्थान की भावनाएं आहत हुई हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 27 जुलाई की तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीकर आ रहे हैं। किसानों का सम्मेलन करने के लिए वो आ रहे हैं। मार्केटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर नहीं जा सकते तो उन्हें एक बैठक बुलानी चाहिए थी और मणिपुर के हालात की समीक्षा करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि मैंने पहली बार देखा है कि कोई प्रधानमंत्री चुनाव के लिए कर्नाटक, राजस्थान और अन्य जगहों का दौरा कर रहे हैं लेकिन मणिपुर का नहीं। गहलोत ने कहा कि मणिपुर में उनकी सरकार है, सोचिए अगर कांग्रेस वहां सत्ता में होती तो वे क्या-क्या कहते। भाजपा पर हमला बोलते हुए गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार पर वे रटा-रटाया आरोप लगाते हैं। महिलाओं की स्थिति पर उन्होंने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े हमारे पास भी हैं। इसी को घुमा फिराकर झूठ भाजपा नेता बताते हैं।

## महिला अपराध में राजस्थान नंबर 1, लड़की हूं लड़ सकती हूं कहां है : अनुराग ठाकुर

**नईदिल्ली।** मणिपुर से नग्न महिलाओं का वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है। भाजपा ने आज एक बार फिर से विपक्षी दलों को पलटवार किया है। इसके लिए भाजपा की ओर से राजस्थान, बिहार, बंगाल में होने वाले महिला अपराधों का जिक्र किया गया है। पार्टी की ओर से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा और साथ ही साथ आलाकमान की चुप्पी पर सवाल भी खड़े किए हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश के कुछ राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं और कई राज्यों में इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि बेगूसराय में जो हुआ वह हमारे सामने है, लेकिन नीतीश कुमार ने इस पर एक शब्द भी नहीं बोला। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराध में राजस्थान नंबर वन राज्य बन गया है। पिछले 4 वर्षों में राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध की कुल 1.09 लाख घटनाएं और भारत में 22% बलात्कार के मामले राजस्थान से हैं। उन्होंने प्रियंका गांधी पर बिना नाम लिए कहा कि मुख्यमंत्री के घर से 5 किलोमीटर दूर एक बच्चे के सामने उसकी मां की इज्जत लूट ली जाती है। उदयपुर में 8 साल की बच्ची का दुष्कर्म कर उसके 8 टुकड़े कर फेंक दिया जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तो सोए हैं, लेकिन जो लड़की हूं लड़ सकती हूं कहां है?

### प्रधानमंत्री ने 70 हजार लोगों को बांटा नियुक्ति पत्र

# पूर्व की सरकार में चहेतों को मिलती थी लोन : पीएम मोदी

**नईदिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार मेला में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 70000 लोगों को नियुक्ति पत्र बांटा। इस दौरान उन्होंने यूपीए की पिछली सरकार पर जमकर निशाना साधा। साथ ही जिन्हें नियुक्ति पत्र दी गयी, उन्हें भी संबोधित किया और कहा, सरकारी कर्मचारी के रूप में काम करने का अवसर मिलना सम्मान की बात है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार मेलो को संबोधित करते हुए कहा, आजादी कहा, आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान जब देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, सरकारी कर्मचारी के रूप में काम करने का अवसर मिलना बहुत सम्मान की बात है। इस देश के लोगों ने देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। पीएम मोदी ने कहा, अगले 25 साल भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं। पीएम मोदी ने बधाई देते हुए कहा, जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं उनके लिए यह यादगार दिन है लेकिन साथ-साथ देश के लिए भी यह बहुत ऐतिहासिक दिवस है। 1947 में आज के ही दिन (22 जुलाई) तिरंगे को संविधान सभा द्वारा वर्तमान स्वरूप में स्वीकार किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार मेले को संबोधित करते हुए पूर्व की यूपीए सरकार पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा, 'फोन बैंकिंग' घोटाला पिछली सरकार के सबसे बड़े घोटालों में एक था, इसने बैंकिंग प्रणाली की कमर तोड़ दी थी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पहले हजारों करोड़ रुपये के घाटे और एनपीए के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब वे लाभ के लिए जाने जाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज दुनिया में भारत के प्रति जो विश्वास बना है, आकर्षण बना है, आज भारत की महता बनी है, हम सबको मिलकर इसका पूरा लाभ उठाना है। भारत सिर्फ 9 वर्षों में दुनिया की 10वीं अर्थव्यवस्था से 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बना गया है। आज हर विशेषज्ञ ये कह

रहा है कि कुछ ही वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्था में शामिल हो जाएगा। ये भारत के लिए असामान्य सिद्धि बनने वाला है। इसका मतलब हर सेक्टर में रोजगार बढ़ने वाला है और हर व्यक्ति की आय भी बढ़ने वाली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 9 साल पहले ये फोन बैंकिंग मेरे और आपके जैसे सामान्य नागिरकों के लिए नहीं था। उस समय एक खास परिवार के करीबी, कुछ ताकतवर नेता बैंक को फोन कर अपने चहेतों को हजारों करोड़ रुपये का लोन दिलवाया करते थे। ये लोन कभी चुकाया नहीं जाता था। ये फोन बैंकिंग घोटाला पिछली सरकार के सबसे बड़े घोटालों में से एक था। पीएम मोदी ने आगे कहा, अर्थव्यवस्था के विस्तार में हमारे बैंकिंग सेक्टर की भी अहम भूमिका होती है। आज भारत उन देशों में से एक है, जहां का बैंकिंग सेक्टर सबसे मजबूत माना जाता है। मगर 9 वर्ष पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। जब सत्ता का स्वार्थ राष्ट्रहित पर हावी होता है तब कैसी बर्बादी होती है, देश में कई उदाहरण हैं। हमारी बैंकिंग सेक्टर ने तो पिछली सरकार के दौरान इस बर्बादी को महसूस किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में जी 20 देशों के ऊर्जा मंत्रियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, भारत हरित विकास और ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है।

खेल
प्रमुख समाचार

## सात्विक और चिराग ने कोरिया ओपन के फाइनल में बनाई जगह

**येओसु।** सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने शनिवार को यहां लियांग वेई केंग और वांग चांग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी पर सीधे गेम में रोमांचक जीत के साथ कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने जिन्नम स्टेडियम में 40 मिनट तक चले मुकाबले में चीन की जोड़ी पर 21-15, 24-22 से जीत दर्ज की। केंग और चांग की जोड़ी के खिलाफ लगातार दो हार के बाद सात्विक और चिराग की यह पहली जीत थी।

सात्विक और चिराग ने इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000 और स्विस ओपन सुपर 500 खिताब जीते हैं। फाइनल में उनके सामने इंडोनेशिया के शीर्ष वरीय फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो या कोरिया के कांग मिन ह्युक और सियो सेउंग जे की चुनौती होगी। इस साल थाईलैंड और इंडिया ओपन जीतने वाली चीन की जोड़ी भारतीय जोड़ी के खिलाफ जीत हार के 2-0 के रिकॉर्ड के साथ मुकाबले में उतरी थी। भारतीय जोड़ी ने हालांकि इस बार अपनी योजना को शानदार तरीके से अंजाम दिया। जून में अपने पिछले टूर्नामेंट इंडोनेशिया ओपन को जीतने वाली भारतीय जोड़ी के पास अब लगातार दो खिताब हासिल करने का मौका होगा। दोनों जोड़ियों ने खेल की आक्रामक शुरुआत की और 5-5 के स्कोर तक मुकाबला बराबरी का रहा। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद बढ़त बनानी शुरू की और स्कोर 7-5 और फिर 14-8 हो गया। सात्विक ने अपना चिर-परिचित स्मैश लगाया लेकिन बैकलाइन के पास चिराग की गलती के कारण चीन की जोड़ी लगातार दो अंक हासिल करने में सफल रही। चिराग और सात्विक ने मैच पर अपना दबदबा बनाते हुए स्कोर को 19-12 किया और फिर आसानी से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी दोनों जोड़ियों के बीच करीबी मुकाबला देखने को मिला।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## कोटक महिंद्रा बैंक का पहली तिमाही में 67% बढ़ा नेट मुनाफा

**नईदिल्ली।** भारत के कोटक महिंद्रा बैंक 30 जून, 2023 को समाप्त अप्रैल-जून तिमाही के लिए शुद्ध लाभ में 67 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। बैंक ने बताया कि 67 फीसदी नेट प्रॉफिट की मुख्य वजह शुद्ध ब्याज आय में वृद्धि और लोन में मजबूती है। बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के रिजल्ट्स जारी किए। सूत्रों के अनुसार, मुंबई स्थित प्राइवेट कर्जदाता का स्टैंडअलॉन नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में बढ़कर 345.2 करोड़ रुपये हो गया, जो विश्लेषकों के औसत अनुमान 324 करोड़ रुपये से अधिक है। बता दें कि पिछले साल की समान अवधि में बैंक का स्टैंडअलॉन नेट प्रॉफिट 207.1 करोड़ रुपये था। कोटक का शुद्ध ब्याज आय 33 फीसदी बढ़कर 623.4 करोड़ रुपये हो गया। इसका शुद्ध ब्याज मार्जिन पिछले साल की समान तिमाही में 4.92 फीसदी था जो वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में बढ़कर 5.57 फीसदी हो गया।

## फिनटेक कंपनी का घाटा जून तिमाही में कम रहा

**नईदिल्ली।** डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म पेटीएम का संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस शुक्रवार को कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसका घाटा कम होकर 358.4 करोड़ रुपये रह गया। वित्त-प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनी को एक साल पहले की समान तिमाही में 645.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में परिचालन आय बढ़ने से उसके घाटे में गिरावट आई है। इस तिमाही (Q1F24) में कंपनी की परिचालन आय 39.4 प्रतिशत बढ़कर 2,341.6 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की समान तिमाही में उसकी परिचालन आय 1,679.6 करोड़ रुपये रही थी।

## जियो प्लेटफॉर्म्स का शुद्ध लाभ बढ़कर 5,098 करोड़ रुपये हुआ

**नयी दिल्ली।** रिलायंस समूह की डिजिटल सेवा कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स का अप्रैल-जून तिमाही में ग्राहक आधार बढ़ने और बेहतर औसत राजस्व मिलने से शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 12.5 प्रतिशत बढ़कर 5,098 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही में जियो प्लेटफॉर्म्स का शुद्ध लाभ 4,530 करोड़ रुपये रहा था। जियो प्लेटफॉर्म्स में रिलायंस की दूरसंचार इकाई जियो इन्फोकॉम, कुछ स्टार्टअप और संगीत एवं वीडियो स्ट्रीमिंग ऐप शामिल हैं। शुक्रवार को घोषित तिमाही नतीजों के मुताबिक, अप्रैल-जून की अवधि में इसकी परिचालन आय 11.3 प्रतिशत बढ़कर 26,115 करोड़ रुपये हो गई जबकि साल भर पहले की समान अवधि में यह 23,467 करोड़ रुपये थी। इस तिमाही में 90 लाख शुद्ध ग्राहक जुड़े और कुल डेटा ट्रैफिक 28 प्रतिशत बढ़कर 33.2 अरब गीगाबाइट हो गया। प्रति ग्राहक औसत राजस्व भी जून तिमाही में 2.8% बढ़कर 180.5 रुपये हो गया।

## येस बैंक का नेट प्रॉफिट बढ़कर 343 करोड़ हो गया

**नईदिल्ली।** येस बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के लिए उम्मीद से कम नेट मुनाफा दर्ज किया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक ने बैड लोन्स के लिए ज्यादा पैसा अलग रखा, जिसके कारण उच्च शुद्ध ब्याज आय का प्रभाव कम हो गया। सूत्रों के अनुसार, प्राइवेट कर्जदाता का स्टैंडअलॉन शुद्ध लाभ अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 10.3 प्रतिशत बढ़कर 343 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि विश्लेषकों का मानना था कि बैंक 380 करोड़ रुपये का नेट मुनाफा दर्ज करेगा। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात मार्च के अंत में 2.20 प्रतिशत से घटकर जून के अंत में 2 प्रतिशत हो गया, जबकि इसका शुद्ध एनपीए अनुपात 0.80 प्रतिशत से थोड़ा बढ़कर 1 प्रतिशत हो गया। येस बैंक की शुद्ध ब्याज आय 8.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2,000 करोड़ रुपये

# अब नहीं चलेगी डॉलर की दादागिरी, रुपये से कारोबार बढ़ाओ

**अभिनय आकाश**

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और यूएई के सफल दौरे से लौट कर आ गए हैं। लेकिन इस दौरे में दुनिया के 2 बड़े देशों के साथ भारत के आर्थिक समझौतों ने भारतीय रुपये की साख बढ़ा दी है। अब दुनिया में चर्चा हो रही है कि क्या भारत का रुपया दुनिया में ट्रेड के लिए डॉलर का विकल्प बन सकता है। क्या प्रधानमंत्री मोदी ने रुपये को और ज्यादा मजबूत करने का काम किया है। इस चर्चा के पीछे भारत और यूएई के बीच हुआ गेम चेंजर समझौता है। जिसके मुताबिक अब भारत और यूएई अब डॉलर में नहीं बल्कि रुपये और दिरहम में व्यापार करेंगे। इसके अलावा श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रम सिंह ने एक बयान देकर श्रीलंका के व्यापार को भी भारतीय रुपये में करने का संकेत दिया है। श्रीलंका भारतीय रुपये का इस्तेमाल अमेरिकी डॉलर के बराबर देखना चाहेगा। अब लाख टके का सवाल यह उठता है कि क्या भारतीय रुपया मजबूत हो रहा है और क्या यह अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को सीधी चुनौती है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे में कुछ समझौते ऐसे हुए हैं जिसकी चर्चा दुनिया में हो रही है। बातें हो रही हैं कि क्या अब रुपया डॉलर के मुकाबले खड़ा होने वाला है। सबसे पहले हम आपको बताते हैं कि यूएई के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने कौन सी गेम चेंजर डील की है। दुनिया के सबसे अमीर मुल्कों में जिस देश की गिनती होती है। उस देश के साथ भारत अब रुपया में व्यापार करेगा। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने अबू धाबी में इस बात का ऐलान किया। खुद प्रधानमंत्री मोदी मान रहे हैं कि ये डील वर्ल्ड ऑर्डर को नया आकार देने की क्षमता रखती है। इस डील के बाद डॉलर से रुपये में बदलने की लागत खत्म हो जाएगी।

दोनों देशों की मुद्राओं को लाभ पहुंचेगा। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ेगा। दोनों देशों के निवेश का आधार भी मजबूत होगा। यूएई में लगभग 30 लाख भारतीय काम करते हैं, जो भारत में अपने परिजनों को पैसा भी भेजते हैं। रुपये में ट्रेड से पैसा भेजने की लागत भी कम हो जाएगी। इसके अलावा भारत के यूपीआई और यूएई के आईपीपी को भी जोड़ने पर सहमति बनी है।

भारत द्वारा की जा रही ये एक व्यापक कोशिश का हिस्सा है, जिसके तहत कई देशों के साथ इस तरह की व्यवस्था बनाने पर काम किया जा रहा है। इसी महीने भारत और बांग्लादेश के बीच रुपये में व्यापार शुरू भी कर दिया गया। रूस के साथ रुपये में व्यापार करने की कोशिशें कई महीनों से चल रही है। साझेदार देश के बैंकों को भारतीय बैंकों में विशेष खाते खोलने होते हैं। आयातक भुगतान के लिए इन विशेष खातों में रुपये जमा करेंगे। इन खातों में जो बैलेंस पड़ा रहेगा उसका इस्तेमाल भारतीय निर्यातकों को भुगतान करने के लिए किया जाएगा। मिसाल के तौर पर बांग्लादेश के साथ इस व्यवस्था के लिए आरबीआई ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक को और बांग्लादेश बैंक ने सोनाली बैंक और ईस्टर्न बैंक को एक दूसरे बैंक को एक दूसरे के साथ विशेष खाते खोलने की अनुमति दे दी है।

बैंक फॉर इंटरनैशनल सेटलमेंट्स के मुताबिक, जिस मुद्रा का इस्तेमाल जारी करने वाले देश की सीमाओं के बाहर भी किया जाता है, वह इंटरनैशनल करंसी होती है। अमेरिका जाहिर तौर पर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उसकी करंसी डॉलर दुनिया की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं में से एक है। लेकिन यह इकलौती इंटरनैशनल करंसी नहीं। चीन का युआन भी काफी महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मदा है जिसे कई देशों ने अपनाया है। आरबीआई भी रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण करते समय इन दोनों करंसी से काफी कुछ सीखने की योजना बना रहा है। रिजर्व बैंक ने रुपये को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाने की संभावनाओं के बारे में पता लगाने के लिए एक इंटर-डिपार्टमेंटल ग्रुप बनाया था। इसने पिछले साल अक्टूबर में अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसे अब आरबीआई की साइट पर डाल दिया गया है।

# नियमों के बीच अटकी संसद में मणिपुर की चर्चा

**अभिनय आकाश**

मणिपुर की स्थिति को लेकर चर्चा के फॉर्मेट को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच ठन गई है। इसके कारण संसद के मानसून सत्र का पहला दिन बाधित हुआ। इस दौरान रूल 176 और रूल 267 का जिक्र आया। एक तरफ सरकार जहां छोटी अवधि की चर्चा के लिए सहमत हुई थी। वहीं, विपक्ष ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नियम 267 के तहत सभी मुद्दों को निर्लंबित कर चर्चा के बाद स्वतः संज्ञान लें। आखिर क?या है नियम 267 जिसकी मांग विपक्ष ने मणि?पुर मुद्दे पर चर्चा के लिए की है? दूसरी तरफ रूल 176 क्या है जिसके तहत सरकार छोटी अवधि की चर्चा के लिए तैयार है? दरअसल, 1952 में लोकसभा और राज्यसभा ने अपने-अपने प्रक्रिया नियम प्रकाशित किये। इन नियमों में यह विवरण दिया गया कि दोनों सदन कैसे कार्य करेंगे। उन्होंने विभिन्न प्रक्रियात्मक तंत्रों को भी निर्दिष्ट किया जिसके द्वारा संसद सदस्य (सांसद) दो विधायी सदनों के कामकाज में भाग ले सकते हैं। पिछले सात दशकों में ये नियम बदल गए हैं, लेकिन बुनियादी सिद्धांत अपरिवर्तित हैं। सदन में मामले उठाने के लिए सांसदों को पीठासीन अधिकारियों (राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष) को पहले से सूचित करना होगा। यह आवश्यकता सुनिश्चित करती है कि सरकार सांसदों को जवाब देने के लिए जानकारी एकत्र कर सकती है। सरकार के पास विधेयकों और बजटों का भी अपना एजेंडा है। इसमें भी पहले से जानकारी देना जरूरी है ताकि सांसद बहस के लिए खुद को तैयार कर सकें। प्रत्येक सदन का सचिवालय सरकार और व्यक्तिगत सांसदों के नोटिस को संसद में एक दिन के कामकाज की सूची में संकलित करता है। और सांसद केवल उस मामले पर चर्चा कर सकते हैं जो दिन के कामकाज पर है। लेकिन निर्धारित कार्य को स्थगन प्रस्ताव नामक एक प्रक्रियात्मक तंत्र द्वारा अलग रखा जा सकता है। लोकसभा में यह नियम एक सांसद को अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के एक निश्चित मामले पर चर्चा करने के लिए अध्यक्ष से सदन की कार्यवाही स्थगित करने का आग्रह करने की अनुमति देता है। स्पीकर को यह तय करना होगा कि सांसद को प्रस्ताव पेश करने की अनुमति दी जाए या नहीं। इसके परिणामस्वरूप सदन ने इस अत्यावश्यक मामले पर चर्चा करने के लिए कार्य की अपनी निर्धारित सूची को रद्द कर दिया। स्थगन प्रस्ताव एक प्रकार से सरकार की निंदा है। इसकी उत्पत्ति यूनाइटेड किंगडम में हाउस ऑफ कॉमन्स में हुई, और भारत में इसकी यात्रा 1919 के भारत सरकार अधिनियम के तहत स्थापित पूर्व-स्वतंत्र द्विसदनीय विधायिका के नियमों के तहत शुरू हुई। केंद्रीय विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य अपने सदनों में स्थगन प्रस्ताव पेश कर सकते थे। इन सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने स्थगन प्रस्तावों की अनुमति दी क्योंकि सदस्यों के पास जरूरी मामलों को उठाने के लिए अन्य प्रक्रियात्मक उपकरण नहीं थे। और चूंकि ब्रिटिश प्रशासन विधायिका के नियंत्रण में नहीं था, इसलिए यह सदस्यों के लिए किसी विशेष गंभीर मामले पर अपनी चिंता व्यक्त करने के कुछ प्रक्रियात्मक उपायों में से एक था। संसदीय रिकॉर्ड बताते हैं कि साल 1990 से 2016 के बीच 11 बार ऐसे मौके आए जब अलग-अलग चर्चाओं के लिए इस नियम का इस्तेमाल किया गया। सांसदों के लिए जरूरी मामलों को उठाने के लिए नियम पुस्तिका में अन्य प्रक्रियात्मक उपकरणों की उपलब्धता को देखते हुए, लोकसभा अध्यक्ष स्थगन प्रस्तावों की अनुमति देने में अनिच्छुक रहे हैं। अधिकांश लोकसभाओं ने स्थगन प्रस्तावों पर अपना ३त्न से भी कम समय खर्च किया है। एकमात्र अपवाद 9वीं लोकसभा (1989-91, अध्यक्ष रबी रे) थी जिसने अपना लगभग 5त्न (36 घंटे) समय इस पर खर्च किया। रूल 267 सासंदों के लिए सरकार से सवाल पूछने और प्रतिक्रिया मांगने का एकमात्र तरीका नहीं है।

# बसपा ने बिगाड़ा मोदी विरोधियों का खेल

**स्वदेश कुमार**

उत्तर प्रदेश में पहले से ही मजबूत दिख रही भारतीय जनता पार्टी, लोकसभा चुनाव में जीत की गारंटी तय करने के लिए 80 लोकसभा सीटों वाले यूपी में लगातार अपना राजनैतिक कुनबा बढ़ाती जा रही है। पूर्व में दो बार (2014 और 2019 में) यदि केन्द्र में मोदी की सरकार बनी इसकी नींव यूपी में ही पड़ी थी। बीजेपी आलाकमान को विश्वास है कि 2024 में भी केन्द्र की सत्ता का रास्ता यूपी से होकर ही निकलेगा। मोदी-योगी की जोड़ी यदि एक बार फिर यूपी वालों का दिल जीतने में सफल रहती है तो यह गैर बीजेपी दलों के लिए किसी आघात से कम नहीं होगा। इसी बात को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आलाकमान चिंता में डूबा है, लेकिन उसे कोई राह नहीं सूझ रही है, क्योंकि बसपा सुप्रीमो कांग्रेस-सपा के साथ हाथ मिलाने को तैयार ही नहीं हो रही है। इसी के चलते आज भले ही राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस और कुछ दल बीजेपी को हराने के लिए पटना से लेकर बंगलुरू-मुम्बई तक की दौड़ लगा रहे हों, लेकिन यूपी में यह गठबंधन निष्क्रिय नजर आ रहा है।

गौरतलब है कि यूपी में इसी तरह के कई प्रयोग पिछले दस वर्षों में औंधे मुंह गिर चुके हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में यूपी की सत्ता में रहते हुए भी अखिलेश यादव, बीजेपी का मुकाबला नहीं कर पाए थे और उसके बाद 2017 में सत्ता गंवाने के बाद तो वह लगातार कमजोर होते जा रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में जब बीजेपी में मोदी युग की शुरुआत हुई थी उस समय समाजवादी पार्टी यूपी में सत्तारुढ़ थी, लेकिन उसे लोकसभा चुनाव में बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद सपा ने गठबंधन के प्रयोग शुरू कर दिए। 2017 में सपा कांग्रेस के साथ मिलकर विधान सभा चुनाव लड़ी, राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने एक साथ कई सभाएं कीं, बीजेपी के साथ पोस्टर वार में कांग्रेस-सपा गठबंधन ने राहुल-अखिलेश की फोटो वाला पोस्टर जारी करके नारा दिया, %यूपी को यह साथ पसंद है।' लेकिन इस गठबंधन को सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। इसी तरह से 2019 में बसपा-सपा यानी बुआ-भतीजे की जोड़ी ने अप्रत्याशित रूप से हाथ मिला लिया, जबकि नेताजी इसके पक्ष में नहीं थे, बीजेपी और मोदी के सामने यह गठबंधन भी चारों खाने चित हो गया। अबकी से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए यूपी में जो संभावित गठबंधन नजर आ रहा है उसमें कांग्रेस और

समाजवादी पार्टी एक बार फिर साथ-साथ कदमताल करते नजर आ रहे हैं, जबकि बसपा अलग-थलग है। वह अपने दम पर चुनाव मैदान में कूदने के लिए ताल ठोंक रही है। बीजेपी को कौन कितनी चुनौती दे पाएगा, इसको लेकर संभावित सियासी तस्वीर खींची जा रही है।

बहरहाल, बात सपा प्रमुख अखिलेश यादव की कि जाए जो, यूपी में अपने आप को बीजेपी का विकल्प समझते हैं, इस बार भी वह बीजेपी गठबंधन से अकेले मुकाबला करने का साहस नहीं जुटा पा रहे हैं, किसी भी चुनाव से पहले भले ही अखिलेश बड़े-बड़े दावे करते हों, लेकिन चुनाव की घड़ी आती है तो वह गठबंधन का सहारा ढूंढ़ने लगते हैं। 2017 से 2022 तक अखिलेश कोई भी चुनाव अकेले नहीं लड़े हैं। सपा की यही 'तस्वीर' अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भी बनती नजर आ रही है। यह और बात है कि नये गठबंधन से पूर्व उनके पुराने संगी साथी लगातार उनको छोड़कर जा रहे हैं। फिलहाल समाजवादी पार्टी के साथ सिर्फ राष्ट्रीय लोकदल खड़ा नजर आ रहा है, जो ज्यादा विश्वसनीय नजर नहीं आ रहा है। वैसे भी समय के साथ रालोद प्रमुख पाला बदलने में माहिर हैं। यहां यह बता देना भी जरूरी है कि तीन दशक से अधिक पुरानी समाजवादी पार्टी का किसी भी दल से गठबंधन ज्यादा दिनों तक नहीं चल सका है। सपा ने सबसे पहले 1993 में बसपा के साथ गठबंधन किया था। तब तत्कालीन सपा प्रमुख मुलायम सिंह और बसपा सुप्रीमों कांशीराम एक साथ आए थे। उस समय भी ये दोनों दल बीजेपी को सत्ता में आने से रोकने के लिए एक साथ हुए थे। यह वह दौर था जब राम मंदिर की सियासत और बीजेपी की उड़ान चरम पर थी। फिर भी दोनों ही दलों ने साथ मिलकर सरकार बनाई, लेकिन आपसी खटपट के कारण दो जून 1995 को बसपा ने गठबंधन से किनारा कर लिया, जिसका अंत लखनऊ में स्टेट गेस्ट हाउस कांड के रूप में सामने आया था। इसके बाद 2002 में बीजेपी और बसपा का गठबंधन हुआ, जिसे बहुमत मिला और समझौते के तहत छह-छह महीने का फार्मूला समाने आया, यानी छह माह मायावती को और छह माह बीजेपी के नेता को सीएम बने रहना था, लेकिन जब मायावती का सीएम के तौर पर छह माह का कार्यकाल पूरा हो गया तो उन्होंने इस्तीफा देने से मना कर दिया और यह गठबंधन टूट गया, तब अगस्त 2003 में मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने और बहुमत का दावा पेश किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, इसके बाद बहुमत पेश करने का वक्त आया तो सपा की संख्या कम पड़ी। लेकिन बीजेपी ने उन्हें समर्थन दिया। हालांकि ये गठबंधन भी लंबे वक्त तक नहीं चला था। 2014 में जब मोदी लहर चली तो लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने राज्य में बड़ी जीत दर्ज की। इसके बाद विधानसभा चुनाव के वक्त अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा ने चुनाव लड़ा। इस चुनाव में सपा ने कांग्रेस से गठबंधन किया। हालांकि इस गठबंधन में सपा की अब तक की सबसे बड़ी हार हुई। सपा ने 2012 में 224 सीटें जीती थीं लेकिन इस बार केवल 47 सीटें मिली थीं। जबकि दूसरी ओर कांग्रेस ने 2012 में 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि 2017 में पार्टी को यूपी में केवल सात सीटों पर जीत मिली। जिसके बाद ये गठबंधन भी टूट गया। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सपा-बसपा दूसरी बार एक साथ आए। दोनों ही दलों ने मिलकर फिर से बीजेपी के खिलाफ लोकसभा चुनाव में मोर्चा बनाया। हालांकि इस चुनाव में भी सपा और बसपा गठबंधन को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। बसपा को 10 और सपा को पांच सीटों पर जीत मिली थी। कुछ ही दिनों के बाद ये गठबंधन भी टूट गया। इसके बाद 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में सपा ने छोटे दलों को साथ लेकर नया गठबंधन बनाया। प्रसपा, सुभासपा, रालोद और महान दल का सपा के साथ विधानसभा चुनाव से ठीक पहले गठबंधन हुआ। इस गठबंधन का कुछ फायदा सपा को मिला लेकिन फिर भी चुनाव में पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। सपा गठबंधन को केवल 125 सीटों पर जीत मिली, जिसमें सपा केवल 111 सीटें जीत सकी थी। बीजेपी गठबंधन ने 273 सीटों पर जीत दर्ज की। चुनाव में हार के बाद सपा गठबंधन में खटपट बढ़ी और फिर कई दल इस गठबंधन से अलग हो गए।

बात 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए हुए नये गठबंधन की कि जाए तो समाजवादी पार्टी अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव कांग्रेस और रालोद के साथ मिलकर लड़ेगी, लेकिन खास बात यह है कि सपा विपक्षी गठबंधन की कमान कांग्रेस को देने को तैयार नहीं है, वह अपने पास गठबंधन की चाबी रखना चाहती है। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल कह भी रहे हैं कि जिस राज्य में जो क्षेत्रीय शक्ति मजबूत है, उसी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ा जाए। जाहिर है कि सपा गठबंधन सहयोगियों के बीच यूपी में सीटों के बंटवारे में अपना हाथ ऊपर रखना चाहती है। वैसे बंगलुरू में हुए दूसरे सम्मेलन में सीटों के बंटवारे के फार्मूले पर सीधे कोई बातचीत नहीं हुई, लेकिन नेताओं ने अलग-अलग इन मुद्दों पर चर्चा जरूर की। माना जा रहा है कि यूपी में गठबंधन के तहत कांग्रेस 15-20 लोकसभा सीटों पर मान सकती है। शेष सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे की जिम्मेदारी सपा को सौंपी जा सकती है। इसके साथ ही बसपा को लेकर भी विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस अभी ना-उम्मीद नहीं है। अंदरखाने एक पूर्व राज्यसभा सदस्य के जरिये कांग्रेस और बसपा के बीच बातचीत चल रही है। यही वजह है कि बंगलुरू सम्मेलन में आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद को शामिल कराने का कोई प्रयास नहीं दिखा, क्योंकि इससे बसपा के साथ रिश्तों में खटास आने की पूरी संभावना थी। सूत्र बताते हैं कि बसपा का विकल्प खुला रखकर कांग्रेस यूपी में गठबंधन के सहयोगियों के बीच सीटों को लेकर अपनी सौदेबाजी की क्षमता को बनाए रखना चाहती है। यह और बात है कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने अलग राह पकड़ रखी है, वह नये गठबंधन की नीति और नियत पर सवाल खड़ा कर रही हैं। बीएसपी लोकसभा चुनाव और इसके पहले तीन राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में अकेले चुनाव लड़ने का मूड बनाए हुए है। हालांकि, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि बीएसपी हरियाणा और पंजाब में क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर चुनावी मैदान में उतरे। उधर, मायावती, कांग्रेस पर बार-बार हमलावर होते हुए कहती हैं कि कांग्रेस अपने जैसी जातिवादी और पूंजीवादी ताकतों के साथ गठबंधन कर रही है। सत्ता से बाहर होने पर ही कांग्रेस को दलितों, पिछड़ों और गरीबों की याद आती है। जब सत्ता में होते हैं तो न तो भाजपा व न ही कांग्रेस को किसी की परवाह रहती है। भाजपा ने 2014 में हर गरीब के खाते में 15-15 लाख रुपये डालने का वादा किया था जो कि पूरा नहीं किया। मायावती का कहना है कि आगामी चुनाव में बसपा अपने सहयोगी गठबंधन को मजबूत करेगी। उन्होंने विपक्षी गठबंधन को एक मजबूर गठबंधन बताया है।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# दक्षिणामूर्युपनिषद्

यह उपनिषद् कृष्णयजुर्वेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। इसमें शिवतत्त्व पर प्रकाश डाला गया है। यह उपनिषद् शौनकादि महर्षियों एवं मार्कण्डेय ऋषि के बीच प्रश्नोत्तर के रूप में प्रस्तुत है। इस उपनिषद् में सर्वप्रथम शिवतत्त्व के ज्ञान से चिरजीविता की प्राप्ति का विवेचन है, तदुपरान्त शिव तत्त्व के ज्ञान के लिए कुछ प्रश्न किए गये हैं, जिसके उत्तर में मार्कण्डेय ऋषि ने परम रहस्यमय शिव तत्त्व का बोध कराया है। इसके बाद 24 अक्षरात्मक मन्त्र, नवाक्षर मन्त्र 18 अक्षरात्मक मन्त्र तथा 12 अक्षरात्मक मन्त्र का वर्णन है। इसके आगे आनुष्टुभ मन्त्रराज का तथा निष्ठा आदि का निरूपण है, जिसके परिणाम स्वरूप शिवतत्त्व का ज्ञानोदय होता है। अन्त में उपनिषद् के अध्ययन एवं अनुभूति के प्रतिफल का प्रतिपादन किया गया है।

एक बार ब्रह्मावर्त देश में महाभाण्डीर नाम के वट वृक्ष के नीचे शौनकादि महर्षियों ने दीर्घकाल तक चलने वाला यज्ञ प्रारम्भ किया। (उस समय) शौनकादि ऋषियों ने तत्त्वज्ञान प्राप्त करने के लिए समित्पाणि होकर चिरंजीवी मार्कण्डेय ऋषि के सम्मुख आकर प्रश्न किया। हे महर्षे। आप चिरंजीवी कैसे हुए एवं (दीर्घायु के साथ) कैसे अपार आनन्द की अनुभूति करते हैं? उन्होंने कहा कि मेरे चिरंजीवी होने का कारण परमगुप्त शिव तत्त्व का ज्ञान है। ऋषियों ने पूछा- वह परम ने रहस्यमय शिव तत्त्व का ज्ञान क्या है? उसका देवता कौन है? उसके मन्त्र कौन से हैं? (उसका) जप (मन्त्र) क्या है ? (उसके लिए) मुद्रा कौन सी है ? उसकी निष्ठा क्या है? क्या-क्या उस ज्ञान के साधन हैं? उसका परिकर क्या है? उसमें बलि क्या है? उसका समय क्या है? उसका स्थान क्या है? उन मार्कण्डेय ऋषि ने कहा जिसके द्वारा दक्षिणामुख शिव का प्राकट्य होता है, वही परम रहस्यमय शिव तत्त्व का ज्ञान है। जो सृष्टि के अन्त में सम्पूर्ण विश्व को अपने भीतर समेट करके अपनी आत्मा में ही आनन्दित रहते एवं स्वप्रकाशित रहते हैं, वे ही इस ज्ञान तत्त्व के देवता हैं। अब प्रज्ञा, मेधा का विज्ञान प्रदान करने वाले मन्त्रों का उदाहरण दिया जा रहा है। अब मन्त्र के रहस्य को प्रकट करने वाले लोक कहे जा रहे हैं। इस मेधा दक्षिणामूर्ति मन्त्र के ब्रह्मा ऋषि हैं, गायत्री छन्द है और दक्षिणामुख देवता हैं। मन्त्र के द्वारा अंग न्यास करना चाहिए। सबसे पहले नमः शब्द का उच्चारण करके फिर भगवते पद का उच्चारण करे पुनः दक्षिणा यह पद कहे, फिर मूर्तये पद को कहे, बाद में अस्मद् शब्द के चतुर्थी का एकवचन अर्थात् मां पद कहे तथा बाद में मेधां प्रज्ञा पदों का उच्चारण करे।

**क्रमशः ...**

# स्वराज के महानायक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

**मृत्युंजय दीक्षित**

भारत की गुलामी के दौरान अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले लोकमान्य तिलक ने देश को स्वतंत्र कराने में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दिया। वे जनसेवा में त्रिकालदर्शी, सर्वव्यापी परमात्मा की झलक देखते थे। स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है मैं इसे लेकर रहूंगा के उद्घोषक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का स्थान स्वराज के पथगामियों में अग्रणीय है। उनका महामंत्र देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी तीव्रता के साथ गूंजा और एक अमर संदेश बन गया।

यह एक अद्भुत संयोग है कि तिलक 1856 के विद्रोह के वर्ष में तब उत्पन्न हुए जब देश का सामान्य वातावरण अंग्रेजी राज्य के विरूद्ध विद्रोह की भावना से पूर्ण था। महानायक तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को शिवाजी की कर्मभूमि महाराष्ट्र के कोंकण प्रदेश के रत्नागिरि नामक स्थान पर हुआ। माता-पिता के निधन के पश्चात तिलक के पालन पोषण का भार उनके चाचा पर पड़ गया। तिलक ने सन 1872 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की तथा सन 1876 में बीए की परीक्षा पास की तथा 1879 में एलएबी की परीक्षा पास की। लोकमान्य तिलक का जब राजनैतिक

पर्दापण हुआ तब देश में राजनैतिक अंधकार छाया हुआ था। दमन और अत्याचारों के काले मेघों से देश आच्छादित था। जनसाधारण में इतना दासत्व उत्पन्न हो गया था कि स्वराज और स्वतंत्रता का ध्यान तक उनके मस्तिष्क में नहीं था। उस वक्त आम जनता में इतना साहस नहीं था कि वह अपने मुंह से स्वराज का नाम निकाले। ऐसे कठिन समय में लोकमान्य तिलक ने स्वतंत्रता के युद्ध की बागडोर संभाली।

सन 1891 में उन्होंने केसरी और मराठा दोनों ही पत्रों का संपूर्ण भार स्वयं खरीदकर अब इन्हें स्वतंत्र रूप से प्रकाशित करना शुरू कर दिया। अपनी प्रतिभा लगन और अदम्य कार्यशक्ति के बल पर शीघ्र ही जनक्षेत्र में अपना स्थान बना लिया। उनकी लौह लेखनी से ही केसरी और मराठा महाराष्ट्र के प्रतिनिधि पत्र बन गये। केसरी के माध्यम से समाज में होने वाले अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने पर तिलक पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया। तिलक को राजद्रोही घोषित कर 6 वर्ष का कालापनी और एक हजार रुपये का अर्थदंड उनको दिया गया। इस दंड से सारे देश में क्रोध की लहर दौड़ गयी जनता द्वारा सरकार का विरोध किया गया बाद में सरकार ने थोड़ा झुकते हुए उन्हें साधारण सजा सुनायी। उन्हें कुछ दिन बाद अहमदाबाद तथा बाद में बर्मा की मांडले जेल भेज दिया गया।

जब तिलक को सजा सुनायी जा रही थी उस समय भी उनके मन में घबराहट नहीं हुई। उस समय भी उन्होंने यही कहा था कि यद्यपि ज्यूरी ने मेरे खिलाफ राय दी है फिर भी मैं निर्दोष हूं। वस्तुतः मनुष्य की शक्ति से भी अधिक शक्तिशाली दैवी शक्ति है। वही प्रत्येक व्यक्ति और राष्ट्र के भविष्य की नियंत्रणकर्ता है। हो सकता है कि देश की यही इच्छा हो कि स्वतंत्र रहने के बजाय कारागार में रहकर कष्ट उठाने से ही मेरे अभिष्ट कार्य की सिद्धि में अधिक योग मिले। उन्होंने एक बार कहा था कि साक्षात परमेश्वर भी मोक्ष प्रदान करने लगे तो मैं उनसे कहूंगा पहले मुझे मेरे देश को परतंत्रता से मुक्त देखना है। इसी प्रकार उन्होंने घोषित किया था कि, स्वतंत्रता तो मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। जब तक यह भाव मेरे दिल में है मुझे कौन लांघ सकता है। मेरी इस भावना को काट नहीं सकते। आग उसको भस्म नहीं कर सकती मेरी आत्मा अमर है। यह उनका संदेश था जो भारत के एक-एक भारतीय को झकझोर गया।

# सोनिया के सहारे एकजुट हुआ विपक्ष

**रशीद किदवई**

विपक्ष के अपना गठबंधन बना लेने के पीछे यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी की एक बड़ी भूमिका है। उन्होंने पर्दे के पीछे से सक्रिय भूमिका निभायी। वह पटना में पिछले महीने हुए विपक्ष के सम्मेलन में नहीं आयी थीं, लेकिन बेंगलुरु बैठक में शामिल हुईं। दरअसल, जब भी राजनीतिक दलों की ऐसी एकजुटता की कोशिश होती है, तो एक ऐसे किरदार की तलाश होती है, जो खुद किसी पद का उम्मीदवार न हो और जो सबको जोड़ने का काम कर सके। इस काम में एनसीपी नेता शरद पवार भी निपुण हैं, मगर उनकी अपनी पार्टी में उठा-पटक चल रही है, और साथ ही उनकी अतीत की राजनीति को देखते हुए माना जाता है कि वे दो नावों पर सवारी करने वाले नेता हैं। वहीं, बतौर यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी का विपक्ष में बहुत सम्मान है। उसी वजह से वह यह भूमिका निभाने के लिए तैयार हुईं। हालांकि, उनके लिए यह फैसला आसान नहीं था। और इसका कारण केवल उनकी सेहत ही नहीं, बल्कि राजनीतिक भी है। दरअसल, सोनिया गांधी चाहती थीं कि गठबंधन में सबको जोड़ने की भूमिका राहुल गांधी निभायें।

मगर, विपक्ष के नेताओं के साथ राहुल गांधी का वैसा संवाद और तालमेल नहीं है। ऐसे में, सोनिया गांधी ने पर्दे के पीछे से भूमिका निभाते हुए एक साथ बहुत सारे राजनीतिक दलों को एक मंच पर खड़ा किया। अब इसके बाद 11 सदस्यों की एक समन्वय समिति बनाने की चर्चा चल रही है, जो पूरे देश में संयोजन का काम करेगी। विपक्ष के कई नेताओं की ऐसी राय है कि सोनिया गांधी को पर्दे के पीछे से नहीं, बल्कि सामने आकर गठबंधन के अध्यक्ष की

कमान थामनी चाहिए। लेकिन सोनिया गांधी की एक व्यक्तिगत दुविधा है कि यदि वह ऐसी किसी समिति की अध्यक्षा बनती हैं तो उसमें राहुल गांधी के लिए भूमिका नहीं बचेगी। लेकिन, सोनिया गांधी के पास बजाय कमान संभालने के दूसरा कोई विकल्प नहीं है। अगर इंडिया गठबंधन को कारगर होना है तो सोनिया गांधी को सक्रिय होना ही पड़ेगा। इस बैठक में कांग्रेस ने एक और बड़प्पन का काम किया। गठबंधन का नाम इंडिया रखने का विचार कांग्रेस का ही था, लेकिन उन्होंने उसका सारा श्रेय ममता बनर्जी को दिया। ऐसी बातों का अपना अलग महत्व होता है। सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे इस तरह के कदमों से दूसरे छोटे दलों को आगे बढ़ा रहे हैं ताकि तालमेल में स्थिरता हो और किसी तरह का मतभेद या मनभेद ना हो। विपक्षी दलों ने इस दिशा में भी पिछले एक महीने में बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

राजनीति में जब भी राजनीतिक दलों के बीच संवाद होता है, तो उसमें या तो बातें आगे बढ़ती हैं, या उनके संबंधों को झटका लगता है। इस लिहाज से, ऐसे माहौल के बीच, जहां विपक्षी एकता को कमजोर करने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है, विपक्ष के लिए आपसी मनमुटाव को कम कर आगे की ओर बढ़ना एक बड़ी उपलब्धि है। ममता बनर्जी का सौहार्दपूर्ण माहौल में हिस्सा लेना और उनको इंडिया नाम का श्रेय देना ऐसा ही एक उदाहरण है। इसी प्रकार, संसद के मानसून सत्र में दिल्ली में शासन संबंधी अध्यादेश का मामला जोर-शोर से उठेगा। कांग्रेस का समर्थन मिलने से आम आदमी पार्टी को राहत भी मिली है और विपक्षी एकता की कोशिशों को बल भी मिला है। इस मामले में अब गेंद सरकार के पाले में आ गयी है। इस तरह के ऐसे कई और मामले हैं जिनमें सत्ताधारी दल और विपक्ष के बीच शह-मात का खेल चल रहा है। इनमें महाराष्ट्र में शिव सेना विधायकों की अयोग्यता का मामला भी शामिल है, जिस पर स्पीकर को 10 अगस्त तक फैसला लेना है। अभी आने वाले समय में ऐसे कई और घटनाक्रम सामने आयेंगे। विपक्षी दलों के गठबंधन का इतिहास देखा जाए, तो उनकी एकता चुनाव के थोड़ा पहले या चुनाव के बाद नजर आती है। जैसे, इमरजेंसी के समय दो-तीन महीने के भीतर कई सारे राजनीतिक दल एकजुट हुए और लोकदल के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा। इसी तरह से, सोनिया गांधी के नेतृत्व में जो संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन या यूपीए बना, वह 2004 के चुनाव के बाद गठित हुआ था। ऐसे ही 1996 में भी जो संयुक्त मोर्चा गठबंधन बना था, वह बहुत तेजी से जोड़-तोड़ कर बनाया गया था। इस बार भी चुनाव के आस-पास घटनाएं बदलेंगी और चुनाव में अभी समय है। इसी प्रकार से अभी विपक्ष की एकजुटता के रास्ते में चुनौतियां आयेंगी, लेकिन अभी ऐसा लग रहा है कि चीजें बिखराव की ओर नहीं जा रही हैं। हालांकि, विपक्ष के सामने अभी बहुत अड़चनें हैं। जैसे, अभी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने हैं। उन चुनावों में गैर-कांग्रेसी दल जैसे आम आदमी पार्टी या समाजवादी पार्टी जैसे दल भी हिस्सा लेना चाहते हैं। तो ऐसे में यदि दूसरे दल कांग्रेस के साथ प्रतियोगिता करते हैं तो इससे विपक्षी एकता के लिए अड़चन पैदा हो सकती है।विपक्ष के लिए अभी सबसे महत्वपूर्ण है कि वह बिहार और महाराष्ट्र में अपने गठबंधन को अटूट रखे। महाराष्ट्र में यदि एनसीपी, कांग्रेस और शिव सेना का उद्धव गुट चुनाव तक एकजुट रहे, तो इसका नतीजों पर असर पड़ सकता है। वैसे ही, बिहार में आरजेडी, जेडीयू, कांग्रेस और उनके सहयोगी दल इकट्ठा रहे तो एनडीए के लिए समस्याएं हो सकती हैं, क्योंकि ये दोनों ही बड़े राज्य हैं। विपक्ष की एकता की कोशिशों की एक और बड़ी उपलब्धि सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या एनडीए का पुनर्गठन होना है। प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी संसद में और संसद के बाहर बड़े पुरजोर तरीके से कहते रहे हैं कि केवल एक व्यक्ति नरेंद्र मोदी सब पर भारी हैं। प्रधानमंत्री ने खुद भी यह कहा है। यह ठीक वैसी ही बात है, जो इंदिरा गांधी के जमाने में कही जाती थी। लेकिन, यदि नरेंद्र मोदी सब पर भारी हैं, तो ये 38 पार्टियों को फिर से क्यों जोड़ा गया है। और यह उसी दिन हुआ जिस दिन विपक्ष बेंगलुरु में बैठक कर रहा था। वहां प्रधानमंत्री अपने भाषण में एकदम अलग अंदाज में बातें करते दिखे। उन्होंने सबको साथ लेकर चलने की बात की और चिराग पासवान को गले लगाया। यह बताता है कि यदि विपक्ष में घबराहट और चिंता है, तो सत्ताधारी दल में भी वैसा आत्मविश्वास नहीं है। उन्होंने 38 दलों को जुटाकर दिखाने की कोशिश की कि एनडीए बड़ा है। यहां प्रश्न उठता है कि यदि बीजेपी को लगता है कि एक व्यक्ति ही काफी है, तो यह सब क्यों किया जा रहा है।

**बापू की दिनचर्या**

## शयन (भाग-3)

**गतांक से आगे...**

सन् 1930 में यरवदा में वे बगीचे के बीच खुले में सोते। सेवाग्राम में उनका बिस्तर प्रार्थना- भूमि पर खुले मैदान में लगता। वहाँ उनके इर्द-गिर्द अन्य लोग सोते। बाद में जनसंख्या में इतनी वृद्धि हुई कि प्रार्थना-भूमि रेलवे के मुसाफिरखाने जैसी हो गई। वहाँ कुछ लोग इधर, कुछ उधर और कुछ पैरों के पास सोते। बापू का कहना था कि खुली जगह में दो-तीन घंटे की नींद छत के तले ली जानेवाली सारी रात की निद्रा की पूर्ति कर देती है। खुले में अधिक लोगों के सोने से किसी प्रकार की हानि नहीं हो सकती, जबकि छत के तले ऐसा होने पर वहाँ की वायु दूषित हो जाती है। खुली जगह में अंदर से निकलनेवाली दूषित वायु खुले आकाश में पहुँच जाती और स्वच्छ वायु प्राप्त होती रहती है। खुले में शयन करने का सर्वाधिक लाभ तो वे आकाश- दर्शन का बताते, जो तन और मन दोनों के लिए लाभदायक होता है। बापू का कहना था कि ब्रह्मचर्य का पालन करनेवाले को खुली जगह में शयन करना चाहिए। बरसात के अलावा वे छत के तले सोने की आवश्यकता नहीं बताते, ओस तथा शीत से रक्षा होने भर वस्त्र भले ही रख सकते हैं। इसी प्रकार बरसात के समय वे एक छतरी-सरीखी छाया की व्यवस्था करने के पक्ष में थे; किंतु इसके अलावा सदा खुले आकाश की छतरी के तले सोने को कहते, जिसमें असंख्य तारे जड़े रहते हैं। ऐसा करनेवाला आँख खुलते ही हर क्षण नित-नवीन दृश्य का अवलोकन करता है। उसकी आँखें कभी ऐसा करते हुए चौंधिया नहीं सकतीं, वह ऊब नहीं सकता, अपितु उसके नेत्रों को शीतलता प्राप्त होती और भव्य तारकमंडल उसे घूमता हुआ दृष्टिगोचर होता है। अपने हृदय को साक्षी करके और उससे मैत्री स्थापित करके सोनेवाला व्यक्ति कभी अपवित्र विचारों के चक्कर में नहीं पड़ सकता और उसे शांत निद्रा आती है। बापू खुले में धूल और गंदगी से भरी हवा लेने, धूल तथा सरदी से बचने के लिए सिर से पैर तक ओढ़ने और मुँह से साँस लेने के विपक्ष में थे।

**क्रमशः ...**

# तुलजा भवानी मंदिर में पिछले साल की तुलना में चढ़ा दोगुना चढ़ावा

**म**हाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले में स्थित मशहूर तुलजा भवानी मंदिर ने 2021-22 में 29 करोड़ रुपए के मुकाबले 2022-23 में करीब दोगुनी यानि 54 करोड़ रुपए की आय अर्जित की। मंदिर प्रशासन ने यह जानकारी दी। मंदिर संस्थान के अध्यक्ष एवं उस्मानाबाद के जिलाधीश डॉ. सचिन ओमबेस ने शनिवार को कहा कि पिछले वित्त वर्ष में अर्जित 54 करोड़ रुपए में से श्रद्धालुओं द्वारा पैसे देकर किए गए दर्शन से 15 करोड़ रुपए की आय हुई, जबकि श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान से 19 करोड़ रुपए मिले।

सदियों पुराना तुलजा भवानी मंदिर उस्मानाबाद के तुलजापुर में स्थित है और हर साल लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। जिलाधीश ने कहा, ''हम मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं और इसके कारण आय बढ़ी है। कई लोगों ने पैसे देकर दर्शन करने की सुविधा ली, जिसके लिए मंदिर प्रत्येक व्यक्ति से 500 रुपए का शुल्क लेता है।%% उन्होंने बताया कि पिछले महीने के अंत तक की गई गणना के अनुसार, 2009 से 2022 के बीच तुलजा भवानी मंदिर में कुल 207 किलोग्राम सोने और 2,570 किलोग्राम चांदी का चढ़ावा आया। जिलाधीश के मुताबिक, तुलजापुर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की अनुमति से बनाया जा रहा मास्टर प्लान आखिरी चरण में है और इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

### इतिहास

महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले में स्थित है तुलजापुर। एक ऐसा स्थान जहाँ छत्रपति शिवाजी की कुलदेवी माँ तुलजा भवानी स्थापित हैं, जो आज भी महाराष्ट्र व अन्य राज्यों के कई निवासियों की कुलदेवी के रूप में प्रचलित हैं। तुलजा भवानी महाराष्ट्र के प्रमुख साढ़े तीन शक्तिपीठों में से एक है तथा भारत के प्रमुख इक्यावन शक्तिपीठ में से भी एक मानी जाती है। मान्यता है कि शिवाजी को खुद देवी माँ ने तलवार प्रदान की थी। अभी यह तलवार लंदन के संग्रहालय में रखी हुई है। यह मंदिर महाराष्ट्र के प्राचीन दंडकारण्य वनक्षेत्र में स्थित यमुनांचल पर्वत पर स्थित है।

ऐसी जनश्रुति है कि इसमें स्थित तुलजा भवानी माता की मूर्ति स्वयंभू है। इस मूर्ति की एक और खास बात यह है कि यह मंदिर में स्थायी रूप से स्थापित न होकर 'चलायमान' है। साल में तीन बार इस प्रतिमा के साथ प्रभु महादेव, श्रीयंत्र तथा खंडरदेव की भी प्रदक्षिणापथ पर परिक्रमा करवाई जाती है।

### स्थापत्य

इस मंदिर का स्थापत्य मूल रूप से हेमदपंथी शैली से प्रभावित है। इसमें प्रवेश करते ही दो विशालकाय महाद्वार नजर आते हैं। इनके बाद सबसे पहले कल्लोल तीर्थ स्थित है, जिसमें 108 तीर्थों के पवित्र जल का सम्मिश्रण है।

# लड्डू गोपाल को घर में रखने से पहले जान लें ये नियम

**ह**र साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। वहीं जन्माष्टमी के मौके पर भगवान श्रीकृष्ण के बालस्वरूप यानी की लड्डू गोपाल की पूजा का विधान है।

इस दिन लड्डू गोपाल की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। कई लोग अपने घर में लड्डू गोपाल को रखना चाहते हैं। ऐसे में आप जन्माष्टमी के शुभ मौके पर लड्डू गोपाल को अपने घर ला सकते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल को घर में रखने पर कुछ विशेष नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

### नियमित कराएं स्नान

लड्डू गोपाल भगवान श्रीकृष्ण का बाल स्वरूप होता है। ऐसे में उनकी देखभाल बच्चे की तरह करनी चाहिए। लड्डू गोपाल को नियमित रूप से स्नान आदि करना चाहिए। स्नान कराने के लिए आप दूध, दही, शहद, गंगाजल और घी का इस्तेमाल करें। शंख में दूध, दही, गंगाजल और घी डालकर लड्डू गोपाल को स्नान कराना चाहिए।

### चार बार लगाएं भोग

जिस तरह से छोटे बच्चे दिन में कई बार खाना खाते हैं। ठीक उसी तरह लड्डू गोपाल को भी दिन में चार बार भोग लगाना चाहिए। श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री अतिप्रिय है। इसके अलावा आप खीर, बूंदी के लड्डू और हलवे का भी भोग लगा सकते हैं। आप चाहें तो लड्डू गोपाल को घर में पकने वाले भोजन का भी भोग लगा सकते हैं। इसलिए उन्हें दिन में 4 बार अलग-अलग चीजों का भोग लगाना चाहिए।

### रोजाना करें पूजा-अर्चना

लड्डू गोपाल की नियमित रूप से पूजा की जानी चाहिए। उनकी दिन में चार बार आरती उतारना आवश्यक है।

### जरूर झुलाएं झूला

लड्डू गोपाल की आरती किए जाने के बाद उन्हें अपने हाथों से भोग लगाएं। इसके बाद उनको लोरी सुनाते हुए झूला झुलाएं। फिर झूले में लगे परदों को बंद कर दें। बता दें कि रात को लड्डू गोपाल को सुलाने के बाद ही सोना चाहिए।

### लड्डू गोपाल को न छोड़ें अकेला

बता दें कि लड्डू गोपाल को घर का सबसे छोटा सदस्य माना जाता है। बाल गोपाल को बच्चे की तरह रखना होता है। इसलिए अगर आप कहीं बाहर जाते हैं। तो इस दौरान लड्डू गोपाल को घर में अकेला न छोड़ें। वहीं अगर आप काफी समय के लिए कहीं बाहर जा रहे हैं. तो लड्डू गोपाल को अपने साथ ले जाएं या फिर अपने घर की चाभी पड़ोसी व रिश्तेदार को रखकर जाएं।

जिससे की लड्डू गोपाल का पूरा ध्यान रखा जा सके।

# सावन में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से दूर होंगे सारे कष्ट

## जानिए जाप का सही तरीका

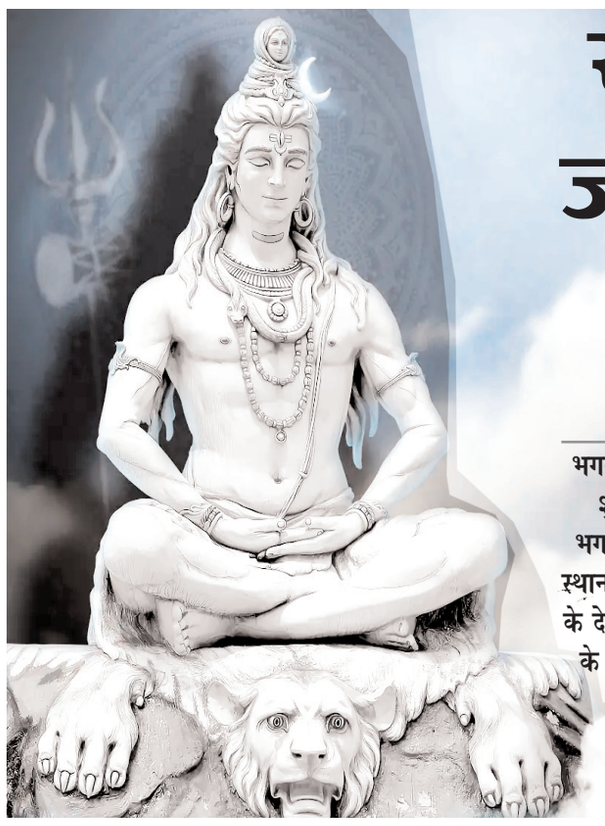

अनन्या मिश्रा

**भगवान शिव का प्रिय माह सावन शुरू हो गया है। हिंदू धर्म में भगवान भोलेनाथ को सबसे उच्च स्थान प्राप्त है। इसी कारण इन्हें देवों के देव महादेव भी कहते हैं। महादेव के महामृत्युंजय मंत्र से व्यक्ति के सभी कष्ट दूर होते हैं।**

**भ**गवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता है। हिंदू धर्म में भगवान भोलेनाथ को सबसे उच्च स्थान प्राप्त है। इन्हें महाकाल भी कहा जाता है। क्योंकि भगवान शिव की कृपा से बड़ा से बड़ा संकट या काल भी किसी व्यक्ति का कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। शास्त्रों में भगवान भोलेनाथ के कई ऐसे चमत्कारिक मंत्रों का उल्लेख मिलता है। इन्हीं मंत्रों में एक मंत्र महामृत्युंजय मंत्र भी है। इस मंत्र का जाप कर व्यक्ति रोगमुक्त, भयमुक्त और अकाल मृत्यु से खुद को दूर रख सकता है। इस मंत्र का जाप करने से भगवान शिव काफी प्रसन्न होते हैं।

बता दें कि इस मंत्र का वर्णन यजुर्वेद में भी मिलता है। संस्कृत में महामृत्युंजय मंत्र का उल्लेख मृत्यु को जीतने वाला हो। भगवान भोलेनाथ की स्तुति के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जाता है। शिवपुराण के मुताबिक महामृत्युंजय मंत्र के जाप से संसार के सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए महामृत्युंजय मंत्र का हिंदी अर्थ और इसके महत्व और जाप विधि के बारे में बताने जा रहे हैं।

### कब और कैसे करें इस मंत्र का जाप

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सवा लाख बार इस मंत्र का जाप करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति इस मंत्र का सवा लाख बार जाप नहीं कर सकता है तो वह 108 बार महामृत्युंजय मंत्र का जाप कर सकता है। सावन के महीने में इस मंत्र का जाप करना बेहद कल्याणकारी माना जाता है। अगर आप सावन के इतर इस मंत्र का जाप करना चाहते हैं तो इसकी शुरूआत सोमवार से करें। इस मंत्र का जाप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का प्रयोग करना चाहिए।

**महामृत्युंजय मंत्र**

*त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।*
*उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥*

**महामृत्युंजय मंत्र का हिंदी अर्थ**

इस मंत्र का हिंदी में अर्थ इस प्रकार से है- कि इस जगत के पालनहार, तीन नेत्रों वाले भगवान शंकर की हम स्तुति करते हैं। पूरे संसार में सुगंध फैलाने वाले भगवान शिव हमें मृत्यु के बंधन से मुक्ति प्रदान करें। जिससे कि हम मोक्ष की प्राप्ति कर सकें।

### महामृत्युंजय मंत्र के फायदे

- महामृत्युंजय मंत्र के प्रभाव से व्यक्ति को अकाल मृत्यु का भय नहीं होता है।
- इस मंत्र के जाप से भगवान शिव-शंकर प्रसन्न होते हैं और जातक को कष्टों से मुक्ति मिलती है।
- इस मंत्र के जाप से रोगों का नाश होता है।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को धन-धान्य की कमी नहीं होती है।

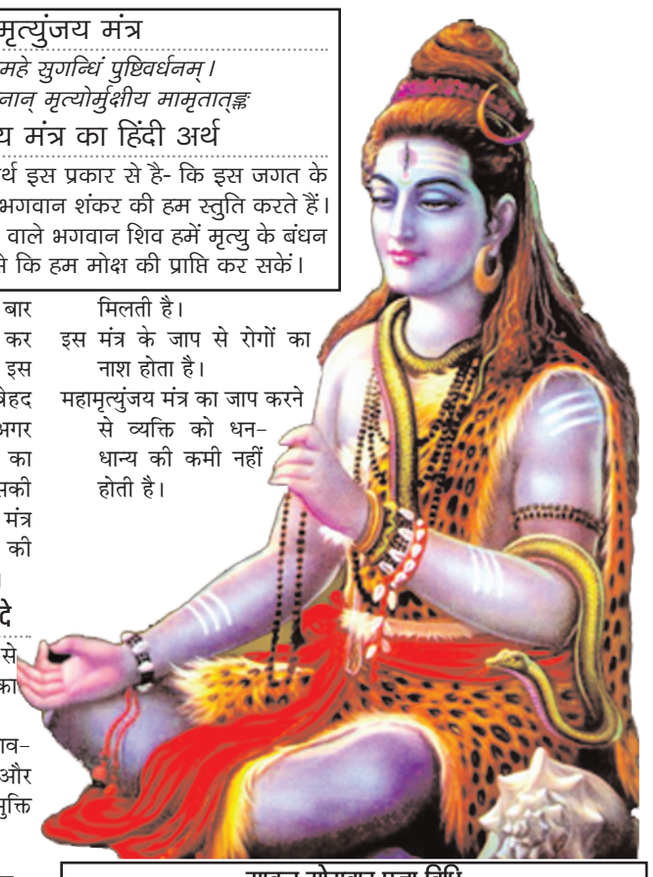

# सावन के पहले सोमवार पर पंचक का साया

## जानिए कैसे होगी शिव पूजा

10 जुलाई 2023 को सावन का पहला सोमवार है। सावन माह के प्रत्येक सोमवार शिव भक्तों के लिए सबसे खास माने जाते हैं। इस दिन शिव भक्त व्रत रखते हैं और विधि पूर्वक पूजा करते हैं। इस दिन सुबह से ही देशभर के सभी शिव मंदिर में भक्तों की भीड़ लग जाती है। भगवान भोलेनाथ सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले देवता हैं। धार्मिक मान्यता है कि शिव जी को मात्र एक लोटा जल से भी प्रसन्न किया जा सकता है। सावन के महीने में शिव भक्त तरह तरह से भगवान शिव को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं। हालांकि इस बार सावन के पहले सोमवार को पंचक भी लग रहा है, इसलिए लोगों के मन में पूजा और जलाभिषेक को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं इस दिन पंचक का क्या प्रभाव होगा, पूजा विधि और शुभ मुहूर्त...

### पहले सोमवार पर पंचक का साया

सावन में 6 जुलाई 2023 को दोपहर ह्न1 बजकर 38 मिनट से पंचक की शुरुआत हो गई थी, जिसका समापन 10 जुलाई को सावन के पहले सोमवार वाले दिन शाम 6 बजकर 59 मिनट पर होगा। यानी इस दिन पूरे दिन पंचक का साया रहेगा। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि पंचक गुरुवार के दिन से शुरू हुआ था, इसलिए ये हानिकारक नहीं है।

### शुभ मुहूर्त

सावन के पहले सोमवार वाले दिन श्रावण अष्टमी तिथि सुबह से लेकर शाम 06 बजकर 43 मिनट तक है। सुकर्मा योग दोपहर 12 बजकर 34 मिनट से है, जो पूरी रात रहेगा। वहीं पंचक सुबह 05 बजकर 30 मिनट से शाम 06 बजकर 59 मिनट तक है। इस दिन का शुभ मुहूर्त या अभिजित मुहूर्त 11 बजकर 59 मिनट से दोपहर 12 बजकर 54 मिनट तक है।

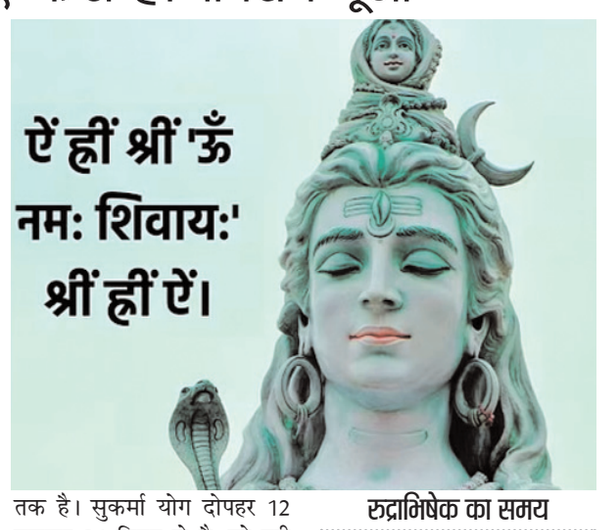


### पहले सावन सोमवार पर रुद्राभिषेक का समय

ज्योतिष के जानकारों के अनुसार पहले सावन सोमवार पर रुद्राभिषेक का संयोग बना है, क्योंकि इस दिन शिववास गौरी के साथ है और जब शिववास होता है, तभी रुद्राभिषेक किया जाता है। इस दिन रुद्राभिषेक का शुभ मुहूर्त प्रातःकाल से लेकर शाम 06 बजकर 43 मिनट तक है।

### सावन सोमवार पूजा विधि

- सावन सोमवार के दिन प्रातः जल्दी उठकर स्नान करें और इसके बाद भगवान शिव का जलाभिषेक करें।
- साथ ही देवी पार्वती और नंदी को भी गंगाजल या दूध चढ़ाएं।
- इसके बाद पंचामृत से रुद्राभिषेक करें और बेलपत्र अर्पित करें।
- शिवलिंग पर धतूरा, भांग, आलू, चंदन, चावल चढ़ाएं। इसके बाद शिव जी के साथ माता पार्वती और गणेश जी को तिलक लगाएं।
- इसके बाद पंचामृत से रुद्राभिषेक करें और बेलपत्र अर्पित करें।
- शिवलिंग पर धतूरा, भांग, आलू, चंदन, चावल चढ़ाएं।
- इसके बाद शिव जी के साथ माता पार्वती और गणेश जी को तिलक लगाएं।
- प्रसाद के रूप में भगवान शिव को घी और शक्कर का भोग लगाएं।
- अंत में धूप, दीप से भगवान भोलेनाथ की आरती करें और पूरे दिन फलाहार हर कर शिव जी का स्मरण करते रहें।

### सावन सोमवार पूजा सामग्री

फूल, पंच फल पंच मेवा, रत्न, सोना, चांदी, दक्षिणा, पूजा के बर्तन, दही, शुद्ध देशी घी, शहद, गंगाजल, पवित्र जल, पंच रस, इत्र, गंध रोली, मौली जनेऊ, पंच मिष्ठान्न, बिल्वपत्र, धतूरा, भांग, बेर, आम्र मंजरी, मंदार पुष्प, गाय का कच्चा दूध, कपूर, धूप, दीप, रूई, मलयागिरी, चंदन, शिव व मां पार्वती की श्रृंगार सामग्री।

### पंचक के अलावा बन रहे ये शुभ योग

सावन के पहले सोमवार के दिन सुकर्मा योग और रेवती नक्षत्र है। साथ ही इस दिन श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि भी है। अष्टमी तिथि को रुद्रावतार बाबा काल भैरव की पूजा की जाती है।

# इस साल 2 दिन मनाया जाएगा रक्षाबंधन

## जानिए भाई को राखी बांधने की सही तिथि और शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल सावन महीने की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। भारत में वैसे तो कई तरह के पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं, लेकिन रक्षाबंधन का अलग ही महत्व है। हर साल ये पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई में राखी बांधती हैं और उनकी लंबी आयु की कामना करती हैं। वहीं भाई प्रेमरूपी रक्षा धागे को बंधवा कर बहन की उम्र भर रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। रक्षाबंधन एक ऐसा त्योहार है, जिसे मनाते तो सिर्फ एक दिन हैं, लेकिन इससे बनने वाले रिश्ते जिंदगी भर निभाए जाते हैं। हालांकि इस साल भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन एक नहीं बल्कि 2 दिन माना जा रहा है। जानिए इसका क्या कारण है और बहनें किस दिन भाइयों की कलाई पर राखी बांधेंगी...

**सा**वन पूर्णिमा पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है और इस साल सावन माह की पूर्णिमा तिथि 30 अगस्त को है, लेकिन कहा जा रहा है कि इस साल 30 अगस्त को पूर्णिमा वाले दिन भद्रा का साया है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि यदि श्रावण पूर्णिमा तिथि पर भद्रा का साया हो तो भद्राकाल तक राखी नहीं बांधी जा सकती है। उसके समापन के बाद ही राखी बांधी जाती है, क्योंकि भद्रा काल में राखी बांधना अशुभ माना जाता है। ऐसे में इस साल रक्षाबंधन का पर्व 30 और 31 अगस्त दो दिन मनाया जाएगा।

### रक्षाबंधन कब है 30 और 31 अगस्त 2023

पंचांग के अनुसार सावन महीने की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 30 अगस्त को सुबह 10 बजकर 58 मिनट से हो रही है। इसका समापन 31 अगस्त को सुबह 07 बजकर 05 मिनट पर होगा। 30 अगस्त को पूर्णिमा तिथि की शुरुआत से ही यानी सुबह 10 बजकर 58 मिनट से भद्रा शुरू हो जा रही है और रात 09 बजकर 01 मिनट तक है।

ऐसे में 30 अगस्त को भद्रा के कारण राखी बांधने का मुहूर्त दिन में नहीं है। इस दिन रात में 9 बजे के बाद राखी बांधने का मुहूर्त है। इसके अलावा 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा सुबह 07 बजकर 05 मिनट तक है और इस समय में भद्रा नहीं है। ऐसे में 31 अगस्त को सुबह 7 बजे तक बहनें भाई को राखी बांध सकती हैं। इस प्रकार से इस साल रक्षाबंधन 2 दिन 30 और 31 अगस्त को मनाया जा सकता है।

### राखी बांधने का शुभ मुहूर्त 2023

- 30 अगस्त को राखी बांधने का मुहूर्त- रात 09 बजकर 01 से
- 31 अगस्त को राखी बांधने का मुहूर्त- सूर्योदय काल से सुबह 07 बजकर 05 मिनट तक

# राजा दक्ष भगवान शिव को क्यों नहीं करते थे पसंद

**इ**स समय सावन का पवित्र महीना चल रहा है। सावन का महीना भगवान शिव और माता पार्वती बहुत ही प्रिय होता है। ऐसी मान्यता है कि सावन के महीने ही मां पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था तब शिवजी ने प्रसन्न होकर मां पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। शास्त्रों में भगवान शिव और माता पार्वती से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं। जिसमें राजा दक्ष प्रजापति उनकी पुत्री सती और भगवान शिव के विवाह से जुड़ी हुई हैं। भगवान शिव के ससुर और माता सति के पिता दक्ष प्रजापति भगवान शिव को कभी पसंद नहीं करते थे। दरअसल राजा दक्ष प्रजापति के द्वारा शिवजी को न पसंद किए जाने के पीछ कई तरह की पौराणिक कथाएं हैं।

### कौन थे राजा दक्ष प्रजापति

राजा दक्ष प्रजापति एक प्रतापी राजा थे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ब्रह्मा जी ने मानस पुत्र के रूप में राजा दक्ष को जन्म दिया था। दक्ष प्रजापति का विवाह आस्कनी से हुआ था। ये भगवान विष्णु के परम भक्त थे। राजा दक्ष की 16 पुत्रियां थीं। जिसमें सबसे छोटी पुत्री का नाम सती था। सती भगवान शिव को अपने पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या करती रहती थीं। यह बात राजा दक्ष को बिलकुल भी पसंद नहीं था।

### राजा दक्ष भोलेभंडारी से क्यों चिढ़ते थे?

राजा दक्ष अपने राज्य में भगवान शिव का नाम जो भी लेता उससे वे क्रोधित हो उठते थे। पौराणिक कथाओं के अनुसार राजा दक्ष और भगवान शिव की बीच कटुता के तीन कारण बताए जाते हैं। एक कथा के अनुसार प्रारंभ में ब्रह्माजी के पांच सिर थे। ब्रह्माजी के तीन सिर हमेशा से वेदपाठ किया करते रहते लेकिन उनके 2 सिर वेद को भला-बुरा कहा करते थे। इस आदत से भगवान शिव को हमेशा गुस्सा आता रहता है था फिर एक दिन इससे नाराज होकर उन्होंने ब्रह्माजी के पांचवें सिर को काट दिया। दक्ष प्रजापित अपने पिता ब्रह्मा के सिर को काटने की वजह से शिवजी पर क्रोधित रहते थे।

### दक्ष सती के योग्य शिवजी को नहीं समझते थे

दूसरे मत के अनुसार, पार्वती जी ने सती के रूप में राजा दक्ष के यहां जन्म लिया था। सती के रूप में माता पार्वती भगवान शिव से ही विवाह करना चाहती थी, लेकिन सती के पिता राजा दक्ष को लगता था कि भगवान शिव सती के योग्य नहीं हैं। इसी कारण से जब सती के विवाह के उन्होंने अपने राज्य में स्वयंवर का आयोजन किया था तो उसमें शिव जी निमंत्रण नहीं दिया था। हालांकि सती ने मन ही मन में भगवान शिव को अपना पति मान लिया था और भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठोर तप करती रहतीं। सती ने भगवान शिव का नाम लेते हुए स्वयंवर में पृथ्वी पर वरमाला डाल दी। तब स्वयं शिव वहां पर प्रगट होकर सती के द्वारा डाली गई वरमाला को पहन लिया था। इसके बाद शिव जी ने सती को अपनी पत्नी स्वीकार कर वहां से चल गए। यह बात राजा दक्ष को पसंद नहीं आई कि उनकी इच्छा के विपरीत सती का विवाह शिव के साथ हुआ।

### दक्ष के सामने शिवजी का नहीं उठना

प्रचलित कथाओं के अनुसार एक बार यज्ञ का आयोजन किया गया था जहां पर सभी देवी-देवता पहुंचे थे। इस यज्ञ में जब राजा प्रजापति पहुंचे तो सभी देवी-देवताओं और अन्य राजाओं ने खड़े होकर राजा दक्ष का स्वागत किया। लेकिन शिवजी ब्रह्माजी के साथ बैठे रहें। तब इसको देखते हुए राजा दक्ष ने इसे अपना अपमान समझा और शिव के प्रति कई तरह के अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। यही कारण था कि शिवजी और उनके ससुर राजा दक्ष की आपस में नहीं बनती। एक बार राजा दक्ष ने अपने राजमहल में एक भव्य यज्ञ का आयोजन किया था, जिसमें उन्होंने सभी को निमंत्रण दिया था।,लेकिन शिवजी और मां सती को इस यज्ञ में नहीं बुलाया। फिर यज्ञ की बात को जानकर देवी सती बिना बुलाए अपने पिता राजा दक्ष के घर चली गईं। जहां पर दक्ष प्रजापति ने भगवान शिव और सती का अपमान भरी सभा में सबके सामने किया।

# फैशन में कैरियर की अपार संभावना

**भारत** शुरू से ही टेक्सटाइल और गारमेंट्स इंडस्ट्री का प्रमुख केंद्र रहा है। गारमेंट्स इंडस्ट्री और नए डिजाइनों ने यहाँ के फैशन बाजार को बहुत बढ़ा दिया है और समय के साथ फैशन जगत में करियर की संभावनाएँ बढ़ती जा रही हैं।

भारत में फैशन इंडस्ट्री के बढ़ते दायरे से युवा इस क्षेत्र में करियर बनाने के प्रति आकर्षित हुए हैं। फैशन इंडस्ट्री के तहत स्टडीज इन डिजाइनिंग, कॉन्सेप्ट मैनेजमेंट, डिजाइन प्रोडक्शन मैनेजमेंट, क्वालिटी कंट्रोल, प्लानिंग, फेब्रिक डिजाइन, प्रिंटिंग, फैशन मर्चेंटाइस, टेक्सटाइल साइंस, कलर मिक्सिंग जैसे क्षेत्रों में कैरियर की अपार संभावनाएँ हैं।

प्रारंभिक तौर पर फैशन इंडस्ट्री को समझने के लिए मार्केट रिसर्च, गार्मेंट्स डिजाइनिंग एंड मेन्युफेक्रिंग जैसे क्षेत्रों में काम किया जा सकता है।

फैशन डिजाइनिंग फैशन इंडस्ट्री का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। फैशन इंडस्ट्री से जुड़े हर व्यक्ति के दिल में कहीं न कहीं फैशन डिजाइनर बनने की तमन्ना होती है। बदलते बाजार के मुताबिक नई डिजाइन को बनाना और उसके स्वरूप को अपनी रचनात्मकता की बदौलत लगातार बेहतर करना एक फैशन डिजानर का मुख्य काम होता है। फैशन डिजाइनर को लगातार मार्केट ट्रेंड्स पर पैनी नजर रखनी होती है और समय के मुताबिक अपने डिजाइनों को ढालना पड़ता है और मौके के मुताबिक बाजार में नए डिजाइन लांच करने होते हैं।

फैशन डिजाइनिंग काम गारमेंट्स के अलावा कई क्षेत्रों से सीधे तौर पर जुड़ा होता है। इनमें फुटवेयर से लेकर ज्वैलरी तक शामिल होती है। फैशन डिजाइनर के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि इसमें टॉप टू बॉटम सभी लोगों से कॉर्डिनेशन करने की जरूरत होती है, लेकिन कहलाता यह वनमैन शो है।

योग्यता- फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा करने के बाद फैशन इंडस्ट्री में काम शुरू किया जा सकता है। इसके बाद आप अपने काम के दम पर जगह बनाते जाएँगे।

### कहाँ से करें फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा-

- डिजाइनिंग एंड इनोवेशन एकेडमी
- ए-94/10, सेक्टर-58, नोएडा (उत्तरप्रदेश)
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जिमोलॉजी
- 10980, ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005
- वी-केयर्स ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ साइंस
- 15, न्यू गिर रोड, टी नगर, चेन्नई-600017
- आस्था इंस्टीट्यूट ऑफ जिमोलॉजी,

भारतीय संस्कृति में यह कहावत है कि जोड़ियाँ ऊपर ही बनती हैं। हो सकता है यह बात सच भी हो, लेकिन इन दिनों जोड़ियों को सजाने और बिना किसी झंझट और बेहतर ढंग से शादी कराने का काम वेडिंग प्लानर बखूबी कर रहे हैं।

**शादी** समारोह जैसे प्रमुख आयोजन में शादी का हॉल बुक करने से लेकर बारात आने तक की तैयारी करना कोई आसान काम नहीं, यही कारण है कि इसके बहुत ही प्रोफेशनल वेडिंग प्लानर की जरूरत लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में शादी के तमाम कामों और रस्मों को पूरा करने के लिए वेडिंग प्लानर बेहतर मदद करते हैं। यही कारण है कि इवेंट मैनेजमेंट के अंतर्गत आने वाले वेडिंग प्लानर का स्कोप लगातार बढ़ता जा रहा है। इसलिए जो स्टूडेंट्स चैलेंजिंग कोर्स करना चाहते हैं, उनके लिए वेडिंग प्लानर का करियर एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। आज अच्छे वेडिंग प्लानर की डिमांड चारों ओर है। विवाह समारोह अब स्टेटस सिंबल बन गए हैं लिहाजा इनमें भव्यता और चमक-दमक बढ़ गई है। ये ज्यादा बेहतर ढंग से आयोजित होने लगे हैं। ऐसी स्थिति में विवाह समारोह में वेडिंग प्लानर की जरूरत व भूमिका समय के हिसाब से बहुत महत्वपूर्ण हो गई है।

## विवाह को नया रूप देते हैं

# वेडिंग प्लानर

### प्लानर बनाते हैं हर रस्म को यादगार

वर्तमान में लोगों के पास समय की भारी कमी है, लेकिन शादी जैसे आयोजनों में महत्वाकाक्षाएँ कहीं ज्यादा होती हैं। आज हर कोई बिना तनाव के बेहतरीन व्यवस्था करना चाहता है और इसके लिए व्यावसायिक लोगों की सेवाएँ लेना पसंद करता है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि वेडिंग प्लानर न सिर्फ विवाह समारोह के आयोजन की पूरी योजना बनाता है बल्कि शादी की हर रस्म अदायगी को भी यादगार बनाता है जिसमें सगाई समारोह, महिला संगीत, बारात, स्वागत, वरमाला, प्रीतिभोज, बिदाई आदि रीति-रिवाजों के साथ अनेक छोटे-बड़े कार्यक्रमों की व्यवस्थाएँ वेडिंग प्लानर को करना होती है। शादी-समारोह को हर तरह के बजट और मूड के मुताबिक मैनेज करने की पूरी जिम्मेदारी वेडिंग प्लानर पर ही होती है।

### वेडिंग प्लानर बनने के कुछ टिप्स

इंटरनेशनल व पारंपरिक फैशन ट्रेंड की जानकारी।
हर धर्म के रीति-रिवाजों से अवगत होना जरूरी।
किसी भी परिस्थिति में सही बातचीत का हुनर हो।
इनोवेटिव और हर समय कुछ नया करने की इच्छा हो।
समाज के हर वर्ग के साथ अच्छे संबंध हों।
हर काम को समय पर पूरा करने का प्रबंधन।
देश के साथ प्रदेश का भी पूरा नॉलेज हो।
प्रमुख संस्थान
इवेंट मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, मुंबई
इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट, मुंबई
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट, दिल्ली
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे

### सफल वेडिंग प्लानर बनने के गुर

वेडिंग प्लानर राखी जैन कहती हैं कि अच्छे वेडिंग प्लानर को सभी समुदायों की वेडिंग प्लानिंग के बारे में जानकारी होना चाहिए। शादी में रस्मों में किस तरह की साम्रगी चाहिए, इसकी पूरी लिस्ट प्लानर के टिप्स पर होना चाहिए। कार्यक्रम की तैयारी की बीच-बीच में जानकारी अपनी टीम से लेना चाहिए। फोटोग्राफ, वीडियो शूटिंग, कोरियोग्राफी का सही प्रबंधन करना आना चाहिए। खास शाही शादियों में किए गए नए-नए प्रयोगों को देखना चाहिए। हर बार नया प्रेजेंटेशन ही वेडिंग प्लानर को इस क्षेत्र में सफल बनाने के लिए महत्वपूर्ण होता है।

### वेडिंग प्लानर की ट्रेनिंग भी

12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद इवेंट मैनेजमेंट के डिप्लोमा कोर्स में किया जा सकता है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन के लिए बैचलर डिग्री आवश्यक है। देश के प्रमुख संस्थानों में इवेंट मैनेजमेंट संबंधित प्रमुख कोर्स जैसे डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट व इवेंट मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं। इवेंट मैनेजमेंट से जुड़े लोग प्लानिंग से लेकर अंत तक सभी चीजों को मैनेज करते हैं। इसलिए इस कोर्स के अंतर्गत इवेंट प्लानिंग, बजट, रिस्क कवरेज, पब्लिक रिलेशन, कम्युनिकेशन स्किल आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। सेकंड सेमेस्टर में प्रैक्टिकल नॉलेज पर अधिक फोकस करते हैं। इसलिए इंस्टीट्यूट स्टूडेंट्स को इवेंट मैनेजमेंट में एक्सपीरियंस और एक्सपोजर देने के लिए कंपनियों में ट्रेनिंग लिए भेजते हैं।

### चैलेंजिंग और नया करियर है वेडिंग प्लानिंग

भारत में इस इंडस्ट्री को शुरुआती अवस्था में ही माना जा सकता है, लेकिन इसका आकार इन दिनों तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में विदेश में रहने वाले एनआरआई और विदेशी लोगों को अब भारतीय संस्कृति और रीति-रिवाज, शादियाँ खूब लुभा रहे हैं। इसलिए इस तरह के समारोह की तैयारी करने के लिए वेडिंग प्लानर्स की जरूरत कुछ ज्यादा ही होने लगी है। कई बड़ी इवेंट कंपनियों में इस तरह के प्रोफेशनल की माँग भी बढ़ने लगी है।

# खेती को कैरियर बनाने में संकोच मत कीजिए

**भा**रत शुरू से ही कृषि प्रधान देश रहा है। यहां की आबादी के 70 प्रतिशत लोग कृषि से सीधे जुड़े हैं। कृषि पर इतनी बड़ी आबादी की निर्भरता कृषि विज्ञान में रोजगार की असीम संभावनाओं का द्वार खोलती है। कुछ नया कर दिखाने वाले, नए विचार देने वाले, रचनात्मक कार्यों में रूचि दिखाने वाले युवक-युवतियों के लिए कृषि उद्योग में अच्छे वेतन और सरकारी, निजी व बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम के अच्छे अवसर उपलब्ध हो सकते हैं।

आमतौर पर लोग कृषि विज्ञान का मतलब खेती बाड़ी ही लगाते हैं। लेकिन कृषि विज्ञान पाठ्यक्रम व्यापक है जिसके अन्तर्गत फसलों की निगरानी, आनुवंशिकी और पादप प्रजनन फसलों की देख-रेख, फसलों पर लगने वाले कीड़ों का नियंत्रण, पौधों में लगने वाली बीमारियों का अध्ययन, मिट्टी की गुणवत्ता से संबंधित विषयों की जानकारी और उसके भीतर के लाभदायक जीवाणुओं के बारे में अध्ययन और उसे उर्वर बनाए जाने हेतु जानकारी हासिल की जाती है।

कृषि विज्ञान में कई पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं जिन्हें आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। इनमें कुछ प्रमुख पाठ्यक्रम हैं- बीएसी एग्रीकल्चर, बैचलर डिग्री इन हॉर्टीकल्चर, बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस, बैचलर ऑफ फारेस्ट्री साइंस, बैचलर ऑफ होम साइंस, बैचलर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ वेटनरी एंड एनिमल हसबेन्डरी और मास्टर इन इरीगेशन एंड वाटर मैनजेमेंट। कृषि विज्ञान के विभिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए उम्मीदवार का बारहवीं कक्षा में विज्ञान विषय में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इन पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा में गुजरना पड़ता है। ज्यादातर विश्वविद्यालयों में मई-जून महीने में अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। पाठ्यक्रम की अवधि तीन से चार साल की होती है। कृषि में स्नातकोत्तर डिग्री के बाद सरकारी क्षेत्र में सहायक प्राध्यापक और वैज्ञानिक के रूप में रोजगार उपलब्ध हैं.

# डिस्को जॉकी के रूप में कैरियर

**डिस्को** और पब युवाओं का शगल बनता जा रहा है। इसकी मुख्य वजह हैक कॉरपेट डिस्क का फास्ट और पैर थिरका देने वाला संगीत और प्रकाश जो सभी को अपनी ओर बहुत आकर्षित करते हैं लेकिन इस संगीत से मजा लेने के अलावा आप इससे अपना भविष्य भी सँवार सकते हैं।

वैश्विक संगीत के इस युग में युवाओं में जिस तरह से रॉक और फास्ट संगीत की दीवानगी बढ़ रही है, उसे देखते हुए डिस्क जॉकी (डीजे) बनने की चाह भी युवाओं में साफ दिखाई देने लगी है। युवाओं के लिए डिस्क जॉकी वास्तव में एक सुनहरा भविष्य बन रहा है। मेट्रो शहरों में इसके प्रशिक्षण के लिए कई संस्थान भी खुल गए हैं जो डिस्क जॉकी बनने के लिए कई तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे हैं।

डिस्क जॉकी, जिसे आम भाषा में डीजे कहा जाता है,नाम का रोजगार एमटीवी युग आरंभ होने के बाद ही सामने आया है। शुरुआती दौर में डीजे शौकीया तौर पर ही कार्य करता रहा है लेकिन आज यह शौक करियर का रूप ले चुका है। अकसरलोगों का मानना होता हैकि डिस्क जॉकी का काम केवल दो गानों को मिक्स करना होता हैलेकिन हकीकत यहहैकि डीजे का दायित्व दो गीतों के मिश्रण के अलावा और भी बहुत कुछ है। डीजे को जनसंपर्क जैसे कार्य भी करने होते हैं। उसे नेताओं के मिजाज को समझना होता हैतथा उसी के अनुकूल संगीत तैयारकरना होता है।

डिस्क जॉकी की लोकप्रियता उसकी सृजनात्मकता परनिर्भरकरती है। वहमूल स्वरों के साथ कार्य करते हुए नेता की मानसिक दशा का भी पूरा ध्यान रखता हैतथा इसी के अनुसारआरोह-अवरोहस्वरों की रचना करता है। उसे लोगों की संगत में बैठना और संगीत सुनना होता है। डीजे कार्य में बुनियादी रूप से तकनीकी वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल किया जाता है ताकि लुभावना और कर्णप्रिय संगीत तैयारकिया जा सके और अलग-अलग प्रकार के संगीत को इस प्रकारसे मिलाया जाए कि नृत्य करने वालों के पैरन थमें।

डीजे में काम करने का ऐसा जुनून होना चाहिए कि वह रात भरजागकरलगातारकाम करसके तथा इस हद तक संगीतप्रेमी हो कि सुनने और थिरकने वाले हरदम तरोताजा महसूस करें। डीजे बनने के लिए आकर्षक व्यक्तित्व के साथ

**डिस्क जॉकी की लोकप्रियता उसकी सृजनात्मकता परनिर्भरकरती है। वहमूल स्वरों के साथ कार्य करते हुए नेता की मानसिक दशा का भी पूरा ध्यान रखता हैतथा इसी के अनुसारआरोह-अवरोहस्वरों की रचना करता है। उसे लोगों की संगत में बैठना और संगीत सुनना होता है।**

आपके पास लोकप्रिय औरकर्णप्रिय संगीत की अच्छी जानकारी होनी चाहिए तथा संगीत के प्रति आपकी लगन भी होनी चाहिए। डीजे के तहत विविध प्रकारके कार्य शामिल हैं, जैसे म्यूजिक अलबम तैयारकरना, रीमिक्स तैयारकरना आदि।

डिस्क जॉकी का कार्य करते समय विभिन्न उपकरणों को संभालना पड़ता हैइसमें सीडी प्लेयर, रिकॉर्ड प्लेयर, मिक्सर, सैपल माइक तथा हेडफोन शामिल हैं। डीजे फ्लोरपरप्रकाश व्यवस्था के संबंध में लाइटजॉकी का भी कार्य करता है। जब तक व्यक्ति अच्छे संगीत औरखराब संगीत में अंतरनहीं करपाता तब तक वहअच्छी तरहसे संगीत का मिश्रण नहीं करपाएगा। मूल रूप से संगीत में स्वरसंयोजन रचना आसान नहीं है लेकिन सुरों को रीमिक्स करना तथा नेताओं की प्राथमिकता का ध्यान रखना डीजे का मुख्य कार्यक्षेत्र है।

डिस्क जॉकी बनने के लिए किसी भी संस्थान से कोर्स करने के बाद आप किसी भी होटल, पब, लब या डिस्को में जॉब करसकते हैं। वैसे तो डिस्क जॉकी कॉन्ट्रेक्टपरकाम करते हैं लेकिन कुछबड़ेहोटलों में स्थायी रूप से भी डिस्क जॉकी नियुक्तकिए जाते हैं। आप अपना बैंडया म्यूजिक ग्रुप भी शुरूकरसकते हैं। होटल, लब, पब या पार्टी में आप अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।

प्राय: एक पार्टी, पब या होटल में परफार्म करने पर डिस्क जॉकी डेढ़ से तीन हजाररुपए प्रति पांच घंटेके हिसाब से कमाते हैं तथा नाम हो जाने पर आमदनी लाखों में होती है। डिस्क जॉकी कोर्स के लिए प्राइवेट इंस्टिट्यूट द्वारा एक से तीन महीने तक के कोर्स चलाए जाते हैं। वहीं कुछ संस्थानों द्वारा साउंड इंजीनियरिंग में दो और तीन साल के डिप्लोमा और स्नातक डिग्री कोर्स भी चलाए जाते हैं।

डिस्क जॉकी का कोर्स कराने वाले प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं :
फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे।
ग्रोवर्स डीजे ट्रेनिंग एकेडमी, दिल्ली।
डीजे जैजी बी, नई दिल्ली।
स्कूल ऑफ ऑडियो इंजीनियरिंग, चेन्नई।
सत्यजित रे फिल्म एंड टेलीविजन एकेडमी, पंचशायर, कोलकाता।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.

## संक्षिप्त समाचार

### मुख्यमंत्री ने लोकमान्य तिलक और चंद्रशेखर की जयंती पर किया नमन

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और स्वर्गीय चंद्रशेखर आजाद की 23 जुलाई को जयंती पर उन्हें नमन किया है। स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष को याद करते हुए श्री बघेल ने कहा कि तिलक जी और आजाद जी ने अपना पूरा जीवन देशप्रेम के लिए समर्पित कर दिया और अंतिम क्षण तक स्वाधीनता के लिए संघर्ष करते रहे। उनकी राष्ट्रभक्ति आज भी लोगों को प्रेरणा देती है। बघेल ने कहा कि लोकमान्य तिलक जी ने महाराष्ट्र में गणेश उत्सव की शुरूआत कर सामाजिक समरसता के नए युग का सूत्रपात किया। स्वाधीनता के लिए संघर्ष के दौरान उन्होंने स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और इसे मैं लेकर रहूंगा जैसे नारों से लाखों भारतीयों के मन में आजादी के लिए अलख जगा दी। श्री चंद्रशेखर आजाद के बलिदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद की राष्ट्रभक्ति आज भी हजारों युवाओं में देशप्रेम और नई ऊर्जा भर देती है। श्री बघेल ने कहा कि स्वाधीनता के लिए महापुरूषों का अमर बलिदान हमेशा याद किया जाएगा।

### विधायक धर्मजीत सिंह के साथ पत्रकार राहुल जैन व देवव्रत भगत हुए सम्मानित

**रायपुर।** मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने निर्वाचित सरकार के अंतिम विधानसभा सत्र में शनिवार को उत्कृष्ट कार्य व जागरूक विधायक का परिचय देने वालों सम्मानित किया। समारोह में वर्ष 2022 के लिए उत्कृष्ट विधायक के रूप में चयनित ङ्क श्रीमती संगीत सिन्हा और श्रीमती रंजना डिपेन्द्र साहू, जागरूक विधायक के रूप में चयनित श्री धर्मजीत सिंह तथा उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार के रूप में चयनित ङ्क पत्रिका से श्री राहुल जैन और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से श्री देवव्रत भगत एवं कैमरामेन श्री रोहित श्रीवास्तव को शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, उप मुख्यमंत्री श्री टीएस सिंहदेव, नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, संसदीय कार्य मंत्री श्री रविन्द्र चौबे, विधानसभा उपाध्यक्ष श्री सन्तराम नेताम, गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू सहित मंत्री गण, विधायक गण समारोह में उपस्थित हैं।

### पोटेनार के जंगल में हुई मुठभेड़, भाग खड़े हुए नक्सली

**बीजापुर।** नक्सल प्रभावित जांगला थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम पोटेनर और केशामुंडी इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मुखबिर से मिलने पर जवानों को सर्चिंग के लिए रवाना किया गया था। जवान जब पोटेनार के जंगल पहुंचे तो यहां भैरमगढ़ इलाके के नक्सली पहले ही सी घात लगाकर बैठे हुए थे। शनिवार की सुबह लगभग 07 बजे जवानों को आता देख नक्सलियों ने फायर खोल दिया। मुठभेड़ में लगभग 15 से 20 मिनट तक दोनों तरफ से रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। मुठभेड़ में जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली मौके से भाग खड़े हुए। बीजापुर एसपी अंजनेय वाष्णेय इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ के बाद सर्चिंग जारी है, सभी जवान सुरक्षित हैं। जब लौटेंगे उसके बाद ही पूरी जानकारी मिल पाएगी। उल्लेखनिय है कि बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में नक्सलियों के विरूद्ध ऑपरेशन मानसून चलाया है। इस कार्यवही से नक्सलियों को बारिश में सुरक्षित ठिकाना नहीं मिल रहा वहीं उफनते नदी-नालों को पार कर जवान नक्सलियों के सुरक्षित ठिकानों तक पहुंच रहें हैं। जिससे नक्सलियों को भागने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

### खण्ड शिक्षा अधिकारी के स्कूल निरीक्षण में कई शिक्षक अनुपस्थित

**बीजापुर।** जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल के मार्गदर्शन में विकासखंड शिक्षा अधिकारी भोपालपटनम कंडीक नारायण के द्वारा निरंतर विद्यालयों का निरीक्षण किया जा रहा है। शनिवार को भी दुरस्थ ग्रामों के स्कूलों का निरीक्षण किया गया है, जिसमे कई शिक्षक शाला से अनुपस्थित या शाला मे विलम्ब से पहुंचने की स्थिति पाया गया है। जिसमें विकास खंड शिक्षा अधिकारी एवं सहायक खंड शिक्षा अधिकारी भोपालपटनम के द्वारा दुरस्थ ग्रामों के विद्यालायों के निरीक्षण में माध्यमिक शाला रामपुरम से रविन्द्र आनकारी प्र. पा., मनोज कुमार कोड़े शिक्षक एलबी, किस्टम राजू शिक्षक एलबी, प्राथमिक शाला रामपुरम से महेश कुमार राणा प्र. पा., सुशीला कोरम सहायक शिक्षक एलबी., प्राथमिक शाला नया पारा मद्देड से योगेश कुमार मज्जी प्रपा.,बलवंत तड़कल सहा. शिक्षक एलबी,प्राथमिक शाला संगमपल्ली से बी. नागलक्ष्मी प्र. पा., प्राथमिक शाला गिलगिच्चा से देवेंदरनाथ गुरला प्रपा. अनुपस्थित पाये गए।

### छत्तीसगढ़ एमेच्योर खो खो एसोसिएशन का चुनाव आज, मुरारका बने पर्यवेक्षक

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ एमेच्योर खो खो एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा की बैठक के बाद कार्यकारी समिति का चुनाव रविवार को सुबह 11 बजे बेमेतरा जिले के एलोन्स परिसर बेरला रोड में संपन्न होगा। छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव व विधायक देवेन्द्र यादव ने छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष श्री कैलाश मुरारका को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के पर्यवेक्षक के रूप में नामित किया गया है। उनकी निगरानी में यह चुनाव संपन्न होगा।

# विपक्ष द्वारा प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से अस्वीकृत

■ **मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा - अविश्वास प्रस्ताव के मुद्दों में कोई तथ्य नहीं**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा में राज्य सरकार के खिलाफ विपक्ष की ओर से प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से अस्वीकृत कर दिया गया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अविश्वास प्रस्ताव के विरोध में चर्चा के दौरान जवाब में कहा कि जब हमारी सरकार बनी तो हमने %गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' की बात की और इसे साकार करने की दिशा में हमारी सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में कहा कि विपक्ष द्वारा प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव के मुद्दों में कोई तथ्य नहीं है। प्रजातंत्र में विपक्ष का अधिकार होता है कि वे अविश्वास करे। सत्ता पक्ष के पास भी मौका होता है कि अपनी बात रखें। इन्होंने 109 आरोप लगाए पर कोई तथ्य नहीं दिए। पहले जब अविश्वास प्रस्ताव आता था तब नक्सली समस्या पर पहले बात होती थी। इस बार सदस्यों ने नही की। ये हमारी उपलब्धि है।

आप इंद्रावती के उस पार गए क्या ये संभव था। ये इसलिए हुआ कि इस समस्या पर काम हुआ। अभी भेंट मुलाकात में बस्तर में रात रुका, सभी से मिला। जो सबसे बड़ा कमेंट मिला जिसने मेरे दिल को छू लिया। जैन समाज के लोगों से मैंने पूछा कि इन चार सालों में क्या फर्क आया। उन्होंने कहा कि रिश्ता करने में बस्तर में अब दिक्कत नहीं होती है। आसानी से लोग रिश्ता दे देते हैं क्योंकि बस्तर बदल गया है। पहले बस्तर में सड़कें काट दी जाती थी आज सड़के काटी नहीं जाती, ये परिवर्तन बस्तर में देखने को मिला है। पिछली सरकार ने जो स्कूल बंद करा दिए थे, उसे हमने आरम्भ कर दिया। राशन पहुंचाना भी पहले टेढ़ी खीर थी। अब कितना आसान हो गया है। ये बदलाव आया है। जब हमारी सरकार बनी तो हमने गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की बात की। उन महापुरुषों को, कलाकारों और राजनीतिक दलों के लोगों को नमन करता हूँ जिन्होंने छत्तीसगढ़ निर्माण में अपना योगदान दिया। परिवर्तन केवल सत्ता के लिए नहीं होना चाहिए। यह लोगों के जीवन मे होना चाहिए इसलिए परिवर्तन की मशाल लेकर हमारे नेता परिवर्तन यात्रा में निकले थे। आज हमने किसानों की जिंदगी बदली है। बस्तर, सरगुजा में परिवर्तन हुआ है। महिलाओं के जीवन मे बदलाव आया है। जब बच्चे फर्राटेदार इंग्लिश में बोलते हैं तब संतोष होता है। आरडी तिवारी स्कूल में पहले 56 बच्चे पढ़ रहे थे। अब हजार बच्चे पढ़ रहे हैं। अब ऐसे स्कूल नहीं चल रहे जो गुणवत्ता नही देते, लोग स्वामी आत्मानंद स्कूल में अपने बच्चों को प्रवेश दिला रहे हैं। बस्तर के बच्चों को शिक्षित कर दीजिए, सुपोषित कर दीजिए, वे अपनी जिंदगी स्वयं संवार लेंगे। 20 हजार करोड़ रुपये की इनपुट सब्सिडी हमने किसानों को दी। हमारे प्रदेश का किसान आज बहुत खुशहाल है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि अब मैं डीएमएफ के बारे में जानकारी देता हूं। मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने मीटिंग ली। सभी खदान आदिवासी अंचल में थी। मैंने पूछा कि आदिवासियों के जीवन मे क्या परिवर्तन आया। उन्होंने कहा कि नहीं आया। हमने कहा कि यह होना चाहिए। हमने कहा कि इससे स्कूल बनाओ, सड़क बनाओ। डीएमएफ का तभी सही उपयोग होगा। मलेरिया में हमने बड़ा काम किया और यह काफी घट गया। उल्टी दस्त का एक भी प्रश्न विधानसभा में बस्तर से नहीं लगा। बस्तर में आज डॉक्टर है, नर्स हैं। ब्लड बैंक बनवाये गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का संकल्प लेकर जब हम निकले, कितनी बाधा आई। कोरोना आया। सबकी मदद से हमने अपना संकल्प पूरा किया। सबने इसके लिए सहयोग किया। पांच साल में आये परिवर्तन के बारे में उन्होंने बताया। आज जिले 33 हो गए। तहसील भी बढ़ गए। प्रति व्यक्ति आय बढ़ गई। धान खरीदी 56 लाख से 110 लाख मीट्रिक टन हो गई। रकबा भी बढ़ गया। धान खरीदी केंद्र 2400 हो गए। राजीव गांधी न्याय योजना, भूमिहीन ग्रामीण श्रमिक योजना, गोधन न्याय योजना हमने आरम्भ की। 10 हजार से अधिक गौठान बनाये। उर्जिकृत पंप 4 लाख हो गए। एकल बत्ती कनेक्शन 15 लाख से 17 लाख हो गए। आपके समय तो 105 करोड रुपए का ऋण माफ हुआ था, हमने तो 9500 सौ करोड़ का ऋण माफ किया है। केसीसी आपके समय में 14 लाख दिए गए। वह अब बढ़कर 21 लाख हो गए हैं। 245 करोड़ का गोबर खरीदा और 291 करोड़ की सामग्री बेचा, यह घाटे का सौदा नहीं है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि यह कबीर की भूमि है। बाबा गुरु घासीदास की भूमि है। शांति का टापू है। अपनी संस्कृति के लिए हम काम कर रहे हैं।

# जोगी कांग्रेस को झटका, विधायक प्रमोद शर्मा का जेसीसीजे से इस्तीफा

■ **भाजपा ज्वाइन करने की चर्चा !**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 से पहले जेसीसीजे यानी जोगी कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। विधायक प्रमोद शर्मा ने जेसीसीजे से अपना इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों की मानें तो जोगी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के साथ प्रमोद शर्मा की नहीं बन पा रही थी। दोनों के बीच अनबन की खबरें आ रही थी। 10 महीने पहले दोनों के बीच मनमुटाव की खबरें खुलकर सामने आई थी। जानकार इसी वजह को प्रमोद शर्मा के जोगी कांग्रेस छोड़ने की वजह मान रहे हैं।

### धर्मजीत सिंह का प्रमोद शर्मा ने दिया था साथ

इससे पहले धर्मजीत सिंह को जोगी कांग्रेस से निकाला गया था। तब जेसीसीजे विधायक प्रमोद शर्मा ने धर्मजीत सिंह का साथ दिया था। उन्होंने सरे आम मीडिया में बयान दिया था कि

अगर पार्टी मुझे निकालना चाहती है तो निकाल दे। लेकिन मैं पूरे तरीके से धर्मजीत सिंह के साथ हूं। इस घटना के बाद से प्रमोद शर्मा और अमित जोगी के बीच रिश्तों में खटास की खबरें आ रही थी।

### प्रमोद शर्मा ने अमित जोगी पर लगाए थे गंभीर आरोप

धर्मजीत सिंह को पार्टी से निकालने जाने पर प्रमोद शर्मा ने अमित जोगी पर निशाना भी साधा था। उन्होंने कहा था कि अमित जोगी बाथरूम में बैठकर इस तरह का डिसीजन लेते हैं। जो नाजायज और गलत है। इसके बाद से अमित जोगी और प्रमोद शर्मा के बीच में तनतनी बनी हुई थी। जो शुक्रवार को एक बार फिर मीडिया में सामने आई। शनिवार 22 जुलाई को प्रमोद शर्मा ने अपना इस्तीफा दे दिया और जोगी कांग्रेस छोड़ दी।

प्रमोद शर्मा बलौदाबाजार विधानसभा सीट से जोगी कांग्रेस के विधायक हैं। उन्होंने साल 2018 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में जोगी कांग्रेस के टिकट पर बलौदाबाजार से चुनाव लड़ा था और जीत दर्ज की थी। प्रमोद शर्मा पूर्व सीएम अजीत जोगी के काफरी करीबी माने जाते थे। जोगी कांग्रेस पार्टी के गठन के समय से प्रमोद शर्मा जुड़े हुए थे। बलौदाबाजार विधायक प्रमोद शर्मा के बीजेपी ज्वाइन करने की भी चर्चा मीडिया में आ रही है। लेकिन अभी तक प्रमोद शर्मा ने कोई पत्ते नहीं खोले हैं। अब देखना होगा कि वह क्या अगला कदम उठाते हैं।

# आप की सरकार बनी तो 6 महीने में होगा संविदा कर्मचारियों का नियमितिकरण

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर वोटर्स को लुभाने हर पार्टियां अपने स्तर पर काम कर ही हैं। अलग-अलग तरह से लोकलुभावन वादे और घोषणा भी कर रही हैं। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं दिल्ली के विधायक संजीव झा ने नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों का समर्थन किया है। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि यदि छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो 6 महीने में सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बीजेपी और कांग्रेस सरकार ने आपके साथ धोखेबाजी की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़िया का ढोंग रच रहे हैं। वास्तविक छत्तीसगढ़िया होते तो छत्तीसगढ़ के संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण जरूर करते। कुछ संविदा कर्मचारी अनशन पर हैं जो पानी भी नहीं पी रहे हैं। मुझे उनके स्वास्थ्य की चिंता है। आप सब लोगों का छत्तीसगढ़ के निर्माण में, छत्तीसगढ़ को बनाने में बड़ी भूमिका रही है और आप सभी लोग वर्षों से लगातार छत्तीसगढ़ की सेवा करते रहे। आप लोगों ने 15 साल बीजेपी और 5 साल कांग्रेस को मौका दिया। कांग्रेस और मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण करेंगे, लेकिन साढ़े 4 साल बीतने के बावजूद सूबे के मुख्यमंत्री पर आपके अनशन का, धरना का कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। जब सत्ता में लोग बैठ जाते हैं तो अहंकार हो जाता है, उसको लगने लगता है कि हम लोगों से चुने हुए नहीं, बल्कि राजा शासक बन गए हैं।

संजीव झा ने सरकार पर हमला बोलते हुए कह कि साढ़े 4 साल बीत गए। अब आपके पास 4 महीने हैं। आपने जो इन संविदा कर्मचारियों को धोखा दिया है, एक-एक धोखे का बदला भूपेश बघेल से संविदा कर्मचारी लेगा। उन्होंने कहा बात केवल नियत की है मैं नहीं मानता हूं कि बहुत बड़ा काम है। दिल्ली और पंजाब में भी आम आदमी पार्टी की सरकार है। हमने पंजाब में वादा किया था कि सरकार में आने पर संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण करेंगे। 1 साल के अंदर हमने पंजाब में 32000 से अधिक संविदा कर्मचारियों को नियमित किया है। उन्होंने आगे कहा साफ नियत हो तो मुश्किल नहीं है। जब पंजाब में 1 साल में कर सकते हैं तो छत्तीसगढ़ में साढ़े 4 साल में भूपेश बघेल क्यों नहीं कर सकते।

# आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिए टाटा टेक्नोलॉजीस के बीच होगा एमओयू

**रायपुर।**मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में आज विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के 36 शासकीय आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिए लगभग 1188.36 करोड़ की परियोजना पर तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग और टाटा टेक्नोलॉजीस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

एमओयू के तहत टाटा टेक्नोलॉजीस द्वारा राज्य के 36 आईटीआई में युवाओं को 6 नए ट्रेडों में तथा 23 शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। टाटा टेक्नोलॉजीस द्वारा राज्य के चयनित आईटीआई में अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना तथा प्रशिक्षकों की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा राज्य के युवाओं को बड़ी कम्पनियों में प्लेसमेंट दिलाने में टाटा और उनकी सहयोगी कंपनी सहयोग करेंगी। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के संचालक श्री अवनीश शरण तथा टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के प्रेसिडेंट श्री पवन भगेरिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री उमेश पटेल, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन, राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्री अजय सिंह, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला, सचिव श्री टोपेश्वर वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि आईटीआई के उन्नयन और आधुनिकीकरण से राज्य के युवाओं को अपने कौशल को विकसित करने का अच्छा अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक नवाचार किए गए हैं, जिससे किसानों, मजदूरों, वनांचलों में रहने वाले आदिवासियों की आय में वृद्धि हुई है। पिछले साढ़े चार वर्षों में लोगों की जेब में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग एक लाख 60 हजार करोड़ रूपए की राशि डाली गई है, इससे व्यापार और उद्योगों को गति मिली है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश है कि गांव उत्पादन का केंद्र और शहर व्यापार के केंद्र के रूप में स्थापित हों। छत्तीसगढ़ में खेती-किसानी लाभप्रद बनने से शहरों से लोग गांव की ओर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने टाटा टेक्नोलॉजीस के अधिकारियों से कहा कि गांव में छोटे-मोटे उद्योग स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में 300 रूरल इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित किए गए हैं, जहां व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए जमीन, बिजली, पानी, शेड, प्रशिक्षण, वाई-फाई की सुविधा एवं बैंकिंग लिंकेज उपलब्ध कराया जा रहा है।

# कॉलोनाइजर डॉ. अशोक खेमका के खिलाफ एफआईआर

■ **राजधानी विहार नामक कॉलोनी में किया गया फर्जीवाडा**

**रायपुर।** नगर निवेश से पास लेआउट के विरुद्ध निर्माण तथा आम जनता को छलपूर्वक कूटरचित लेआउट दिखाकर कॉलोनी विकास की अनुमति हासिल कर शहरी गरीब आवास की भूमि को हड़पने के मामले में विधानसभा थाना पुलिस ने कॉलोनाइजर मेसर्स सूर्या लैंड डेवलपर्स डॉ. अशोक खेमका के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। मामला सड्डु में विकसित की गई राजधानी विहार नामक कॉलोनी का है।

पुलिस ने बताया कि एफआईआर नगर निगम के जोन क्रमांक 9 के प्रभारी सहायक अभियंता अंशुल शर्मा ने दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार कॉलोनाइजर मेसर्स सूर्या लैंड डेवलपर्स द्वारा ग्राम सड्डु में विकसित की गई राजधानी विहार नामक कॉलोनी में तथ्यों को छिपाकर कूटरचित ढंग से अनुमति प्राप्त कर शासन की योजना के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न की जा रही है। रिपोर्ट में उल्लेख है कि कॉलोनाइजर द्वारा रजिस्ट्री के लिए उपयोग में लाए जा रहे संयुक्त नक्शे को नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है। राजधानी विहार फेस-2 की जमीन का सीमांकन नहीं कराया गया है, किन्तु फेस-2 की डेवलेपमेंट परमिट में सीमांकन की शर्त सम्मिलित है। कॉलोनाइजर द्वारा कालोनीवासियों को जो नक्शा दिखाकर प्लाट विक्रय किए गए हैं उसमें दिखाए गए ओपन एरिया एवं आधे रोड के हिस्से को ईडब्ल्यूएस में शामिल किया गया है। ईडब्ल्यूएस के लिए आरक्षित भूमि में खसरा क्रमांक 548 को बिल्डर द्वारा मानचित्र में सम्मिलित किया गया है। उपलब्ध अभिलेख के आधार पर उक्त खसरा शासकीय है तथा पानी के नीचे की जमीन है। कॉलोनाइजर के उपरोक्त कृत्य से शहरी गरीब आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हुए हैं तथा केन्द्र व राज्य शासन से मिली राशि का उपयोग पूर्ण रूप से नहीं किया जा सका है।

रिपोर्ट में उल्लेख है कि राजधानी विहार नामक कॉलोनी में तथ्यों को छिपाकर कूटरचित ढंग से अनुमति प्राप्त कर शासन की योजना के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न की जा रही है। कॉलोनाइजर के ऐसा करने के कारण छत्तीसगढ़ शासन के खिलाफ विभिन्न याचिकाएं उच्च न्यायालय में दायर हुई है तथा अवमानना की स्थिति भी उत्पन्न हुई है।

# संविदा कर्मचारियों की एक ही मांग, नौकरी पक्की करो, वर्ना नहीं देंगे वोट

■ **छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ का धरना**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में 18 दिनों से छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले प्रदेश भर के संविदा कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। अपनी एक सूत्रीय मांग यानि नियमितीकरण को लेकर वे नया रायपुर के तूता धरना स्थल पर आंदोलन कर रहे हैं। शुक्रवार को संविदा कर्मचारियों ने रैली निकाली। कर्मचारियों की दिल की बात जानने के लिए मीडिया धरनास्थल पहुंचा।संविदा कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कौशलेष तिवारी से बताया, सरकार की संवेदनहीनता के कारण सभी में आक्रोश है। 3 दिनों से आमरण अनशन कर रहे हमारे दो साथियों की तबीयत खराब हो गई। लेकिन शासन प्रशासन का कोई अधिकारी उनका हालचाल जानने नहीं पहुंचा। सरकार अपनी जिद पर अड़ी हुई है। हम सरकार से निवेदन करते हैं कि नियमितीकरण का जो वादा सरकार ने किया था उसे जल्द पूरा करें। सरकार ने अब तक इन कर्मचारियों की बात सुनी है तो केवल वेतन वृद्धि के मामले में। सरकार ने 27 फीसदी वेतन बढाने का वादा किया है।

**वेतन वृद्धि को किस तरह देखते ?** -कर्मचारियों को अब तक वो मिला है, जो उन्होंने मांगा नहीं था। यानि वो वेतन वृद्धि नहीं चाहते थे। पर सरकार ने वहीं दिया है। प्रदेश अध्यक्ष कौशलेष ने कहा,%हमारी मांग में कहीं भी वेतन वृद्धि नहीं रही है।हमारी मांग सिर्फ नियमितीकरण की है। हमने आवेदन और निवेदन नियमितीतकरण के लिए ही किया था। 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि की हमारी कोई मांग नहीं है। सरकार के इस निर्णय से हमें यह पता चलता है कि सरकार को वास्तव में यह बात पता नहीं है कि संविदा कर्मचारियों की मांग क्या है ?% वेतन बढने के बाद भी कर्मचारी अपनी हड़ताल को खत्म करने के मूड में नहीं दिख रहे हैं।

**संविदा कर्मचारियों का भूपेश से भरोसा टूटा**- पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने जन घोषणापत्र में संविदा कर्मियों को नियमित करने का वादा किया था। अब कुछ महीनों में चुनाव आने वाले हैं। कर्मचारी बताते हैं कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सार्वजनिक रूप से मीडिया में कहा है कि संविदा कर्मचारियों का ख्याल रखने के लिए 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि की है। उन्हें नियमित करने के लिए केंद्र सरकार अनुमति दे दें, तो नियमित करने के लिए कोई हर्ज नहीं है। हालांकि सीएम के इस बयान को कर्मचारी धोखा बताते हैं। कर्मचारी कहते हैं कि ऐसे कई राज्य के उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने राज्य के संविदा कर्मचारियों को नियमित किया है। इनमें ओडिशा, मणिपुर, राजस्थान के उदाहरण सबके सामने हैं।

**कांग्रेस ने घोषणा पत्र बनाने से पहले क्या प्रधानमंत्री से पूछा था**- प्रांत प्रवक्ता सूरज ने कहा,कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले जन घोषणा बनाने के दौरान प्रधानमंत्री से नियमितीकरण की बात पूछी थी। अपने घोषणा पत्र में यह बात शामिल करने से पहले क्या भाजपा का सहारा लिया? जब हम आंदोलन कर रहे थे। तब हमारे कंधों पर हाथ रखकर हमसे गले लगा कर कहा था कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार आएगी तब प्रदेश के 1-1 संविदा कर्मचारियों को नियमित कर देंगे। आज 1500 से ज्यादा दिन बीत गए हैं। अगर सरकार हमें नियमितीकरण नहीं करेगी तो हमारे संविदा कर्मचारियों के साथ उनके साढ़े 4 लाख परिवार सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठेंगे और सरकार के खिलाफ वोट देंगे।

**जॉब सिक्योरिटी चाहिए**- सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के प्रांत प्रवक्ता सूरज सिंह ने कहा कि यह सरकार धोखेबाजी का पर्याय बन चुकी है। 2019 में नियमितीकरण के लिए कमेटी बनाई गई थी। पौने 5 साल बाद विधानसभा के बजट सत्र में वे कहते हैं कि संविदा कर्मचारियों को नियमित नहीं कर सकते। सरकार ने इतने साल तक संविदा कर्मचारियों को गुमराह क्यों किया ? अब अंतिम समय में जब संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं, तब सरकार ने संविदा कर्मचारियों का 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि की घोषणा की, यह दांव उन पर उल्टा पड़ चुका है, हमें अपनी जॉब सिक्योरिटी चाहिए हमें नियमितीकरण चाहिए। सरकार उनके 4.30 लाख परिवारों को गुमराह कर रही है।

## कही-सुनी



रवि भोई

### अमित शाह की घुट्टी

चुनावी चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 2023 में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में जीत के लिए राज्य के नेताओं को लगातार घुट्टी पिला रहे हैं और चुनावी मंत्र दे रहे हैं।

अब अमित शाह की घुट्टी कितना असरकारक होती है, यह तो नतीजों से साफ़ होगा। अमित शाह जिस तरह चुनाव से पहले आ रहे हैं और यहां के नेताओं की बैठक ले रहे हैं उससे साफ़ है कि राज्य के नेता धारदार नहीं हैं और वे युद्ध की कमान अपने पास ही रखना चाहते हैं। भाजपा 2018 में 15 सीटों पर सिमटकर रह गई थी। भाजपा ने 2018 में हार के कारणों की समीक्षा ही नहीं की। 2018 के परिणाम को भूली बिसरी बातों की तरह लेकर भाजपा हाईकमान ने राज्य के नेताओं पर पांच प्रभारी बैठा दिए हैं। कहते हैं पांचों प्रभारियों में ही तालमेल स्थापित नहीं हो पा रहा है। बताते हैं पिछले दिनों एक प्रभारी ने राज्य के कुछ बड़े नेताओं की बैठक ली। बैठक में कुछ रणनीति बनाई गई। अगले दिन दूसरे प्रभारी आए और उन्होंने फिर उसी मुद्दे पर उन्हीं नेताओं की बैठक बुला ली। कुछ नेता तो अपने शहर पहुंच गए थे। प्रभारी के फरमान के कारण उलटे पाँव उन्हें बेमन आना पड़ा। प्रभारियों का ही लाइन-लेंथ ठीक नहीं हैं, तो लोकल नेता घुट्टी पीकर कैसे मजबूत होंगे ?

### भूपेश बघेल का दांव

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने कार्यकाल के आखिरी अनुपूरक बजट में कई दांव चले हैं। कर्मचारियों,संविदा, दैनिक वेतनभोगियों,



अतिथि शिक्षकों, पटवारियों, आरक्षकों , पंचायत सचिवों सभी पर मुख्यमंत्री की कृपा बरसी। कर्मचारियों का डीए-एचआरए सब बढ़ा दिया गया है। डीए-एचआरए बढ़ाने को लेकर प्रदेश के कर्मचारी जुलाई में एक दिन की हड़ताल पर थे। अगस्त में हड़ताल का अल्टीमेटम दिया था। कर्मचारी-शिक्षक-पटवारी और सिपाही बड़े वोट बैंक हैं। कर्मचारियों की नाराजगी से कांग्रेस का वोट बैंक प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही थी। मुख्यमंत्री ने सरकारी कामकाज से जुड़े लोगों को खुश करने के लिए 2000 करोड़ रुपए का ऐलान किया है। छत्तीसगढ़िया संस्कृति की मजबूती और किसानों को गदगद करने के बाद भूपेश बघेल का कर्मचारी वाला दांव ने भाजपा के माथे पर बल ला दिया है। अब देखते हैं विधानसभा चुनाव में क्या गणित बनता है ।

### ईडी के जाल में रानू साहू

कोल लेवी घोटाले में छत्तीसगढ़ कैडर के 2010 बैच की आईएएस रानू साहू गिरफ्तार हो गई। रायगढ़ की कलेक्टर रहते रानू साहू के निवास और उसके पैतृक गांव में ईडी ने छापा मारा था। ईडी ने रानू साहू को पूछताछ के लिए कई बार तलब भी किया। छापे के बाद कई महीने तक रानू साहू



के खिलाफ एक्शन न होने पर अफवाह चल पड़ी थी कि ईडी ने उन्हें सरकारी गवाह बना लिया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने ईडी के छापे के बाद रानू को रायगढ़ कलेक्टरी से हटाकर एक विभाग और एक बोर्ड का मुखिया बना दिया। हाल ही में उन्हें तीसरा चार्ज भी दिया गया था। वैसे इस बीच ईडी ने रानू साहू की कुछ संपत्ति को अटैच कर लिया था, तब से लोग अंदाज लगा रहे थे कि देर-सबेर ईडी रानू साहू को अपने कब्जे में लेगी। 20 जुलाई को अकस्मात छापेमारी के बाद रानू पर गाज गिर गई। रानू के साथ उनके आईएएस पति भी लपेटे में आ गए हैं, लेकिन अभी ईडी के जाल में उलझने से बचे हैं। कहते हैं आने वाले दिनों में कुछ और अफसर ईडी के फंदे में आ सकते हैं। चर्चा है कि ईडी चावल घोटाले और डीएमएफ फंड की जांच को तेज करने वाली है।

### कांग्रेस नेता भूमिगत

कहते हैं छत्तीसगढ़ कांग्रेस के एक दिग्गज नेता ईडी के भय से भूमिगत हो गए हैं। 20 जुलाई को ईडी उनके घर पर धावा बोली तो भी वे नहीं मिले। वैसे ईडी जब-जब इस कांग्रेस नेता के घर और दूसरे ठिकानों पर छापा मारा, तब-तब उनको सूचना मिल गई और वे भूमिगत हो गए। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के ये दिग्गज नेता ईडी के भय के कारण पिछले कुछ दिनों से राजधानी छोड़कर पड़ोस के एक जिला मुख्यालय के एक सरकारी डाक बंगला में रात को रुकते थे। अब अफवाह फैली है कि ईडी की चपेट में आने से बचने के लिए ये नेता विदेश चले गए हैं। अब ये विधानसभा चुनाव से पहले नहीं आने वाले हैं। चर्चा है कि नेताजी के भूमिगत हो जाने से कांग्रेस दफ्तर के कई लेन-देन पर असर पड़ गया। कहा जाता है कि कांग्रेस कार्यालय के चेक पर नेताजी का हस्ताक्षर चलता है।

### जोगी की पार्टी अब एक विधायक वाला

2018 के विधानसभा चुनाव में पांच विधायकों और 7.6 फीसदी वोटों के साथ छत्तीसगढ़ में तीसरी ताकत के रूप में उभरी अजीत जोगी की पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) अब केवल एक विधायक वाला हो गया। श्रीमती रेणु जोगी ही अब इस पार्टी की विधायक रह गई हैं। जोगी कांग्रेस से चुने गए लोरमी के विधायक धर्मजीत सिंह निलंबित हैं। बलौदाबाजार के विधायक प्रमोद शर्मा ने शनिवार को विधायकी से इस्तीफा दे दिया।अजीत जोगी और देवव्रत सिंह के निधन के चलते पहले ही पार्टी के दो विधायक कम



हो गए थे। कहा जा रहा है धर्मजीत सिंह और प्रमोद शर्मा भाजपा में प्रवेश करने वाले हैं। अजीत जोगी के बेटे अमित से दोनों की पटरी नहीं बैठ पाई। अजीत जोगी के निधन के बाद से ही अमित पार्टी के कर्ताधर्ता हैं। कहते हैं अब अगला चुनाव रेणु जोगी नहीं लड़ेंगी। चर्चा है कि कोटा क्षेत्र से अमित जोगी चुनाव लड़ेंगे। जाति के फेर में अमित मरवाही उपचुनाव नहीं लड़ पाए थे। बताते हैं जोगी की पार्टी का राज्य के एक खास वर्ग पर अब भी प्रभाव है।

### वैशाली नगर सीट पर सरोज पांडे की नजर

कहते हैं वैशाली नगर विधानसभा सीट से

भाजपा प्रत्याशी के रूप में राज्यसभा सांसद सरोज पांडे चुनाव लड़ना चाहती हैं। सरोज पांडे इस सीट से एक बार चुनाव जीत चुकी हैं। राज्यसभा सदस्य के तौर पर सरोज पांडे का कार्यकाल 2024 में समाप्त होने वाला है। विधायक विद्यारतन भसीन के निधन के बाद इस सीट के लिए भाजपा को नया चेहरा तलाशना ही पड़ेगा। कहते हैं भाजपा के कई सांसद विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। चर्चा है कि पाटन विधानसभा सीट से सांसद विजय बघेल भी ताल ठोंकने लगे हैं।

### आईएफएस अफसर का हैदराबाद टूर

छत्तीसगढ़ के एक आईएफएस अफसर का हैदराबाद टूर इन दिनों चर्चा में है। कहते हैं ये अफसर हर हफ्ते हैदराबाद के टूर पर जाते हैं। खबर है कि ये शुक्रवार की शाम को निकलते हैं और सोमवार की सुबह आ जाते हैं। कहा जाता है ये पहले रायपुर से हैदराबाद जाते थे , लेकिन जब से उन्हें ऊंची कुर्सी मिली है, तब से वे रायपुर से दिल्ली और फिर दिल्ली से हैदराबाद की उड़ान भरते हैं। वैसे यह अफसर मूलत: हैदराबाद के रहने वाले हैं।

### जमाना फेस टाइम का

राज्य के नेता,अफसर और बिजनेसमैन पहले व्हाट्सअप काल को सुरक्षित मानते थे। साधारण काल की जगह व्हाट्सअप काल ही किया करते थे। कहते हैं जब से ईडी ने व्हाट्सअप मैसेज और चैट के डिटेल निकाल कर दिग्गजों तक पहुंच गई , तब से नेता,अफसर और बिजनेसमैन व्हाट्सअप काल को सुरक्षित नहीं मान रहे हैं। व्हाट्सअप काल की जगह अब फेस टाइम से बात करने में भरोसा कर रहे हैं। फेस टाइम आडियो-वीडियो काल का एप है। कहा जा रहा है कि फेस टाइम में बात करने के लिए वीआईपी लोग ज्यादातर आई फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

**( लेखक स्वतंत्र पत्रकार और पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक हैं।)**

## सम्मान से मिलती है बेहतर कार्य की प्रेरणा : राज्यपाल

**रायपुर।** राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन आज छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा आयोजित ''उत्कृष्टता अलंकरण समारोह'' और पंचम विधानसभा के विधायकों के लिए आयोजित बिदाई समारोह में मुख्य अतिथि बतौर शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव, संसदीय कार्य मंत्री रविन्द्र चौबे, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, विधानसभा के उपाध्यक्ष संतराम नेताम सहित केबिनेट के अन्य मंत्रीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में उत्कृष्ट विधायकों एवं उत्कृष्ट संसदीय पत्रकारों को सम्मानित करने की यह परंपरा अत्यंत सराहनीय है। इससे विधायकों एवं मीडियाकर्मियों को बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। इस कार्यक्रम में सत्तापक्ष की विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा और प्रतिपक्ष की विधायक श्रीमती रंजना दिपेन्द्र साहू को वर्ष 2022 का उत्कृष्ट विधायक सम्मान और विधायक श्री धर्मजीत सिंह को पंचम विधानसभा के जागरूक विधायक सम्मान से नवाजा गया। प्रिंट मिडिया के श्री राहुल जैन और इलेक्ट्रानिक मीडिया के श्री देवव्रत भगत और कैमरामेन रोहित श्रीवास्तव को उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार का सम्मान दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक मजबूत विधायिका जनहित, विकास और सुशासन का आधार स्तंभ है। निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को जनता की सेवा करने का सर्वोत्तम अवसर मिलता है, उन पर राज्य और नागरिकों के हित में काम करने की भी जिम्मेदारी है। इसी प्रकार मीडिया विधायिका, कार्यपालिका और नागरिकों के बीच सेतु का काम करता है। छत्तीसगढ़ में मीडिया ने अपने विभिन्न रूपों के



माध्यम से न केवल आम जनता को जागरूक, शिक्षित किया है, बल्कि राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर पंचम विधानसभा के सदस्यों को बिदाई भी दी गई।

राज्यपाल श्री हरिचंदन ने सभी से आग्रह किया कि अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से ऊपर उठकर सदैव जनहित एवं जनकल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि छत्तीसगढ़ विधानसभा की गिनती देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभाओं में होती है। विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जो सामंजस्य और सम्मान का भाव है, वो निश्चित तौर पर प्रशंसनीय है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत सभी से यह अपील कि जनभागीदारी से वर्ष 2025 तक छत्तीसगढ़ से टीबी को खत्म करने के लक्ष्य पर काम करें। *छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अनेक स्वस्थ परंपराओं व नियमों को स्थापित किया* मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के विगत पांच साल का कार्यकाल बहुत चुनौती पूर्ण रहा।

केंद्र सरकार में बेतहाशा महंगाई को लेकर कांग्रेस ने हर परिवार के प्रति वेदना व्यक्त कर किया अनूठा प्रदर्शन

## टमाटर 160,गैस 1200 पार,खाली प्लेट कैसे खाएं खाना, कांग्रेस का अनूठा प्रदर्शन

**रायपुर।** आमजन की वेदना को प्रकट करते हुये रायपुर पश्चिम से विकास उपाध्याय ने कांग्रेस के साथियों के साथ अप्रत्याशित रूप से बढ़ी सब्ज़िया और अन्य खाद्य सामग्रियों की कीमतों के चलते टमाटर, मिर्ची को चावल और रोटी के साथ महसूस कर खाया। इस प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस की महिलाओं द्वारा चूल्हा चौकी पर खाना पकाया गया, आज माताएं-बहने गैस चूल्हा में खाना बनाना छोड़, लकड़ी के चूल्हे में खाना बना रही है क्योंकि गैस के सिलेंडर को रिफिल कराने का पैसा नही है उज्वला योजना के नाम पर लोगो को बेवकूफ़ बनाया गया और एक भी बार सब्सिडी नही मिली जिसे इस प्रदर्शन में काँग्रेसी महिलाओ ने दर्शाया है, वही विकास उपाध्याय और तमाम कांग्रेसियो ने बढ़ती महंगाई में भोजन को महसूस कर खाते हुये जनता की सच्चाई को प्रदर्शन के साथ बयान किया। इस दौरान एआईसीसी सचिव व विधायक विकास उपाध्याय ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ जोरदार प्रहार करते हुऐ कहा कि आज टमाटर 100रु से 150रु किलो, अदरक 250रु, धनिया 200रु किलो, मिर्ची 100रु किलो, शिमला मिर्च 120रु किलो, लहसुन 150रु किलो, भिंडी 80रु, करेला 80रु, परवर 80रु, गाजर 80रु है इस बढ़ी हुई महँगाई में आम जनता का बुरा हाल है ग़रीब लोग तो भूखमरी में जीने को मजबूर हैं लोगो के पास खाने को चावल तो है, पर सब्ज़ी और दाल के लिये पैसा नही है, और तो और टमाटर जिसका उपयोग हमारे देश की महिलाए हर सब्ज़ी बनाते वक्त करती है उस टमाटर का दाम तो इतना अधिक है की लोग उसे सिर्फ़ देख कर ही महसूस कर रहे हैं महंगा होने के कारण टमाटर को खरीद कर खा नही पा रहे हैं। आज घरेलू गैस के दामो में वृद्धि के चलते गैस सिलेंडर होने के बावजूद महिलाए चूल्हा जलाने पर मजबूर हैं। आज दैनिक जीवन की वस्तुएं यूपीए के ज़माने से तिगुने चौगुने दामो पर मिल रही है, कच्चे तेल का दाम अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कम फिर भी भारत मे पेट्रोल डीजल का दाम बढ़ा हुआ है। आपको याद होगा कि 400रु सिलेंडर मिलने और सब्जियों के 1 से 2 रु के दामो में वृद्धि होने पर सिलेंडर सर पर उठा कर घूमने वाले भाजपा के लोग आज इस महंगाई पर आँख मूंदे पड़े है, चंद उद्योगपतियों को फायदा पहुँचाने के लिये आज जनता के पेट पर प्रहार ये भाजपा में ही मुमकिन है, खाद्य वस्तुओ की जमाखोरी और कालाबाजारी की जा रही है, आज इस प्रदर्शन के माध्यम हमने आमजन की वेदना को प्रकट कर सच्चाई बयान कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

### अमित शाह को अभी मणिपुर में ध्यान देना चाहिए: बैज

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को अभी मणिपुर में ध्यान देना चाहिए। मणिपुर 80 दिनों से हिंसा की आग में सुलग रहा है मणिपुर की जनता अपनी जान माल की सुरक्षा को लेकर भयभीत हैं डबल इंजन की सरकार मणिपुर की जनता को सुरक्षा देने में नाकाम साबित हो गई है। मणिपुर में



80 दिनों के भीतर 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। 5000 घरों में आग लगा दिया गया है 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। जान-माल को भारी क्षति पहुंची है भाजपा सरकार के जिम्मेदार लोग मौन बैठे हैं। महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया जा रहा है जघन्य हत्याकांड हो रही है बर्बरता दिख रहा है। मणिपुर की राज्यपाल अनसुईया उईके भी मणिपुर के हालात को लेकर व्यथित है। केन्द्र सरकार को मणिपुर की हालात से अवगत करा चुके है उसके बावजूद मोदी और शाह चुप हैं।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस विधानसभा के चुनाव की तैयारी बूथ स्तर पर कर रही है और भाजपा दिल्ली में कर रही है। प्रदेश भाजपा के नेताओं के उपर उनके केंद्रीय नेतृत्व को भरोसा नहीं है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, अजय जमवाल, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव की कोई सुन नहीं रहा है। भाजपा में गुटबाजी चरम सीमा पर है कई गुटों में भाजपा बटी हुई है।

### कांग्रेस ने स्थापित कर दी भ्रष्ट प्रशासनिक व्यवस्था: ओपी चौधरी

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने आईएएस अधिकारी की गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक इतिहास की दृष्टि से आज का दिन बहुत दुखद और काला दिन है। घोटाला, भ्रष्टाचार, कोल



घोटाला, राशन घोटाला, चावल घोटाला, शराब घोटाला से आगे बढ़ते हुए आज एक आईएएस अधिकारी की गिरफ्तारी हुई। सात आठ महीने पहले भी एक आईएएस अधिकारी की गिरफ्तारी हुई थी। उन्हें जमानत तक नहीं मिली। दूसरी तरफ कांग्रेस की सरकार ने राजधानी में यूपीएससी के टॉपर्स को बुलाकर चुनाव के 3 महीने पहले वर्कशॉप कराई। एक तरफ वर्कशॉप का ढोंग किया जा रहा है दूसरी तरफ भ्रष्ट प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित कर दी गई है। ट्रांसफर उद्योग स्थापित हो गया है। जिसके कारण से आईएएस अधिकारियों के घोटाले और माफिया राज की दृष्टि से गिरफ्तारी हुई।भाजपा प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि कांग्रेस की प्रदेश सरकार द्वारा शुक्रवार को यूपीएससी के टॉपर्स को राजधानी बुलाकर वर्कशॉप कराई गई। श्री चौधरी ने कहा कि पिछले पौने पाँच सालों में कांग्रेस सरकार ने भर्ती में माफिया, पीएससी में माफिया, व्यापमं में माफिया राज चलाया है। लवासना में पहले कहा जाता था कि एक राज्य के तौर पर छत्तीसगढ़ को आप कुछ भी कंसीडर करिए, आईएएस के अच्छे काम करने की दृष्टि से काडर के तौर पर एक बेहतरीन काडर कहा जाता था।

### डॉ रमन सिंह सीएजी के मामले में झूठ बोल रहे हैं : ठाकुर

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव ध्वस्त होने के बाद अब सीएजी के मामले में झूठ बोल रहे हैं। सीएजी की रिपोर्ट में स्पष्ट है जिन कार्यों के लिए बजट बना था वह



कार्य नहीं हुए हैं तो उसकी राशि खर्च नहीं हो पाई है ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री का सीएजी रिपोर्ट की आड़ में घोटाले का आरोप लगाना बेबुनियाद है जब राशि खर्च ही नहीं हुए तो घोटाला कैसे? भाजपा प्रदेश में मुद्दा विहीन हो चुकी है मुद्दों के दिवालियापन के दौर से गुजर रही है जनता का समर्थन खो चुकी है इसलिए झूठी और मनगढ़ंत कूट रचित आरोप लगाकर राजनीति में बना रहना चाहते हैं प्रदेश की जनता ने 15 साल के रमन भाजपा सरकार के कुशासन और भ्रष्टाचार को देखा है प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रमन सरकार के दौरान एक लाख करोड़ का घोटाला प्रदेश में हुआ था 36000 करोड़ का नान घोटाला 4400 करोड़ का शराब घोटाला 1667 करोड़ का गौशाला घोटाला, डीकेएस घोटाला स्काईवॉक, एक्सप्रेसवे, चरण पादुका घोटाला मोबाइल घोटाला परिवहन घोटाला दवा खरीदी में घोटाला सहित अनेक घोटाले हुए थे। 20लाख फर्जी राशन कार्ड बना कर गरीबों के चावल में डाका डाला गया था।

### साल खपरी तस्करों पर हुई कार्रवाई

**रायपुर।** वन मंत्री मोहम्मद अकबर की पहल पर वन अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व गरियाबंद के एंटी पोचिंग टीम के द्वारा दो साल खपरी तस्करों पर कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि श्री सुधीर अग्रवाल प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रायपुर छत्तीसगढ़, श्री के मैथियो मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं क्षेत्र संचालक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व रायपुर एवं श्री वरुण जैन, उपनिदेशक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व गरियाबंद के कुशल मार्गदर्शन में पी.ओ.आर. प्रकरण क्रमांक 8431/15 दिनांक 12.06.2023 के फरार आरोपी शिशुपाल, एवं सीताराम की पतासाजी करने उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व गरियाबंद के एंटी पोचिंग टीम के द्वारा दिनांक 19/07/2023 को उड़ीसा के सीमावर्ती क्षेत्र में लगे हुए उड़ीसा प्रांत के नवरंगपुर जिला में गये हुए थे, उसी दरम्यान सूचना प्राप्त हुआ कि उड़ीसा राज्य के दो अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा ग्राम बिरीघाट में साल खपरी तस्करी करते हुए पाया गया।गौरतलब है कि एन्टी पोचिंग टीम के द्वारा उक्त स्थल पर पंहुचने पर अज्ञात व्यक्ति मौके पर साल खपरी 1.200 कि.ग्रा. को छोडकर फरार हो गये। चूंकि घटना छत्तीसगढ़ राज्य में हुआ है। जिसकी खोजबीन के दौरान दिनांक 20/07/2023 को ग्राम राजकोट के पास लालधर पिता हरिसिंग, जाति गाड़ा, उम्र 39 वर्ष और टीकम पिता नीलधर, जाति गाड़ा, उम्र 29 वर्ष, ग्राम राजकोट, थाना चंदाहांडी, जिला नवरंगपुर (उड़ीसा) को संदेह के आधार पर पुछताछ की और अग्रिम कार्यवाही हेतु वन परिक्षेत्र इंदागांव (धुरवागुड़ी) बफर कार्यालय में लाया गया।

### जल जीवन मिशन: 26.91 परिवारों को मिला कनेक्शन

**रायपुर।** राज्य के ग्रामीण अंचलों में नि:शुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत 50 लाख 11 हजार 458 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिया जाना है। जिसके तहत वर्तमान में 26 लाख 91 हजार 422 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके साथ-साथ राज्य के 43 हजार 981 स्कूलों, 41 हजार 725 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 17 हजार 290 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिला सर्वाधिक 2 लाख 39 हजार 943 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में अग्रणी है। इसी तरह राजनांदगांव जिला 1 लाख 84 हजार 770 तथा रायगढ़ जिला 1 लाख 60 हजार 267 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा रही है।

## रायपुर नगर निगम को मिला 1327 करोड़ कौन खा गया: बृजमोहन अग्रवाल

**रायपुर ।** भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र ने आज शारदा चौक में जंगी प्रदर्शन कर शारदा चौक व जयस्तंभ चौक में चक्का जाम किया गया साथ ही भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शारदा चौक जयस्तंभ चौक और फिर तात्यापारा चौक तक पैदल मार्च कर प्रदर्शन किया । भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने जंगी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बन गए हैं नगर निगम में मुख्यमंत्री और मंत्री की चाल लग रही है वे सिर्फ पैसा दे रहे हैं और पैसा भ्रष्टाचार के भेट चढ़ रहा है । 1327 करोड़ से अधिक की राशि से नगर निगम में क्या हुआ है बताना चाहिए ? कहां गए 1327 करोड़, कौन खा गया




इस पैसे को ? पिछले साढे 4 साल से नगर निगम का विकास अवरुद्ध हो गया है, मुख्यमंत्री शारदा चौक से तत्यापारा चौक के सड़क के चौड़ीकरण के बारे ने चार बार विधानसभा में बोल चुके हैं ,बाहर कार्यक्रमों में बोल रहे हैं, पर इस सड़क के लिए उनके पास पैसा नहीं है नगरीय प्रशासन मंत्री कहते हैं पीडब्ल्यूडी बनाएगा यही हाल पूरे सरकार की है। शहर में चारों तरफ आतंक व्याप्त है। रायपुर जुआ सट्टा और शराब का शहर हो गया हैं चारों तरफ सिर्फ गड्ढे और गड्ढे है। भारतीय जनता पार्टी लगातार रायपुर शहर के समस्याओं के लिए आवाज उठा रही है पर सरकार कुंभकरणी नींद में सोई हुई है, उन्हें जनता के समस्याओं से, जनता के हितों से कोई लेना देना नहीं है। रायपुर शहर जिला भाजपा द्वारा आहूत इस आंदोलन का नेतृत्व वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने किया। भाजपा द्वारा शारदा चौक पर किए गए चक्का जाम आंदोलन को संबोधित करते हुए वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि पाँच साल का कार्यकाल पूरा कर रही प्रदेश कांग्रेस सरकार ने विकास के नाम पर एक ईंट रखने का काम भी नहीं किया है। राजधानी की सबसे महत्वपूर्ण मानी जाने वाली रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में जन समस्याओं का अम्बार लगा है। कांग्रेस शासन, उसका प्रशासन और कांग्रेस की सत्ता वाली रायपुर नगर निगम की भ्रष्ट नीतियों की वजह से रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में चहुँओर बदहाली का आलम है। श्री अग्रवाल ने कहा कि भाजपा द्वारा लगातार आवाज उठाने के बावजूद कांग्रेस सरकार सो रही है। कांग्रेस सरकार की बदलापुर की राजनीति का दुष्परिणाम रायपुर दक्षिण की जनता भोग रही है।

इस विधानसभा क्षेत्र में 15 साल में हुए विकास को कांग्रेस ने पौने पांच साल में चौपट कर दिया है। अब सरकार बदलने का वक्त आया है। कांग्रेस का पंजा रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विकास में बाधक बन रहा है। अब इस क्रूर पंजे को सत्ता से उखाड़ फेंकना है। भाजपा विधायक व पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि शारदा चौक से तात्यापारा मार्ग चौड़ीकरण की राह देखते-देखते आँखें थक गईं। यह चौड़ीकरण नहीं हुआ। इसी तरह प्रोफेसर कॉलोनी, परशुराम नगर, रिंग रोड से पचपेड़ी नाका, लक्ष्मी नगर, तरुण नगर तक जल भराव से लोग दिक्कत में हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरे छत्तीसगढ़ की तरह ही इस विधानसभा क्षेत्र में भी चौपट है। अपराधों की बाढ़ आ गई है। जनता का जीवन खतरे में है। इससे पहले भाजपा शहर जिला अध्यक्ष जयंती पटेल ने बताया कि शारदा चौक पर पूर्ण चक्का जाम किया गया लेकिन आवश्यक सेवाओं के लिए आवागमन बाधित नहीं किया गया। चक्काजाम आंदोलन को प्रभारी डॉ. विमल चोपड़ा, रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे, सच्चिदानंद उपासने, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, मृत्युंजय दुबे,सरिता वर्मा,प्रवीण देवड़ा, सचिन मेघानी ने संबोधित किया।


आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.